औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 10 माह के निचले स्तर पर - 12

कोर्ट ने बांके बिहारी मंदिर समिति से कहा- पता करें सरकारों ने कितने मंदिरों को अधिकार में लिया- 12

कल अंतरिक्ष में प्रक्षेपित होगा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह निसार - 13

दिव्या देशमुख बनीं शतरंज की वर्ल्ड चैंपियन, कोनेरू हम्पी को हराकर रचा इतिहास- 14


आज का मौसम

29.5° अधिकतम तापमान

27.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.32

सूर्यास्त 06.58

# अमृत विचार

अयोध्या

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी 12:46 तक उपरांत षष्ठी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 29 जुलाई 2025, वर्ष 3, अंक 345, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये


## ब्रीफ न्यूज

### डीएसपी समेत छह के खिलाफ मामला दर्ज

**नई दिल्ली।** सीबीआई ने दो साल पहले एक साथी पुलिस कांस्टेबल को हिरासत में लेकर क्रूर और अमानवीय यातना देने के मामले में जम्मू-कश्मीर पुलिस के छह अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के आदेश पर दर्ज प्राथमिकी में केंद्रीय एजेंसी ने पुलिस उपाधीक्षक एजाज अहमद नाइको और पांच अन्य को नामजद किया है, जो उस समय संयुक्त पूछताछ केंद्र, कुपवाड़ा में तैनात थे। अधिकारियों के मुताबिक प्राथमिकी में नामजद अधिकारियों में डीएसपी नाइको के अलावा उप निरीक्षक रियाज अहमद और चार अन्य जहांगीर अहमद, इम्तियाज अहमद, मोहम्मद यूनिस और शाकिर अहमद शामिल हैं।

### मणिपुर के पांच जिलों से 155 शस्त्र बरामद

**इंफाल।** मणिपुर में सुरक्षाबलों ने पिछले कुछ दिनों में पहाड़ी जिलों चुराचांदपुर, कांगपोकपी, फेरजावल, तेंगनौपाल और चंदेल में चलाए गए कई अभियानों के दौरान 155 आग्नेयास्त्र और 1,652 कारतूस बरामद किए हैं। पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ), असम राइफल्स और सेना की संयुक्त टीमों द्वारा खुफिया जानकारी के आधार पर चलाए गए अभियान में ये हथियार बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक, बरामद किए गए हथियारों में एके सीरीज की आठ राइफल, दो इंसास राइफल, चार कार्बाइन, एक एसएलआर, नौ एमएम की आठ पिस्तौल, 12 बोर की 14 बंदूक, सिंगल बोर की 21 बंदूक, 14 देशी पिस्तौल और अन्य राइफल हैं।

### स्कूल गेट गिरने से बच्चे की मौत, दो घायल

**जयपुर।** जैसलमेर जिले में सोमवार को एक सरकारी स्कूल भवन का प्रवेशद्वार गिरने से सात साल के एक बच्चे की मौत हो गई जो अपनी बहन को स्कूल से लेने आया था। अधिकारियों ने बताया कि हादसे में एक छात्रा व एक शिक्षक घायल हो गए। हादसा सोमवार को गांव पूनमनगर के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में छुट्टी होने के समय हुआ। प्रवेशद्वार गिर गया और अपनी बहन को लेने आए बच्चे की मौत हो गई जबकि शिक्षक अशोक कुमार सोनी (40) तथा एक अन्य छात्रा प्रिया (पांच) घायल हो गए। मृतक की पहचान अरबाज खान के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि प्रवेशद्वार की स्थिति पिछले कुछ समय से जर्जर थी।

## अंदर देखें ... अंतस

# सहकारी समितियों में पिछड़ा वर्ग को मिलेगा 27 % आरक्षण

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक में हुआ फैसला

**अमृत विचार :** प्रदेश में सहकारी समितियों में संचालक पदों पर पिछड़े वर्ग के लोगों को 27 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। आयोग की ओर से इसकी संस्तुति शासन को भेजी जाएगी। सोमवार को उत्तर प्रदेश पिछड़ा वर्ग आयोग की बैठक में आरक्षण लागू करने को लेकर निर्णय लिया गया।

आयोग की सुनवाई के दौरान संचालक पदों के लिए आरक्षण का मुद्दा उठाया गया। आयोग को बताया गया कि सहकारी समितियों में संचालक पदों पर अनुसूचित वर्ग को आरक्षण दिया जा रहा है, पर पिछड़े वर्ग को आरक्षण नहीं मिल रहा है। इस पर आयोग ने पिछड़े वर्ग के लोगों को भी आरक्षण दिलाने के लिए संस्तुति भेजने का फैसला लिया। समितियों में संचालक समिति प्रबंधन और संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संचालक समिति के सदस्य समिति के निदेशक मंडल का हिस्सा होते हैं और समिति चलाने के लिए जिम्मेदार होते हैं। प्रदेश में राज्य सरकार की कई सहकारी समितियां हैं। समितियां सहकारिता, दुग्ध, गन्ना, आवास और अन्य क्षेत्रों में कार्य कर रही हैं।

# पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड सुलेमान समेत 3 ढेर

श्रीनगर, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर की ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर के बाहरी इलाके के जंगलों में सेना के शीर्ष पैरा कमांडो ने सोमवार को पहलगाम आतंकवादी हमले के कथित मास्टरमाइंड और उसके दो साथियों को मार गिराया, जिसे बड़ी उपलब्धि के तौर पर देखा जा रहा है।

अधिकारियों ने बताया कि 22 अप्रैल के पहलगाम हमले का मास्टरमाइंड माना जा रहा सुलेमान उर्फ आसिफ सोमवार को उस समय मारा गया, जब सुरक्षा बलों ने एक तकनीकी संकेत मिलने के बाद ऑपरेशन महादेव अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि यह तकनीकी संकेत एक ऐसे सैटेलाइट फोन के इस्तेमाल का इशारा कर रहा था, जिसका उपयोग पहलगाम हमले के दोषियों ने भी किया था।

मौके पर मोर्चाबंदी किए हुए सेना के जवान।

अधिकारियों के मुताबिक, सेना की कार्रवाई में मारे गए अन्य आतंकवादियों की पहचान

## बड़ी उपलब्धि

- श्रीनगर के बाहरी इलाके में सेना ने चलाया आतंकियों के खिलाफ ऑपरेशन महादेव
- जिब्रान और हमजा अफगानी के रूप में हुई मारे गए दो अन्य आतंकियों की पहचान

जिब्रान (जो पिछले साल सोनमर्ग सुरंग हमले में कथित रूप से शामिल था) और हमजा अफगानी के रूप में हुई है। इस हमले में एक डॉक्टर समेत सात लोग मारे गए थे। इस अभियान का कोडनाम 'ऑपरेशन महादेव' था। पहलगाम के पर्यटक स्थल बैसरन में 22 अप्रैल को आतंकवादियों ने 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। मृतकों में अधिकतर पर्यटक थे। इसके बाद सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे के खिलाफ सात मई को 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया था। मुठभेड़ स्थल से एक एम4 कार्बाइन राइफल, दो एके राइफल और अन्य हथियार बरामद किए गए।

एक अधिकारी ने बताया कि पूर्वाह्न करीब साढ़े 11 बजे 24वीं राष्ट्रीय राइफल और चौथे पैरा यूनिट के जवानों के एक दल को तीन आतंकवादियों का पता चला और उन पर अचानक हमला कर उन्हें मार गिराया। आईजी (कश्मीर क्षेत्र) वीके बिरदी ने कहा कि यह एक लंबा अभियान था, जो अंतिम रिपोर्ट मिलने तक जारी रहा। अन्य विवरणों पर टिप्पणी करना अभी जल्दबाजी होगी।

## ऑपरेशन सिंदूर पर विपक्ष के सवालों पर बोले रक्षामंत्री

# परीक्षा में केवल परिणाम अहम, बाकी सब बेमानी

### लोकसभा में चर्चा

- किसी के दबाव में नहीं रोकी गई कार्रवाई, यह निराधार

नई दिल्ली, एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को ऑपरेशन सिंदूर को तीनों सेनाओं के समन्वय का बेमिसाल उदाहरण बताते हुए कहा कि यह कहना गलत और निराधार है कि इस अभियान को किसी दबाव में आकर रोका गया था। साथ ही पाकिस्तान को स्पष्ट शब्दों में चेतावनी दी कि यदि उसकी कुछ गलतफहमी बची रह गई है तो उसे भी दूर कर दिया जाएगा। सिंह ने लोकसभा में पहलगाम में आतंकवादी हमले के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर पर विशेष चर्चा की शुरुआत करते हुए यह भी कहा कि पाकिस्तान की तरफ से सैन्य अभियान महानिदेशक के स्तर पर संपर्क कर आग्रह किया गया था कि अब कार्रवाई रोक दी जाए।

उन्होंने विपक्ष पर भी निशाना साधा और कहा कि उसे यह सवाल पूछने के बजाय कि इस अभियान में भारत के कितने विमान गिरे, ऑपरेशन की सफलता पर बात करनी चाहिए थी। कहा कि किसी भी परीक्षा के बाद परिणाम मायने रखता है, किसकी पेंसिल टूटी, किसका पेन खो गया, इसका विचार नहीं किया जाता। परिणाम यह है कि ऑपरेशनन सिंदूर में निर्धारित लक्ष्यों को पूर्ण रूप से पाने में भारत को सफलता मिली।

रक्षामंत्री ने कहा कि भारत ने कार्रवाई इसलिए रोकी क्योंकि मिशन से पहले जो उद्देश्य तय किए गए थे, उन्हें पूरी तरह हासिल कर लिया गया। किसी दबाव में ऑपरेशन सिंदूर रोकने का आरोप बेबुनियाद है। सिंह ने कहा कि किसी क्षेत्र पर कब्जा करना इस ऑपरेशन का मकसद नहीं था। इसका उद्देश्य पाकिस्तान द्वारा वर्षों से पाले गए आतंकवाद की नर्सरी का अंत करना था। उन लोगों को न्याय दिलाना था जिन्होंने पाक प्रायोजित पहलगाम हमले में अपने प्रियजनों को खो दिया। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सवाल उठाते हुए सुना गया कि संघर्ष क्यों रोका गया। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी कह चुके हैं कि ऑपरेशन सिंदूर रुका है, समाप्त नहीं हुआ है और पाकिस्तान फिर नापाक हरकत करता है तो और कठोर कार्रवाई होगी।

उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रतिपक्ष के लोग पूछते हैं कि कितने विमान गिरे। मुझे लगता है कि यह प्रश्न राष्ट्रीय भावनाओं का सही प्रतिनिधित्व नहीं करता। रक्षा मंत्री ने कहा कि विपक्ष को अभियान की सफलता पर, दुश्मन सेना को हुए नुकसान पर और आतंकी ढांचों को हुए नुकसान पर सवाल पूछना चाहिए था। सिंह ने कहा कि यह पूछिए कि क्या जांबाज सैनिकों को कोई क्षति हुई है तो उत्तर है 'नहीं'।

संसद के मानसून सत्र में लोकसभा में चर्चा के दौरान बोलते रक्षामंत्री राजनाथ सिंह।

### सेना ने 22 मिनट में नष्ट किए 9 आतंकी ठिकाने

राजनाथ ने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद छह-सात मई की रात को ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया गया जो केवल 22 मिनट चला और इसमें देश के सशस्त्र बलों ने नौ आतंकी ठिकानों पर सटीक निशाना साधकर उन्हें नेस्तनाबूद कर दिया। सिंह ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद हमारे पास जवाब देने के लिए कई विकल्प थे। लेकिन उसे चुना जिसमें आतंकियों और उनके ठिकानों को अधिकतम नुकसान पहुंचे और पाकिस्तान के आम नागरिकों को कोई क्षति नहीं पहुंचे।

### गृह मंत्री लें पहलगाम हमले की जिम्मेदारी : गोगोई

नई दिल्ली। कांग्रेस के उप नेता गौरव गोगोई ने लोकसभा में ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा के दौरान सोमवार को कहा कि कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले की जिम्मेदारी गृह मंत्री अमित शाह को लेनी होगी। गोगोई ने कहा कि पहलगाम हमले को लेकर सारा दोष टूर ऑपरेटर के सिर पर मढ़ दिया गया और कहा गया कि बगैर अनुमति के टूर ऑपरेटर पर्यटकों को पहलगाम ले गया और इसकी जानकारी सरकार को नहीं दी गई। कहा कि यह जिम्मेदारी से भागना हुआ।

# एसआईआर पर फिलहाल रोक नहीं

**नई दिल्ली।** उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के मसौदे के प्रकाशन पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। शीर्ष अदालत ने कहा कि वह निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में कराए जा रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के खिलाफ दायर याचिकाओं पर हमेशा के लिए अंतिम निर्णय लेगी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि वह 29 जुलाई को इस मामले की अंतिम सुनवाई की समय-सारणी तय करेगी। एक गैर सरकारी संगठन की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन ने कहा कि मतदाता सूची को अस्थायी तौर पर अंतिम रूप नहीं दिया जाना चाहिए और मसौदा मतदाता सूची के प्रकाशन पर अंतरिम रोक लगनी चाहिए।

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा-प्रक्रिया जारी रखे चुनाव आयोग

पीठ ने न्यायालय के पिछले आदेश पर गौर किया, जिसमें कहा गया था कि याचिकाकर्ता अंतरिम राहत के लिए अनुरोध नहीं कर रहे थे। पीठ ने कहा कि अब मामले का स्थायी निपटारा किया जाएगा।

# बाराबंकी के अवसानेश्वर मंदिर में भगदड़, दो श्रद्धालुओं की मौत

## हादसे में 44 श्रद्धालु घायल, 5 को जिला अस्पताल किया रेफर

- जलाभिषेक के दौरान टीन शेड में करंट फैलने से मची भगदड़
- मुख्यमंत्री ने जताया दुख, राज्यमंत्री और अधिकारी मौके पर पहुंचे

संवाददाता, हैदरगढ़ (बाराबंकी)

**अमृत विचार :** सावन के तीसरे सोमवार को तड़के श्रद्धालुओं से खचाखच भरे अवसानेश्वर महादेव मंदिर परिसर में हृदयविदारक हादसा हो गया। जलाभिषेक के दौरान टिनशेड में करंट फैलने के बाद भगदड़ मच गई। करंट लगने से दो श्रद्धालुओं की सीएचसी में मौत हो गई, जबकि लगभग 44 श्रद्धालु घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही राज्यमंत्री व अफसर मौके पर पहुंचे और हालचाल जाना। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

अवसानेश्वर महादेव मंदिर में तीसरे सोमवार पर जलाभिषेक के लिए रविवार रात 12 बजे से ही श्रद्धालु कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे। इसी बीच रात करीब 2 बजे बिजली का तार टूटकर टिनशेड पर गिर गया। टिनशेड और लोहे के खंभों में करंट उतरते ही लोगों को झटका लगा और भगदड़ मच गई। वहीं करंट लगने से झुलसे रमेश कुमार (28) निवासी नकटा सेहरिया मजरे पहाड़ापुर थाना कोठी व प्रशांत कुमार (17) निवासी मुबारकपुर मजरे हुसैनाबाद थाना लोनी कटरा को गंभीर दशा में सीएचसी त्रिवेदीगंज ले जाया गया। जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। हादसे में घायल 44 लोगों में से पांच को जिला अस्पताल रेफर किया गया है। सूचना पर डीएम शशांक त्रिपाठी व एसपी अर्पित विजयवर्गीय मौके पर पहुंच गए। डीएम ने बताया कि बंदर के उछलने से विद्युत तार टूटा और टिन शेड में करंट फैल गया, जिससे भगदड़ हुई। जांच के आदेश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री योगी ने हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के परिजनों को 5 लाख की आर्थिक सहायता का एलान किया है। साथ ही हादसे की रिपोर्ट तलब की है।

अवसानेश्वर मंदिर में स्थिति का जायजा लेते राज्यमंत्री सतीश शर्मा।

# परिवहन विभाग में अब छह नहीं नौ जोन होंगे

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोरखपुर, बुंदेलखंड (झांसी) व अयोध्या बनाए गए नए जोन आदेश जारी

**अमृत विचार:** प्रदेश में परिवहन विभाग के अब छह नहीं नौ जोन होंगे। गोरखपुर, बुंदेलखंड और अयोध्या को नया जोन बनाया गया है। सृजित किए गए इन तीन जोन में उप परिवहन आयुक्त अपने अमले के साथ कार्य करेंगे। इनके लिए नए पद भी सृजित कर दिए गए हैं। इसे लेकर प्रमुख सचिव परिवहन अमित कुमार गुप्ता ने आदेश जारी कर दिए हैं।

विभागीय कार्यों में तेजी लाने और कामकाज को आसान बनाने के लिए यह किया गया है। इस आशय के आदेश परिवहन आयुक्त बीएन सिंह को भेज दिए गए हैं। नए पदों में तीन नये डिप्टी ट्रांसपोर्ट कमिश्नर, तीन नये प्रधान सहायक और तीन नये आशुलिपिक की भी तैनाती की जाएगी। अभी तक प्रदेश का परिवहन विभाग मात्र छह जोनों में बंटा हुआ था। सूबे के ढांचागत विस्तार और मार्गों पर बढ़ती वाहनों की संख्या से विभागीय कार्य पूरी रफ्तार से नहीं हो पा रहे थे। काफी समय से यह मसला उठ रहा था। इसी के तहत शासन की ओर से यह आदेश जारी किए गए हैं। पुराने बड़े जोनों को काटकर सृजित किए गए इन तीनों जोन में शामिल किया गया है।

### यह तीन नए जोन किए गए हैं शामिल

नए बने यह तीन जोन गोरखपुर, बुंदेलखंड (झांसी) और अयोध्या होंगे। गोरखपुर में गोरखपुर और आजमगढ़ संभाग को शामिल किया गया है। झांसी में चित्रकूटधाम, बांदा और झांसी रीजन को जोड़ा गया है। वहीं अयोध्या जोन में अयोध्या और बस्ती संभाग को स्थान दिया गया है।

| क्रम संख्या- | जोन के नाम- | शामिल किए गए संभाग |
|---|---|---|
| 1 | लखनऊ | लखनऊ, देवीपाटन और गोंडा |
| 2 | अयोध्या | अयोध्या व बस्ती |
| 3 | कानपुर | कानपुर, प्रयागराज |
| 4 | झांसी | चित्रकूटधाम, बांदा, झांसी |
| 5 | मेरठ | मेरठ, गाजियाबाद, सहारनपुर |
| 6 | आगरा | आगरा, अलीगढ़ |
| 7 | बरेली | बरेली, मुरादाबाद |
| 8 | वाराणसी | वाराणसी, मीरजापुर |
| 9 | गोरखपुर | गोरखपुर आजमगढ़ |

# जांच पूरी होने और रिपोर्ट का इंतजार क्यों किया

नई दिल्ली, एजेंसी

### नकदी बरामदगी मामला

- कोर्ट ने न्यायमूर्ति वर्मा से उनकी याचिका को लेकर किए सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से उनकी उस याचिका को लेकर सवाल किए, जिसमें उन्होंने नकदी बरामदगी मामले में आंतरिक जांच समिति की रिपोर्ट को चुनौती दी है। उनसे पूछा कि इस प्रक्रिया में भाग लेने के बाद इस पर सवाल कैसे उठा सकते हैं।

आंतरिक जांच समिति ने न्यायमूर्ति वर्मा के दिल्ली स्थित आवास से नकदी बरामदगी मामले में उन्हें कदाचार का दोषी पाया था। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति ए.जी. मसीह की पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा से पूछा कि जांच पूरी होने और रिपोर्ट जारी होने का इंतजार क्यों किया। पीठ ने न्यायमूर्ति वर्मा का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा कि वह जांच समिति के सामने क्यों पेश हुए? क्या आप कोर्ट इसलिए आए थे कि वीडियो हटा दिया जाए? आपने जांच पूरी होने और रिपोर्ट जारी होने का इंतज़ार क्यों किया? क्या समिति के पास यह सोचकर गए कि शायद पक्ष में फैसला आ जाए?

## विश्व बाघ दिवस

एक दशक पहले पीलीभीत टाइगर रिजर्व की 25 बाघों से हुई शुरुआत, अब यह संख्या पहुंच चुकी है 71 के पार

# बाघ संरक्षण से मिली संजीवनी, लेकिन इंसानी टकराव बड़ी चुनौती

सुनील यादव, पीलीभीत

**अमृत विचार :** विशिष्ट जैव विविधता से हरा-भरा जंगल... दलदली भूमि... प्राकृतिक जल स्रोत और शिकार की पर्याप्त उपलब्धता से बेशक बाघ का साम्राज्य पीलीभीत टाइगर रिजर्व में समृद्ध होता जा रहा है। यहां 71 से अधिक बाघ हैं और विशेषज्ञों की मानें तो जल्द ही यह आंकड़ा 80 के पार पहुंचने वाला है। मगर, एक दशक देख चुके पीलीभीत टाइगर का एक दूसरा पहलू भी है, जिसमें बाघों की बढ़ती दहाड़ के बीच चुनौतियों का भी अंबार है। यह दूसरा पहलू बाघ-इंसानी टकराव से जुड़ा है। इसमें दोनों की जानें जा रही हैं, मगर ये दोनों कैसे सुरक्षित रहें, इसकी कोई ठोस रूपरेखा नहीं बन सकी है।

पीलीभीत टाइगर रिजर्व में विचरण करता बाघ।

पीटीआर क्षेत्र में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को रोकने की दिशा में वृहद स्तर पर प्रयास किए जा रहे हैं। वन एवं वन्यजीवों की सुरक्षा को लेकर वनकर्मियों की टीमें सक्रिय रहती हैं। ई-सर्विलांस टावर स्थापित कर निगरानी भी जा रही है। वन्यजीव संरक्षण के साथ-साथ वन सीमा से सटे ग्रामीणों को भी जागरूक किया जा रहा है। - **मनीष सिंह**, डिप्टी डायरेक्टर, पीलीभीत टाइगर रिजर्व।

रुहेलखंड का एकमात्र सघन जंगल, जिसे पीलीभीत टाइगर रिजर्व के नाम से जाना जाता है। टाइगर रिजर्व बनने के बाद शुरू हुई बाघ संरक्षण परियोजना से संजीवनी मिली तो यहां बाघ-तेंदुओं के अलावा अन्य वन्यजीवों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि भी हुई। वर्ष 2014 की गणना में यहां महज 25 बाघ मिले थे। वर्ष 2022 आते-आते आंकड़ा 71 पार पहुंच गया। वृद्धि का यह अनुपात सुखद और समृद्धि का परिचायक भी रहा, मगर इसके साथ ही बाघ-इंसानी टकराव जैसा नकारात्मक पहलू भी अस्तित्व में आने लगा। इस टाइगर रिजर्व के बाघों ने जंगल से बाहर निकलना शुरू कर दिया और यह सिलसिला अब भी बदस्तूर जारी है। परिणाम यह हुआ है कि मानव-वन्यजीव संघर्ष की घटनाएं भी बढ़ने लगीं। इसमें न सिर्फ इंसानों ने जान गंवाई, बल्कि बाघों को भी अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। जनपद में बढ़ते मानव-वन्यजीव संघर्ष को कम करने के लिए प्रदेश की पहली जिला स्तरीय मानव-वन्यजीव संघर्ष निवारण समिति का गठन किया गया है।

### 22 बाघ गंवा चुके हैं जान

आंकड़ों के मुताबिक टाइगर रिजर्व बनने के बाद अब तक बाघ हमलों में 59 इंसान जान गंवा चुके हैं। चालू वर्ष की बात करें तो शुरुआती चार महीनों में इक्का-दुक्का बाघ हमले हुए, मगर 14 मई से लेकर 17 जुलाई के बीच महज 65 दिनों में बाघ हमले में सात इंसान जान गंवा चुके हैं। सिलसिला सिर्फ इंसानों की मौत तक ही सीमित नहीं रहा। अब तक 22 बाघों को भी अपनी जान से हाथ धोना पड़ा। इनमें तीन शावक शामिल हैं।

### दुधवा में जा चुकी हैं 26 जानें

**लखीमपुर खीरी।** दुधवा नेशनल पार्क से सटे क्षेत्रों में एक दशक में वन्यजीवों के हमलों से 26 लोगों की जानें जा चुकी हैं। वहीं, सात सालों में पांच बाघों की भी मौत हो चुकी है। दुधवा में 13 अप्रैल 2018 को निघासन रेंज के सहतेपुरवा में और 6 नवंबर को किशनपुर सेंक्युरी के चलतुआ गांव में बाघिन को मार डाला। तीन जून 2023 में मैलानी रेंज में बाघिन की मौत हो गई। 26 फरवरी 2025 को पलिया रेंज में बाघिन व किशनपुर सेंचुरी में बाघ की मौत हो गई।

अमृत विचार

अयोध्या, मंगलवार, 29 जुलाई 2025



## न्यूज ब्रीफ

### आलू निर्यात को बढ़ावा देने के लिए पेरू के साथ समझौता

**अमृत विचार, लखनऊ :** आलू के उत्पादन, शोध, निवेश एवं निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अंतरराष्ट्रीय आलू केंद्र, पेरू एवं भारत सरकार के बीच समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किया गया है। सोमवार को नई दिल्ली में हुए इस समझौते का उद्देश्य आगरा के सिंगना में सीआईपी के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना करना है। इस समझौते के लिए उद्यान एवं कृषि विदेश व्यापार राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने प्रधानमंत्री और केन्द्रीय कृषि मंत्री का आभार व्यक्त किया है। दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश आलू उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है। इस ऐतिहासिक एमओयू के प्रावधानों का लाभ प्रदेश के आलू किसानों और आलू के क्षेत्र में शोध करने वाले वैज्ञानिकों को भी मिलेगा।

### हमले की जांच के लिए समिति गठित

**अमृत विचार, लखनऊ :** राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग ने मेरठ में पिछड़े वर्ग के मनोज कश्यप पर हुए हमले की जांच के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन किया है। यह टीम एक अगस्त को घटना स्थल पर जाएगी। सोमवार को आयोग के अध्यक्ष राजेश वर्मा की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह फैसला लिया गया। मेरठ के ग्राम पंचाली निवासी मनोज व उनके परिजनों पर हुए हमले का मामला आयोग के सदस्य रमेश गौड़ कश्यप ने उठाया। उन्होंने बताया कि मेरठ पुलिस प्रशासन की ओर से इस गंभीर प्रकरण पर समुचित कार्रवाई नहीं की गई है। अध्यक्ष ने इस घटना की गंभीरता को देखते हुए उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल के नेतृत्व में तीन सदस्यीय जांच समिति बनाने व एक अगस्त को घटना स्थल भेजने का निर्णय लिया।

### बारिश से कहीं किसान खुश तो कहीं हलकान

**अमृत विचार, लखनऊ :** प्रदेश में बारिश के बीच किसी क्षेत्र के किसान खुश हैं तो कहीं कम या ज्यादा बारिश से परेशान भी हैं। दोनों स्थितियों पर लेकर राज्य सरकार ने संबंधित विभागों को गाइडलाइंस जारी की हैं। कुछ क्षेत्रों में बारिश से फसलों को लाभ हो रहा है, तो कुछ क्षेत्रों में बाढ़ से फसलें बर्बाद भी हो रही हैं। बारिश के अलग-अलग मिजाज की बात करें तो नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ, वाराणसी, मुरादाबाद में अपेक्षानुरुप बारिश न होने से आम लोगों के साथ किसान भी परेशान हैं। वहीं, पश्चिमी यूपी के सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, मेरठ, बिजनौर, बाजपत और गाजियाबाद में बादलों की आवाजाही जारी है।

उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से सोमवार को बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी एवं वरुण-अर्जुन विश्वविद्यालय शाहजहांपुर के कुलाधिपति और दैनिक अमृत विचार के प्रबंध संपादक डॉ. केशव कुमार अग्रवाल ने मुलाकात की। उप-मुख्यमंत्री के लखनऊ स्थित सरकारी आवास पर हुई इस मुलाकात के दौरान ब्रजेश पाठक ने प्रसिद्ध सर्जन डॉ. केशव अग्रवाल के उप्र. में चिकित्सा क्षेत्र के विकास में किए जा रहे योगदान की सराहना की। डॉ. केशव ने भी उप मुख्यमंत्री को सेवा भाव से चिकित्सा क्षेत्र में सतत प्रयासरत रहने का भरोसा दिलाया। ● अमृत विचार

# 26,215 दिव्यांग छात्राओं को मिलेंगे 200 रुपये प्रति माह

## परिषदीय विद्यालयों की दिव्यांग बेटियों को 10 माह तक मिलेगा लाभ, 5.24 करोड़ रुपये किए मंजूर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** राज्य की 26215 दिव्यांग छात्राओं को समग्र शिक्षा अभियान के तहत 200 रुपये प्रतिमाह की दर से अधिकतम 10 माह तक वृत्तिका (स्टाईपेंड) मिलेगा। इसके लिए योगी सरकार ने कुल 5.24 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है। पारदर्शिता का पूरा ध्यान रखते हुए डीबीटी के माध्यम से सीधे बैंक खाते में धनराशि भेजी जाएगी।

● डीबीटी से सीधे अभिभावक के खातों में जाएगी धनराशि

यह निर्णय भारत सरकार के प्रोजेक्ट अप्रूवल बोर्ड की 9 अप्रैल, 2025 की बैठक में अनुमोदित होने के बाद योगी सरकार ने त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित किया है। बता दें कि प्रदेश सरकार इस योजना को डीबीटी के माध्यम से लागू कर रही है, ताकि प्रत्येक लाभार्थी तक सहायता बिना किसी बिचौलिए के सीधे पहुंचे। समस्त धनराशि छात्राओं के माता-पिता या अभिभावकों के बैंक खातों में भेजी जाएगी।

योजना से संबंधित समस्त व्यय वित्तीय नियमों तथा क्रय निर्देशों के अनुसार किया जाएगा। दोहरा भुगतान या मद विचलन पाए जाने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। सभी बिल-वाउचर और लेखा विवरण की सघन निगरानी होगी और समस्त भुगतान 30 सितंबर तक हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए हैं।

### यह है पात्रता और प्रक्रिया

परिषदीय प्राथमिक, उच्च प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में कक्षा 1 से 8 तक अध्ययनरत वह छात्राएं पात्र होंगी, जिनके पास किसी सक्षम चिकित्सा बोर्ड द्वारा जारी न्यूनतम 40 प्रतिशत दिव्यांगता प्रमाण-पत्र होगा। यह पूरी प्रक्रिया प्रेरणा, समर्थ एवं पीएफएमएस पोर्टलों के माध्यम से पूर्णत: डिजिटल, पारदर्शी और सत्यापित तकनीकी प्रणाली के तहत संचालित होगी।

“ यह वृत्तिका उन दिव्यांग बेटियों के लिए एक मजबूत सहारा बनेगी, जिनके सपने उनके शारीरिक हालात से कहीं बड़े हैं। यह केवल आर्थिक सहायता नहीं, बल्कि शिक्षा में समान अवसर, गरिमा और संवेदनशील शासन व्यवस्था का परिचायक है। **-संदीप सिंह, राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), बेसिक शिक्षा**

हर जिले में पात्रता की जांच और सत्यापन हेतु जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की अध्यक्षता में चार सदस्यीय समिति गठित की गई है, जिसमें वित्तीय और शैक्षिक अधिकारी सम्मिलित होंगे।

# विधायकों के प्रस्तावों पर तत्काल शुरू कराएं कार्य : मुख्यमंत्री

## योगी ने वाराणसी व आजमगढ़ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ की विकास कार्यों की समीक्षा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

वाराणसी में जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक करते मुख्यमंत्री योगी, साथ में अन्य। ● अमृत विचार

**अमृत विचार :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को वाराणसी पहुंचे। उन्होंने यहां सर्किट हाउस सभागार में वाराणसी व आजमगढ़ मंडल के जनप्रतिनिधियों के साथ विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनप्रतिनिधियों के निर्वाचन क्षेत्रों में जनोपयोगी व विकासपरक कार्यों के प्रस्तावों की प्राथमिकता तय करते हुए उनका अविलंब एस्टिमेट तैयार कर अन्य औपचारिकताएं पूर्ण कराते हुए तत्काल कार्य शुरू कराया जाए।

योगी ने जनप्रतिनिधियों से उनके विधानसभा क्षेत्र की परिस्थितियों, जन अपेक्षाओं एवं विकासपरक कार्यों की प्राथमिकताओं के विषय में एक-एक कर व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। बैठक का उद्देश्य मात्र योजनाओं की समीक्षा ही नहीं, बल्कि जनोपयोगी, दूरवर्ती क्षेत्र का प्राथमिकता के आधार पर विकास सुनिश्चित करना था। मुख्यमंत्री ने दोनों मंडलों की समीक्षा के दौरान लोक निर्माण विभाग, नगर विकास एवं पर्यटन से संबंधित जनप्रतिनिधियों द्वारा प्रस्तावित कार्यों की विधानसभावार चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख सचिव को निर्देश दिया कि जिन सड़कों, सेतु, लघु सेतुओं की सर्वाधिक आवश्यकता हो, उन्हें प्राथमिकता दी जाए। औद्योगिक क्षेत्रों, ब्लॉक मुख्यालयों, धार्मिक पर्यटन स्थलों को जोड़ने वाली सड़कों को प्राथमिकता पर लिया जाए। इसके बाद चरणवार अन्य कार्यों को भी कराया जाएगा।

प्रस्तावित कार्यों में ब्लॉक मुख्यालयों तक संपर्क मार्ग, इंटर कनेक्टिविटी की सड़कें, धार्मिक स्थलों तक पहुंच मार्ग, आरओबी बाईपास, फ्लाईओवर, सेतु, लघु सेतु, ओडीआर/एमडीआर की सड़कें, ब्लैक स्पॉटों के सुधार व पांटून पुल आदि जनोपयोगी कार्यों के साथ ही यह स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी गति देने में सहायक होंगे।

बैठक में मंत्री अनिल राजभर, ओमप्रकाश राजभर, दारा सिंह चौहान, दयाशंकर सिंह, रविंद्र जायसवाल, डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', गिरीश चंद्र यादव, दानिश आजाद अंसारी सहित वाराणसी व आजमगढ़ मंडल के विधान परिषद सदस्य व विधायक आदि उपस्थित रहे।

### जनता दर्शन में बोले योगी, हर समस्या का होगा समाधान

**अमृत विचार, लखनऊ :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लगातार दूसरे सोमवार को 'जनता दर्शन' में लोगों की समस्याएं सुनीं। आश्वासन दिया कि निश्चिंत होकर घर जाइये, आपकी समस्या का समाधान होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हर नागरिक की समस्याओं का समाधान कर खुशहाल उत्तर प्रदेश बनाना ही सरकार की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर सोमवार सुबह 'जनता दर्शन' में आए लोगों की बात सुनी। पुलिस, राजस्व, चिकित्सा सहायता, रोजगार, शिक्षा, आवास, कब्जा, परिवार आदि से जुड़े मामले आए। योगी ने अधिकारियों को संतुष्टिपरक निस्तारण का निर्देश देने के साथ लोगों को भरोसा दिलाया कि सरकार हर पीड़ित की समस्या का समाधान कराने के लिए दृढ़ संकल्पित है। मुख्यमंत्री योगी ने 'जनता दर्शन' में अभिभावकों के साथ आए बच्चों को दुलारा-पुचकारा। नन्हे-मुन्नों के सिर पर हाथ फेरकर अपनत्व का अहसास कराया। कुछ बच्चों की पढ़ाई के बारे में भी जानकारी ली और चॉकलेट-टॉफी दी।

# मोदी के काशी आने पर चौकस रहे सुरक्षा : योगी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● मुख्यमंत्री ने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के साथ की बैठक तैयारी को लेकर दिए निर्देश

● प्रधानमंत्री 2 अगस्त को काशी को देंगे 2255 करोड़ रुपये की 54 परियोजनाओं की सौगात

**अमृत विचार :** सावन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की काशी में 2 अगस्त को होने वाली जनसभा को लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को सुरक्षा व्यवस्था समेत सभी तैयारियां चाक-चौबंद रखने के निर्देश दिए। मोदी यहां 2255 करोड़ की 54 विकास परियोजनाओं की सौगात देंगे।

वाराणसी में सोमवार को जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों संग समीक्षा बैठक में योगी ने प्रधानमंत्री के आगामी वाराणसी दौरे के लिए अब तक की गई तैयारियों के संबंध में विचार विमर्श भी किया। योगी ने सेवापुरी के बनौली में प्रधानमंत्री के जनसभा स्थल पर आने वाले लोगों के लिए सभी बुनियादी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराए जाने पर भी विशेष जोर दिया। कहा कि महानगर में लगातार स्वच्छता अभियान चलाते रहें। वार्डवार समितियों का गठन करके भी लगातार अभियान चलाएं। नगर निगम सुनिश्चित करे कि शहर में कहीं भी जलभराव की समस्या न होने पाए। पुलिस प्रशासन सुनिश्चित करेगा कि प्रधानमंत्री के आगमन रूट पर जाम की स्थिति न होने पाए। पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगातार कार्य करे। सभा स्थल पर पेयजल, टॉयलेट की उचित व्यवस्था हो। लोकार्पण व शिलान्यास होने वाली परियोजनाओं की सभी औपचारिकताएं पूरी कर ली जाएं।

मंडलायुक्त एस राजलिंगम ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित वाराणसी दौरे के दौरान की गई प्रशासनिक तैयारियों, लोकार्पण व शिलान्यास होने वाली परियोजनाओं की पूरी जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से दी। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने पुलिस प्रशासन की तरफ से की गई सभी तैयारियों को प्रेजेंटेशन के माध्यम से रखा।

# यूपी में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन को जापान तैयार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जापान के साथ ग्रीन हाइड्रोजन और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने की दिशा में अहम कदम उठाया है। जापान के उद्यमियों ने प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन के लिए सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित करने के लिए अपनी स्वीकृति दी है।

योगी सरकार के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने जापान में टोयोटा मिराई नामक अगली पीढ़ी की हाइड्रोजन फ्यूल सेल कार के बारे में चर्चा की, जो हाइड्रोजन और ऑक्सीजन के संयोजन से ऊर्जा उत्पन्न करती है। वहीं, केवल पानी उत्सर्जित करती है। यह तकनीक उत्तर प्रदेश की शून्य उत्सर्जन परिवहन नीति के लिए एक बेहतरीन उदाहरण हो सकती है। इसके अलावा हरित हाइड्रोजन के उत्पादन और ऊर्जा नवाचार को बढ़ावा देने के लिए संभावित साझेदारियों पर भी चर्चा की गई। इन प्रयासों से उत्तर प्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में एक सशक्त पारिस्थितिकी तंत्र बनाने में मदद मिलेगी।

# ईडी की गिरफ्त में आया छांगुर बाबा

## विशेष कोर्ट ने पांच दिन की दी कस्टडी रिमांड, होगी पूछताछ

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को कोर्ट में पेश करने के लिए ले जाती पुलिस फोर्स।

**अमृत विचार :** बलरामपुर जिले में धर्मांतरण गिरोह संचालित करने वाले जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने पीएमएलए के तहत दर्ज मामले में गिरफ्तार कर लिया है। सोमवार को छांगुर को जेल से गिरफ्तार किया गया। उसे विशेष अदालत में पेश किया। जहां ईडी ने अवैध फंडिंग, नेटवर्क और मनी लॉन्ड्रिंग की गुत्थी सुलझाने के लिए सात दिन की कस्टडी रिमांड मांगी थी। कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड मंजूर कर ली। इसके बाद ईडी की टीम छांगुर को लेकर अपने साथ चली गई।

सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच छांगुर बाबा को कोर्ट में लाया गया। छांगुर की पेशी के दौरान ईडी के कई वरिष्ठ अधिकारी भी कोर्ट में मौजूद रहे। जानकारी के मुताबिक सुनवाई के बाद ईडी कोर्ट ने 5 दिन की रिमांड मंजूर कर दी है। ईडी ने कोर्ट को बताया कि छांगुर से अवैध फंडिंग, नेटवर्क और मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़े कई अहम सवालों के जवाब लिए जाने हैं। छांगुर बाबा से पूछताछ के लिए लखनऊ की विशेष कोर्ट ने उसे 5 दिन की ईडी की हिरासत में भेज दिया है। ईडी छांगुर बाबा के 40 बैंक खातों में 106 करोड़ रुपये से ज्यादा के संदिग्ध लेन-देन और करोड़ों रुपये की दो संपत्तियों की जांच कर रही है। इस मामले में कुल 15 जगहों पर छापेमारी ईडी ने की थी। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्यों को जब्त किया गया, जो अवैध वित्तीय लेनदेन और धर्मांतरण के बीच संबंधों को उजागर करते हैं।

### कई अहम दस्तावेज बरामद

छांगुर बाबा के मामले में आए दिन नए-नए खुलासे हो रहे हैं। ईडी ने धर्मांतरण के मामले में बलरामपुर में 12 जगह और मुंबई में 2 जगहों पर तलाशी ली थी। इस दौरान कई दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य जब्त किए गए थे। मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छांगुर बाबा पर गैरकानूनी धर्मांतरण, विदेशी धन के उपयोग और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए संभावित खतरा पैदा करने वाली गतिविधियों से संबंधित षड्यंत्र रचने का आरोप है। ईडी के अधिकारी छांगुर बाबा से पांच दिनों में धर्मांतरण के अलावा, हवाला के जरिये रुपये के लेनदेन, रुपये के गलत प्रयोग से जुड़े सवाल करेंगे।

### ऊर्जा मंत्री के समर्थन में उतरे आउटसोर्स बिजली कर्मी

**अमृत विचार, लखनऊ :** ऊर्जा मंत्री व विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति में आरोप-प्रत्यारोप के बीच आउटसोर्स कर्मी ऊर्जा मंत्री के समर्थन में उतर आए।

विद्युत संविदा कर्मचारी महासंघ ने कहा कि संघर्ष समिति का ऊर्जा मंत्री पर आरोप राजनीति से प्रेरित है। सोमवार को महासंघ के अध्यक्ष आरएस राय की अध्यक्षता में हुई बैठक में घटक संगठनों के पदाधिकारियों ने कहा कि विवादित बयान की कड़ी निंदा की गई। नेताओं ने इसे एक पूर्व नियोजित राजनीतिक साजिश करार देते हुए कहा कि इसका उद्देश्य सरकार व विभाग की छवि धूमिल करना है। बैठक में ठाकुर भूपेंद्र सिंह, मो. काशिफ, नवल किशोर सक्सेना, पुनीत राय, दिनेश सिंह भोले, विनोद कुमार, राम भूल सैनी, अमित खारी, एससी बहादुर व मीडिया प्रभारी विमल चंद्र पांडे मौजूद रहे।

# 9 पीसीएस अधिकारियों की तैनाती में फेरबदल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

**अमृत विचार :** प्रदेश में पीसीएस अफसरों के स्थानांतरण का सिलसिला जारी है। इस कड़ी में नौ और अधिकारियों की तैनाती में सोमवार को फेरबदल किया गया। इनमें छह जिलों के उप जिलाधिकारी बदले गए हैं।

फेरबदल के इस क्रम में राजेश कुमार को प्रधान प्रबंधक, उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल संघ के पद पर तैनाती दी गई है। कुमार धर्मेंद्र को अपर जिलाधिकारी, बांदा के पद पर तैनात किया गया है। सालिक राम को रामपुर का नगर मैजिस्ट्रेट बनाया गया है।इसी तरह अतुल कुमार को उप जिलाधिकारी गाजीपुर, शैलेंद्र प्रताप को उप जिलाधिकारी सुल्तानपुर, अरुण कुमार को उप जिलाधिकारी कौशाम्बी, संजय कुमार को उप जिलाधिकारी फतेहपुर, प्रवीण कुमार द्विवेदी को उप जिलाधिकारी मुजफ्फरनगर और श्रीराम यादव को उप जिलाधिकारी हापुड़ की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

# विधायकों को ऑडिटेड बैलेंस शीट भेजेंगे बिजली कर्मी

**अमृत विचार, लखनऊ :** विधानमंडल के मानसून सत्र के दौरान बिजली कर्मी विधायकों को उप्र. पावर कॉरपोरेशन की ऑडिटेड बैलेंस शीट भेजेंगे। इस दौरान 15 दिनों तक निजीकरण के पीछे हो रहे घोटालों को विधायकों के सामने रखा जाएगा। ऊर्जा मंत्री की ओर से जारी बयान पर बिजली कर्मियों ने कहा कि पिछले दिनों उनके आवास पर आंदोलन के दौरान उनके परिजनों पर अभद्र टिप्पणी नहीं की। विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने कहा कि मुख्यमंत्री ऊर्जा विभाग को अपने अधीन करते हुए निजीकरण की प्रक्रिया निरस्त करें। उन्होंने कहा कि बिजली कर्मी कभी अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं करते। पदाधिकारियों ने कहा कि घाटे के झूठे आंकड़े देकर व बिजली कर्मचारियों में भय का वातावरण बनाकर पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम व दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम का निजीकरण किया जा रहा है।

इसके विरोध में संघर्ष समिति ने कॉरपोरेशन की ऑडिटेड बैलेंस शीट सभी विधायकों को भेजने का निर्णय लिया है।

**विरोध** | महिला कल्याण मंत्री ने कहा, डिंपल पर मौलाना की टिप्पणी पर अखिलेश की चुप्पी हैरान करने वाली

# महिलाओं का अपमान नहीं सहेगी भाजपा : बेबी रानी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रेसवार्ता करतीं मंत्री बेबी रानी मौर्य।

**अमृत विचार :** सपा सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी की आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर सपा पर तीखा पलटवार करने की कमान भाजपा से सोमवार को महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने संभाली। उन्होंने अखिलेश यादव की चुप्पी पर सवाल उठाया और इसे नारी सम्मान पर हमला बताया। उन्होंने कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा की चुप्पी पर भी सवाल उठाया। कहा कि भाजपा किसी भी महिला का अपमान बर्दाश्त नहीं करेगी।

भाजपा प्रदेश मुख्यालय में सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में महिला कल्याण मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि इस मसले पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव की चुप्पी हैरान करने वाली है। उन्होंने कहा कि डिंपल यादव पर की गई टिप्पणी नारी सम्मान पर हमला है। ऐसे अखिलेश यादव की चुप्पी न सिर्फ नारी सम्मान पर उनकी सोच को लेकर सवाल खड़े करती है, बल्कि कहीं न कहीं उनकी वोट बैंक की लालसा को भी दर्शाती है। सवाल पूछा कि क्या अखिलेश यादन ने सत्ता के लिए अपनी पत्नी का अपमान स्वीकार कर लिया है?

### मौलाना साजिद रशीदी पर एफआईआर दर्ज

सपा मुखिया अखिलेश यादव की पत्नी सांसद डिंपल यादव पर मौलाना साजिद रशीदी की टिप्पणी के बाद विवाद गहरा गया है। सपा कार्यकर्ता प्रवेश यादव ने विभूति खंड थाने में मौलाना साजिद पर स्त्री विरोधी बयान देने और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का आरोप लगाते हुए एफआईआर दर्ज कराई है। मौलाना रशीदी ने डिंपल यादव के मस्जिद में बिना सिर ढके जाने पर आपत्ति जताई थी, जिसके बाद संसद और सड़क पर हंगामा हुआ।

“ जो हो रहा है, अच्छा हो रहा है। यह अच्छी बात है कि एफआइआर दर्ज हुई है।

-डिंपल यादव, सपा सांसद

**ऐसे शुरू हुआ विवाद :** यह विवाद तब शुरू हुआ, जब ऑल इंडिया इमाम एसोसिएशन के अध्यक्ष मौलाना साजिद रशीदी ने एक टीवी डिबेट शो में डिंपल यादव के संसद परिसर की मस्जिद में आयोजित सपा की बैठक में शामिल होने और उनके पहनावे पर टिप्पणी की। इस बयान के बाद सोमवार को संसद से लेकर सड़क तक हंगामा मचा रहा। मौलाना साजिद रशीदी ने टीवी डिबेट के दौरान डिंपल यादव के मस्जिद में बिना सिर ढके जाने पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि मस्जिद में दो महिलाएं थीं, एक इकरा हसन ने सिर ढका था, लेकिन डिंपल यादव ने नहीं।

### सियासी बैठक की जगह नहीं है मस्जिद : जैदी

**अमृत विचार, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश शिया सेन्ट्रल वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष अली जैदी ने कहा है कि बोर्ड तो पहले ही यह आदेश जारी कर चुका है कि मस्जिद में न तो सियासी बैठक की जाए और न ही मस्जिद में किसी राजनीतिक दल का पोस्टर- बैनर लगाया जाये। उन्होंने कहा कि जो मौलवी मस्जिद में राजनीतिक बैठक को गंगा-जमुनी तहजीब बता कर पास कराना चाह रहे हैं, वह मुसलमानों में मसलकी भेदभाव के कारण मस्जिदों के बंटवारे पर कौम को सही राह क्यों नहीं दिखाते।

# 52 परियोजनाओं में तकनीकी खामी

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

● पूर्ण नहीं हो पा रही डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 योजना

● तीन माह से पोर्टल में खराबी तकनीकी अधिकारी भी नहीं

**अमृत विचार :** 35 जिलों में वर्ष 2022 से धरातल पर उतरी जल संचयन की डब्ल्यूडीसी-पीएमकेएसवाई 2.0 योजना अब 'तकनीकी' खामी में फंसी हैं। चिह्नित 52 परियोजनाओं का स्पर्श पोर्टल में तकनीकी समस्या के कारण भुगतान नहीं हो पा रहा है। इसके अलावा विभाग के पास आगे के कार्य कराने के लिए तकनीकी अधिकारी नहीं हैं। जबकि पांच साल की यह योजना मार्च 2026 तक पूर्ण करनी है और प्रगति 40 फीसदी ही है।

500 करोड़ रुपये की यह योजना परती भूमि विकास की थी। लेकिन, विभाग ने संसाधनों का अभाव होने के कारण योजना कृषि विभाग को दी थी। इसके अंतर्गत भूमि संरक्षण विभाग कार्य करा रहा है। पहले योजना की गाइडलाइन स्पष्ट नहीं थी। इससे निर्माण कार्यों की शुरुआत धीमी रही।

इन हालातों में कुछ कार्य और भुगतान हुए तो तकनीकी कमी और विभागीय ऑडिट कराने में फंस गए। इसके अलावा पांचवीं किस्त वर्ष 2024 के अंत में मिलने की वजह से खर्च नहीं हो पाई। इसके बाद इस वित्तीय वर्ष में 20 मई को 46.50 करोड़ रुपये मिले। इसमें कुछ कार्य कराए गए और भुगतान के लिए बिल-बाउचर लगाए गए। जो नई व्यवस्था के तहत पोर्टल में तकनीकी समस्या के कारण भुगतान नहीं हो पाया।

### इन जिलों की हैं परियोजनाएं

लखनऊ, बरेली, कानपुर नगर, आजमगढ़, जौनपुर, कन्नौज, रामपुर, बदायूं, बिजनौर, संभ, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अमरोहा, हापुड़, कुशीनगर, देवरिया, महोबा, हमीरपुर, एटा, मथुरा, इटावा, मैनपुरी, चित्रकूट, रायबरेली, अमेठी, वाराणसी, सोनभद्र, मीरजापुर, प्रयागराज, फतेहपुर, कौशाम्बी, प्रतापगढ़, सहारनपुर व बागपत।

### बारिश से पहले नहीं हो पाए कार्य

बारिश से पहले परियोजनाओं के अंतर्गत तालाब का जीर्णोद्धार और मरम्मत कराना था। भूजल बढ़ाने के लिए कुओं की मरम्मत व जीर्णोद्धार, जीर्ण जल संचय बंधियां, चेकडैम, कैटिल घाट, छठ पूजन घाट का निर्माण व मरम्मत, चबूतरा, सीढ़ी, रूफटॉप, हैंडपंप, सोखपिट, सिंचाई में सहायता, भूमि का समतलीकरण और कटान रोकना आदि कार्य पूर्ण नहीं हो पाए।

न्यूज ब्रीफ

## बिना जिंक के नहीं दे रहे यूरिया खाद

**बड़ागांव, अमृत विचार :** क्षेत्र के प्रमुख बाजारों बड़ागांव, ड्योढ़ी बाजार, कांटा चौराहा, मुबारकगंज, सुचित्तागंज बाजार, रानी बाजार, मकसूमगंज बाजार में निजी दुकानदार यूरिया खाद बगैर लग्घड़ नहीं दे रहे हैं। लोकतांत्रिक पार्टी के जिला सचिव अमित सिंह ने बताया की एक किलो घटिया जिंक चार सौ रुपये बोरी निर्धारित मूल्य से ज्यादा लेकर दी जा रही है। इतना पैसा न देने वालों के लिए खाद नहीं है। यह कहकर दुकानदार किसानों को जरूरत के समय खाद नहीं दे रहे हैं। किसानों की मेहनत की कमाई दुकानदार चूस रहे हैं। किसान अर्जुन, अनिल, तुल्ली का कहना है कि अधिकारी उस पर लगाम लगाने से हिचक रहे हैं। संबंधित विभाग से जांच और कार्रवाई की मांग की।

## मंडल व जिला स्तरीय चयन ट्रायल 30 को

**अयोध्या, अमृत विचार :** प्रदेश स्तरीय समन्वय जूनियर बालक बास्केटबॉल प्रतियोगिता 30 जुलाई पूर्वान्हन 11 बजे से जिला स्तरीय चयन/ट्रायल्स का आयोजन व मंडल स्तरीय चयन/ट्रायल्स अपरान्ह दो बजे से डॉ. भीमराव अम्बेडकर अन्तर्राष्ट्रीय क्रीड़ा संकुल डाभासेमर में किया जाएगा। प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन दो से पांच अगस्त को प्रयागराज में किया गया है। अयोध्या जिले के सभी प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या से आग्रह किया गया है कि खेल की जिला स्तरीय चयन/ट्रायल्स में प्रतिभाग के लिए अपने-अपने विद्यालय/कॉलेज के बालक खिलाड़ियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर भेजें। यह जानकारी क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय ने दी।

## ग्राम पंचायत की जमीन पर कब्जे का आरोप

**हैदरगंज, अमृत विचार :** एक ग्राम सभा की आरक्षित भूमि पर दूसरी ग्राम सभा के प्रधान पर कब्जा करने का आरोप लगा है। इसकी शिकायत ग्राम वासियों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर की है। मामला तहसील बीकापुर की ग्राम पंचायत पछियाना का है। यहां के रहने वाले सौरभ कुमार पांडेय पुत्र जगदंबा प्रसाद 25 जुलाई को सीएम पोर्टल पर शिकायत की। कहा है कि पछियाना ग्राम सभा में गाटा संख्या 3541 राजस्व अभिलेखों में नवीन परती के नाम आरक्षित भूमि दर्ज है। इसका रकबा .153 हेक्टेयर है। आरोप है कि पड़ोसी ग्राम पंचायत खपराडीह के ग्राम प्रधान अशोक कुमार वर्मा लगभग 35 वर्षों से अवैध तरीके से कब्जा किए हुए हैं। तहसील प्रशासन से मांग की है कि राजस्व कर्मियों से जांच कराकर नवीन परती की आरक्षित भूमि को अवैध कब्जेदार ग्राम प्रधान से मुक्त कराया जाए। तहसील प्रशासन के लोग कहते हैं कि शिकायत आई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

## देर रात जारी हो सकती नवसृजित वार्डों की सूची

**अयोध्या, अमृत विचार :** त्रिस्तरीय पंचायत के वार्डों की अनंतिम सूची देर रात जारी हो सकती है। पंचायत विभाग ने सूची को अंतिम रूप दे दिया है। बड़े अफसरों की चेकिंग के बाद इसे जारी किया जा सकता है। त्रिस्तरीय पंचायत के वार्डों की अनंतिम सूची जारी करने की सोमवार 28 जुलाई को अंतिम तिथि है। वार्डों के परिसीमन को लेकर पंचायत विभाग ने कर्मचारियों को लगाया था। सूत्रों की मानें तो नए आंकड़ों के आधार पर नवसृजित वार्डों की सूची तैयार कर ली गई है। देर रात वार्डों की सूची जारी की जा सकती है। जिला पंचायत राज अधिकारी अविनाश कुमार से इस बावत बात करने का प्रयास किया गया तो बताया गया कि वह जिलाधिकारी के पास हैं।

# आस्था और भक्ति के साथ जमकर बरसे बदरा

### सावन का सोमवार : तेज बारिश भी न रोक सकी शिवभक्तों का उत्साह, हर-हर महादेव से गूंज उठी रामनगरी

नागेश्वरनाथ में दर्शन के लिए कतारबद्ध भक्त एवं मंदिर में जलाभिषेक करते शिवभक्त। अमृत विचार

अयोध्या कार्यालय

**अमृत विचार :** सावन के तीसरे सोमवार को रामनगरी में शिवभक्ति का अद्भुत नजारा देखने को मिला। सावन की पहली झमाझम बारिश और फुहारों के बीच सिद्धपीठ नागेश्वर नाथ मंदिर में भोर से ही शिवभक्तों का तांता लगा रहा। हर-हर महादेव के जयकारों से मंदिर परिसर गूंज उठा। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर पुण्य अर्जित किया और बारिश ने इस पवित्र अवसर को और भी रसमय बना दिया।

सावन का यह पावन दिन रामनगरी में आस्था और उत्साह का संगम बन गया। बारिश की बूंदों के बीच शिवभक्तों की भक्ति और हर-हर महादेव के उद्घोष ने पूरे वातावरण को शिवमय कर दिया। यह नजारा न केवल आध्यात्मिक था, बल्कि सावन की फुहारों ने इसे प्रकृति और भक्ति का अनूठा मिलन बना दिया। नागेश्वर नाथ मंदिर में सुबह चार बजे से ही जलाभिषेक का दौर शुरू हो गया। मंदिर प्रशासन ने व्यवस्था को सुचारु रखने के लिए गर्भगृह की क्षमता के अनुसार श्रद्धालुओं को प्रवेश दिया। भीड़ को नियंत्रित करने के लिए प्रवेश और निकास के मार्ग अलग-अलग रखे गए, जिससे दर्शन और जलाभिषेक निर्बाध रूप से संपन्न हुआ। मंदिर परिसर में कतारबद्ध भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं, जो बारिश की फुहारों में भी शिवभक्ति में लीन रहे।

शिवभक्तों ने गंगा जल, दूध, दही, शहद और बेलपत्र से भगवान शिव का अभिषेक किया। मंदिर को फूलों और रंग-बिरंगे झंडों से सजाया गया था, जो सावन की हरियाली के साथ और भी मनमोहक लग रहा था। भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था, क्योंकि बारिश को वे शिव कृपा का प्रतीक मान रहे थे। अयोध्या पहुंचे शिव भक्त प्रवेश गुप्ता, सदानंद शुक्ला, शिवकुमार प्रजापति व आनंद पांडेय ने बताया कि सावन में बारिश के बीच जलाभिषेक का अनुभव अवर्णनीय है। यह शिव की कृपा ही है कि हम उनके दर्शन और पूजन का सौभाग्य प्राप्त कर रहे हैं।

### आरएएफ के हवाले रही नागेश्वरनाथ की सुरक्षा

सावन के तीसरे सोमवार को लेकर कमिश्नर गौरव दयाल, आईजी प्रवीण कुमार, डीएम निखिल टीकाराम फुंडे, एसएसपी डॉ गौरव ग्रोवर सुबह से ही सरयू घाट व नागेश्वरनाथ मंदिर पर डटे रहे। यहां सुरक्षा के लिए पीएसी, पुलिस के महिला व पुरुषकर्मियों के साथ आरएएफ की तैनाती रही। एसएसपी ने बताया कि भीड़ को देखते हुए नागेश्वरनाथ पर प्रवेश व निकास द्वार अलग अलग बनाया गया था। बैरिकेडिंग लगाकर मंदिर के गर्भगृह की क्षमता के अनुरूप ही श्रद्धालुओं को जलाभिषेक के लिए प्रवेश दिया जा रहा था। बताया कि एक से डेढ़ श्रद्धालुओं ने सरयू स्नान के बाद जलाभिषेक करने के बाद रामलला व हनुमानगढ़ी पर दर्शन पूजन किया।

- सिद्धपीठ नागेश्वर नाथ में भोर से शुरू हो गया जलाभिषेक
- गर्भगृह की क्षमता के अनुसार श्रद्धालुओं को दिया गया प्रवेश
- अलग-अलग रहा प्रवेश व निकास

### भक्ति ने सबको किया सराबोर

मंदिरों की नगरी में सावन की छटा अलग दिखी। फुहारों के बीच भोले के जलाभिषेक पर संतों की टिप्पणी की प्रकृति और पुरुष के मिलन से उपजी भक्ति ने सबको सराबोर कर दिया। श्रीराम की मौजूदगी वाली अयोध्या में शिव की कृपा और प्रकृति के तादात्म ने इसे खास बना दिया है। चहुओर हरियाली और मन में आनंद की धारा का प्रभाव देर शाम मंदिरों के जगमोहन पर तिखाई पड़ा। जहां सावन के गीत गूंज रहे थे।

### दिनभर हुई बारिश, सड़कें जलमग्न

रामपथ पर बारिश का लुत्फ उठाता साइकिल सवार बालक।

**अयोध्या, अमृत विचार :** सावन के तीसरे सोमवार पर पड़ी सावन की फुहार ने शिवभक्तों का मन मोह लिया। शहर से लेकर ग्रामीण इलाकों में सुबह से ही काले घने बादल छाए हुए थे। दोपहर करीब 12 बजे बरसात का क्रम शुरू हुआ। लगभग दो घंटे तेज बरसात हुई, जिसने शहर को पानी से सरोबार कर दिया। कई इलाके जलमग्न हो गए। फुहारों ने मौसम को सुहावना बना दिया। इसका असर तापमान पर भी दिखा। अधिकतम तापमान सामान्य से तीन डिग्री गिरकर 29 .5 व अधिकतम सामान्य से 0 .5 ज्यादा 27 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

# गैर इरादतन हत्या में दो को 10 साल की सजा

- राजकीय बाल संप्रेषण गृह में मारपीट के बाद हुई थी मौत

अयोध्या कार्यालय

**अमृत विचार:** बाल संप्रेषण गृह में तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी और किशोर अपचारी द्वारा मारपीट के दौरान हुई रवि उर्फ आकाश की मौत के मामले में कोर्ट ने दोनों को दोषी पाते हुए 10-10 साल के कठोर कारावास की सजा से दंडित किया है। प्रत्येक पर 25000 जुर्माना भी हुआ। फैसला अपर जिला जज सुरेंद्र मोहन सहाय की अदालत से सोमवार को हुआ।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी इस समय बाराबंकी जिले में तैनात था। उसे सजा सुनाने के बाद जेल भेज दिया गया। सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता विजय कुमार ओझा ने बताया कि घटना 10 अक्टूबर 2020 की है। इसकी रिपोर्ट कृष्ण भगवान मिश्र ने लिखाई थी। उन्होंने तहरीर में कहा था कि राजकीय संप्रेषण गृह किशोर में निरूद्ध अपचारियों की संख्या 128 थी। रात में लगभग तीन बजे उन्हें सत्य प्रकाश तिवारी केयरटेकर के द्वारा दूरभाष पर अवगत कराया गया कि बाल अपचारी किशोर रवि उर्फ आकाश निवासी लखौरी थाना रौनाही जो चोरी के आरोप में संप्रेषण गृह में बंद था। गंभीर रूप से बीमार है। कृष्ण भगवान मिश्रा मौके पर पहुंचे। वहां से जिला चिकित्सालय गए। यहां किशोर को मृत घोषित कर दिया गया था। इसके बाद पता चला कि चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी प्रदीप कुमार प्रजापति निवासी हासापुर थाना कैंट तथा किशोर अपचारी मोहित रावत द्वारा बाल अपचारी रवि उर्फ आकाश को डंडे से काफी मारा पीटा गया था। जिससे भोजन के उपरांत उसके पेट में दर्द प्रारंभ हुआ। केयरटेकर द्वारा प्राथमिक उपचार में दवा देने पर आराम नहीं हुआ तो उसे जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इसकी रिपोर्ट गैर इरादतन हत्या की धारा में दोनों के खिलाफ लिखाई गई थी। सुनवाई के बाद कोर्ट ने दोनों को सजा सुनाई।

### आईटीआई में रोजगार मेला कल

**अयोध्या, अमृत विचार :** क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय व मॉडल कैरियर सेंटर के तत्वावधान में 30 जुलाई को 10 बजे से राजकीय आईटीआई परिसर बेनीगंज में एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन होगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की तकनीकी/गैर तकनीकी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियां प्रतिभाग करेंगी। ऐसे अभ्यर्थी जिनकी आयु 18 से 40 वर्ष और शैक्षणिक योग्यता हाईस्कूल, इंटर, स्नातक और आईटीआई है प्रतिभाग कर सकते है। प्रतिभाग करने के लिए अभ्यर्थी अपने शैक्षणिक प्रमाण-पत्रों की छायाप्रति के साथ नियत तिथि पर राजकीय आईटीआई परिसर बेनीगंज अयोध्या में उपस्थित हो सकते हैं। यह जानकारी सहायक निदेशक सेवायोजन कार्यालय ने दी।

# सरयू में आत्महत्या के लिए कूदी महिला को पीएसी ने बचाया

- अयोध्या सरयू तट पर क्रूज प्लेटफॉर्म के पास की घटना

अयोध्या कार्यालय

**अमृत विचार:** सरयू नदी में आत्महत्या करने के लिए कूदी महिला को तट पर तैनात बाढ़ राहत दल 32वीं वाहिनी पीएसी लखनऊ के जवानों ने सकुशल बचाकर बाहर निकाला।

पीएसी के आरक्षी अंकित पटेल ने बताया कि उनकी कंपनी की दो प्लाटून सावन मेला ड्यूटी में लगाई गई है। सोमवार की शाम 6:20 बजे आरक्षी संदीप कुमार दीक्षित, अनुपम कुमार, अरविन्द सिंह बोट व जीवन रक्षक उपकरण के साथ क्रूज प्लेटफॉर्म से लेकर पुलिस वॉच टॉवर के मध्य ड्यूटी कर रहे थे। इस दौरान एक महिला ने बैरिकेडिंग पार करते हुए आत्महत्या करने के लिए नदी में छलांग लगा दी। यह देख पीएसी के जवानों ने तुरंत नदी में छलांग लगाकर उक्त महिला को बचा लिया। महिला की पहचान कुसुम मिश्रा पुत्री नरसिंह नारायण मिश्रा निवासी सेक्टर एच आशियाना, एलडीए कॉलोनी, लखनऊ के रूप में हुई। बताया कि उसे सुरक्षित नदी से निकाल प्राथमिक उपचार देने के बाद यलो जोन कंट्रोल रूम के सुपुर्द कर दिया गया है। दलनायक चंद्रमोहन मिश्र, मुख्य आरक्षी राम अनन्त समेत श्रद्धालुओं ने पीएसी के जवानों की साहस की सराहना की।

# पटरी पर नहीं आ पाई मंगारी बिजली सब स्टेशन से आपूर्ति की व्यवस्था

**बीकापुर, अमृत विचार :** मंगारी बिजली सब स्टेशन से उपभोक्ताओं को पर्याप्त बिजली नहीं मिल पा रही है। गर्मी शुरू होने के साथ ही आपूर्ति व्यवस्था चरमराई तो अब तक नहीं सुधर पाई है। 18 घंटे के बजाए चार से छह घंटे तक आपूर्ति हो पाई। बारिश होने और लाइन में खराबी न होने की स्थिति में जरूर आपूर्ति कुछ बेहतर जरूर हो जाती है। क्षेत्र के विनय कुमार, राम खेलावन, विशाल मौर्या आदि कहते हैं कि करीब तीन चार महीने से हालत खराब है। आपूर्ति होती नहीं, सिंचाई बाधित हो जाती है। बिजली विभाग के कर्मचारियों का हाल और भी खराब है। बिजली विभाग के कर्मचारियों को फ़ोन करिए तो पहली बात तो सरकारी नंबर बंद मिलेगा। यदि भूल चूक में फोन लग भी गया तो रिसीव नहीं होगा। इस वजह से गांव क्षेत्र का किसान काफी परेशान है। इस बावत अवर अभियंता को फोन लगाया गया, लेकिन कॉल कनेक्ट नहीं हो पाई।

# अंतिम संस्कार आज, ढूंढे नहीं मिले परिजन

फॉलोअप

- किशन दासपुर के पास वृद्धा को छोड़कर चली गई थीं महिलाएं आरोपी सीसीटीवी में हुए थे कैद

अयोध्या कार्यालय

**अमृत विचार :** परिवारजनों द्वारा त्यागी गई वृद्ध महिला की मौत के चार दिन बाद भी उसकी पहचान नहीं हो सकी है। ध्यान रहे कि यह घटना सीसीटीवी में कैद हो गई थी, जिसमें एक पुरुष व दो महिलाएं व ई रिक्शा भी दिख रहा है। यही नहीं पुलिस ने भरतकुंड जाने वाले रास्ते पर कई जगह लगे सीसीटीवी को खंगाला है, लेकिन कुछ पता नहीं चल सका है। पुलिस मृतका का मंगलवार को अंतिम संस्कार करने की तैयारी में है। फिलहाल अयोध्या कोतवाली पुलिस की टीम परिवारीजनों की तलाश में लगी हुई है।

ध्यान रहे कि बुधवार-गुरुवार की रात करीब 1.10 बजे ई-रिक्शे से आई दो महिला व एक व्यक्ति वृद्ध महिला को किशुनदासपुर के पास एक खाली पड़े मकान के बरामदे में उतार कर चले गए थे। यह घटना मकान में लगे सीसीटीवी में कैद हो गई थी। वृद्धा गंभीर रूप से बीमार दिख रही थी। गुरुवार सुबह स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे दर्शननगर स्थित राजर्षि दशरथ मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां देर शाम को उसकी मौत हो गई थी। घटना का सीसीटीवी फुटेज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुआ। पुलिस ने मृतका की फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल करने के साथ जिले व आसपास के जनपदों के पुलिस थानों में भेजवाया है, लेकिन अभी सीसीटीवी में दिख रहे उसके परिवावालों की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि ई रिक्शा की लाइट जलने के कारण उसका नंबर सीसीटीवी में नहीं दिख रहा है। साथ ही मानना है कि ई-रिक्शा एक बार चार्जिंग में रात में लाइट जलने पर अधिकतम 60-70 किमी ही चल सकता है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि वह ई-रिक्शा अधिकतम 30-35 किमी. के अंदर ही किसी इलाके से आया था। सीओ अयोध्या आशुतोष तिवारी ने बताया कि परिवार के लोगों की तलाश में पुलिस टीमें लगाई गई हैं। सूचना तंत्र को भी एक्टिव किया गया है।

## नागपंचमी के दिन कोटा चयन की बैठक, नाराजगी

**शुजागंज, अमृत विचार:** रुदौली ब्लाक क्षेत्र की ग्राम सभा कोटरा मंजरे हसना मऊ में कोटा चयन के लिए नाग पंचमी पर बुलाई गई खुली बैठक को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है। उनका कहना है कि त्योहार के चलते अधिकतर ग्रामीण रिश्तेदारी में जाते हैं जिससे चुनाव प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। ग्राम प्रधान प्रतिनिधि सतीश कुमार व ग्रामीण राम करन, गयादीन, रामहृदय, जय शंकर मौर्या, रामकुमार, पवन कुमार, राहुल कुमार, आशीष कुमार, देवीदीन, रामू, सहित अन्य लोगों ने बताया कि नाग पंचमी पर कोटा चयन की प्रक्रिया ठीक नहीं है। सावन में कांवड़ यात्रा भी चल रही है। बैठक का आयोजन स्थगित कर किसी अन्य कार्यदिवस में किया जाना चाहिए। खंड विकास अधिकारी अमित त्रिपाठी ने बताया कि नाग पंचमी के दिन कोटे को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी है तो बैठक की तिथि आगे बढ़ा दी जाएगी।

## मुमताजनगर की फैक्ट्रियों में घुसा बारिश का पानी

प्लाईवुड फैक्ट्री में भरा पानी।

**अयोध्या, अमृत विचार :** औद्योगिक क्षेत्र मुमताजनगर में पहली ही बारिश में फैक्ट्रियों में पानी घुस गया। काम बाधित हुआ। लोग परेशान हुए। सोमवार को देर तक पहली बारिश हुई तो औद्योगिक क्षेत्र के सफाई व्यवस्था की कलई खुल। कीचड़ सड़क पर आ गया। नालियों से पानी नहीं निकल पाया। बताया गया है कि एक नहीं ऐसी स्थिति कई फैक्ट्रियों की रही। फैक्ट्री के संचालक और आईआईए के पूर्व चेयरमैन सुरेंद्र सिंह ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र से जल निकासी के लिए बनाई गई नालियों की सफाई न के बराबर होती है। जल निकासी की बड़ी समस्या के चलते गद्दोपुर इंडस्ट्रियल एरिया में 40 फैक्ट्रियों में पानी भर गया था। वहां भी हालत अब तक ठीक नहीं बताई गई है।

# कान्हा गौशाला में बढ़ाये जाएंगे कर्मी

- पशु चिकित्सक की होगी नियुक्ति महापौर व नगर आयुक्त ने निरीक्षण के बाद लिया फैसला

अयोध्या कार्यालय

**अमृत विचार:** नगर निगम की बैसिंहपुर में संचालित कान्हा गौशाला में एक पशु चिकित्सक की तैनाती की जाएगी। गोवंशों की संख्या को देखते हुए देखरेख करने वाले कर्मचारियों की तादाद में भी इजाफा किया जाएगा। यह निर्णय महापौर गिरीशपति त्रिपाठी व नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने गोशाला का निरीक्षण करने के बाद लिया है। गत दिवस गोरक्षा समिति ने शरद शुक्ल की अगुवाई में ज्ञापन देकर गोशाला में कतिपय खामियां बताई थी। इस पर पारदर्शिता के तहत समिति के सदस्यों के साथ महापौर ने निरीक्षण का फैसला किया।

निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त के अलावा गौ रक्षा समिति के पदाधिकारी, अपर नगर आयुक्त भारत कुमार भी थे। नगर निगम के जनसंपर्क अधिकारी मुकेश कुमार पांडेय ने बताया कि निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था और चारे का प्रबंध ठीक मिला, लेकिन गोवंशों की संख्या को देखते हुए कर्मचारियों की कमी सामने आई। इसके बाद यहां नियमित पशु चिकित्सा की व्यवस्था करने का निर्णय लिया। यहां एक और सुपरवाइजर की कमी महसूस की गई। इसके अलावा देखभाल करने वाले कर्मचारियों की संख्या भी बढ़ाने का निर्णय लिया। वहीं, एक ट्रैक्टर-ट्रॉली, जेसीबी तथा छोटे ठेलों की संख्या बढ़ाने तथा मुख्य द्वार पर कैमरा लगाने का भी निर्देश महापौर ने अपर नगर आयुक्त को दिया।

कान्हा गौशाला में गोवंशों को देखते महापौर गिरीशपति त्रिपाठी व अन्य।

## छक्का लगाने वाले बैट्समैन को पीटा, केस

**रुदौली।** क्रिकेट मैच में छक्का लगाने वाले बैट्समैन की फील्डिंग कर रहे खिलाड़ियों ने पिटाई कर दी। थाना पटरंगा में पांच खिलाड़ियों पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। ग्राम सुल्तानपुर के सोमवार को क्रिकेट टूर्नामेंट के दौरान बैटिंग कर रहे पटरंगा निवासी आकाश वर्मा ने छक्का लगाया और छक्के की अपील की। फील्डिंग टीम के खिलाड़ियों ने छक्का होने से इनकार कर किया। आरोप है कि फील्डिंग टीम के खिलाड़ियों ने बल्ले से आकाश की पिटाई की। सिर में आई चोट पर मौजूद लोगों ने सीएचसी मवई पहुंचाया। थाना प्रभारी पटरंगा शशिकांत यादव ने बताया कि फील्डिंग टीम के पांच लोगों बहादुर, रौनक, शिवराम उर्फ छोटू, अन्सू, कल्लू आदि निवासी सुल्तानपुर थाना पटरंगा पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

आस्था

### रामनगरी के मंदिरों में झूलनोत्सव का भव्य आयोजन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों से गुलजार हो रहे मठ-मंदिर

# सोने और चांदी के झूले पर विहार कर रहे कनक बिहारी सरकार

अयोध्या कार्यालय

**अमृत विचार :** झूलनोत्सव की शुरुआत से प्रसिद्ध कनक भवन मंदिर में कनक बिहारी सरकार मंदिर प्रांगण में सोने-चांदी से बने झूले पर विराजमान हो गए हैं। श्रद्धालुओं ने सोमवार को जब अपने आराध्य को झूले पर सवार देखा तो भावुक हो गए। यहां सजी अलौकिक झांकी को टकटकी लगाकर निहारते रहे। वहीं मंगलवार को नागपंचमी पर्व पर रामलला भी रजत हिंडोले में विराजमान हो जाएंगे।

रविवार से रामनगरी में सावन झूला मेला का शुभारंभ हो गया।

कनक भवन में झूला विहार करते कनक बिहारी सरकार। अमृत विचार

शाम ढलते ही मंदिर विभिन्न सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रमों से सजने लगे हैं। सोमवार को ऐतिहासिक कनक भवन मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु झूलनोत्सव का आनंद लेते हुए नजर आए। वहीं प्रभु की सखियां भी अपने अंदाज में भगवान के स्वरूप के समक्ष कजरी गीत गाकर नृत्य की प्रस्तुति दे रही हैं, जो भक्तों को भाव विभोर कर रही हैं। झूला झूल रहे कनक बिहारी सरकार के झूले की डोरी न रुके, इसके लिए एक श्रद्धालु से दूसरे श्रद्धालु के हाथ लगती डोर भक्त और भगवान के बीच की कड़ी बन रही है। यह उत्सव श्रावण पूर्णिमा तक चलेगा। कनक भवन मंदिर के प्रबंध तंत्र का कहना है कि बीच-बीच में उत्सव का रंग दूर दराज से आए कलाकार कजरी, सावन और झूलनोत्सव के गीत से और चटख होगा।

### आज रजत हिंडोले पर विराजेंगे रामलला

राम मंदिर में नाग पंचमी से झूलनोत्सव प्रारम्भ हो रहा है। गर्भगृह में विराजमान रामलला रजत हिंडोले पर सवार होकर झूला विहार करेंगे। इसके लिए 21 किलो की चांदी से बने पांच फीट झूले को पूर्व में ही तैयार किया गया था। मंगलवार को ब्रह्ममुहूर्त में ही मंगला आरती के उपरांत रामलला को तीनों भाइयों के साथ झूले पर विराजमान कर दिया जाएगा। इसके बाद भव्य श्रृंगार आरती का आयोजन किया जाएगा। राम मंदिर के पूजन पद्धति के प्रभारी गोपाल जी राव ने बताया कि श्रावण शुक्ल पंचमी से पूर्णिमा तक 11 दिन झूलन उत्सव चलेगा। सुबह से ही भगवान का झूला विहार प्रारम्भ होगा। प्रतिदिन शाम को विभिन्न सांसकृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन होगा। मंदिर के निकास द्वार पर 11 दिनों तक प्रसाद भंडारे का भी आयोजन प्रारम्भ हो रहा है।

# नाराजगी : खुले में फेंके जा रहे हैं जानवरों के अवशेष

- ईओ ने कहा कि ऐसा करने वालों को जारी की जाएगी नोटिस

रुदौली अयोध्या

**अमृत विचार :** शहर में मांस की दुकान के अवशेष खुले में फेंके जाने से आमजन में नाराजगी है। नगर पालिका परिषद की लापरवाही से जानलेवा बीमारी का खतरा बढ़ गया है। भारतीय किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष ने डीएम से इसकी शिकायत की है।

शहर में मांस विक्रेताओं की 24 दुकान हैं, जिनसे निकलने वाले अवशेष के निस्तारण का कोई प्रबंध नहीं हैं। अवशेष को बोरियों में भरकर खुले में नगर पालिका के कूड़े दान के पास फेंका जा रहा है। जिनको पालिका के कर्मी भी कूड़ा निस्तारण का स्थाई प्रबंध न होने से शहर के बाहर जाने वाले मार्ग के किनारे फेंक रहे है।

शहर के पंप नंबर तीन इकरा स्कूल रोड के किनारे मीट दुकानदारों के सोमवार की सुबह बकरे, मुर्गे व पड़वों का मलबा नगर पालिका के कूड़े दान के निकट बोरी में पाया गया। भाकियू नेता दिलदार खान ने आरोप लगाया कि पंप नगर तीन से अमीर अहमद की बाग व गेट तक प्रतिदिन सुबह सड़क पर जगह-जगह पड़ा रहता है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि वहां से स्कूली बच्चे और मज़दूर वर्ग के लोग रोजाना गुज़रते हैं, जिससे संक्रमण और गंभीर बीमारियां फैलने की आशंका है। अधिशासी आधिकारी प्रेम नाथ ने बताया कि शिकायती पत्र प्राप्त हुआ है साफ़ सफ़ाई करवाई जाएगी। मलबा फेंकने वाले दुकानदारों को नोटिस जारी की जाएगी।

अमृत विचार

अयोध्या, मंगलवार, 29 जुलाई 2025



## न्यूज ब्रीफ

### स्कूल के टॉपर उत्कर्ष का आकस्मिक निधन

**गोसाईगंज, अमृत विचार :** उदया पब्लिक स्कूल के होनहार छात्र उत्कर्ष सिंह पुत्र रूपेश सिंह निवासी सिलोनी का इलाज के दौरान आकस्मिक निधन हो गया। इलाज लखनऊ के प्राइवेट अस्पताल में चल रहा था। उसने बीते सत्र में विद्यालय में सर्वाधिक अंक प्राप्त कर नाम रोशन किया था। उत्कर्ष कक्षा के टॉपर होने के साथ संवेदनशील, मिलनसार और संस्कारी था। उत्कर्ष के पिता रूपेश सिंह एलआईसी में कार्यरत हैं। वह अपनी माता-पिता का अकेला पुत्र था। उसके निधन से विद्यालय, परिवार और समूचे क्षेत्र में गहरा शोक है।

### नव प्रवेशित छात्रों का होगा बीएमआई परीक्षण

**अयोध्या।** डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विवि के प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र में नव प्रवेशित सभी छात्र छात्राओं का बीएमआई (बॉडी मास इंडेक्स) स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाएगा। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. नीलम पाठक ने बताया कि कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं का स्वास्थ्य परीक्षण विश्वविद्यालय स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र की प्रभारी डॉ. दीप शिखा चौधरी की देखरेख में होगा। उन्होंने कहा कि यह स्वास्थ्य परीक्षण 28 जुलाई से 28 अगस्त तक कराया जाना है। स्वास्थ्य केंद्र चिकित्सा प्रभारी डॉ. दीपशिखा चौधरी ने कहा कि 28 जुलाई से 28 अगस्त तक होने वाले बीएमआई परीक्षण के लिए परिसर के सभी विभागों को सूचित किया है। प्रतिदिन 10-10 बच्चों का परीक्षण किया जाएगा।

### शराब के नशे में की महिला की पिटाई

**मवई।** मवई थाना क्षेत्र के पकरिया गांव की रहने वाली शाहीन बानो ने अपने देवर और सास पर हमला करने का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज कराई है। शाहीन ने पुलिस को बताया कि 27 जुलाई की शाम लगभग तीन बजे उनका देवर जहरुल शराब और भांग का सेवन करके उनके घर आया। साथ में उनकी सास भी आई। दोनों ने अभद्र भाषा का प्रयोग करते हुए हमला कर दिया। हमले में शाहीन को चोटें आई हैं। घटना में शाहीन की बेटी मुस्कानबानो के पैर में भी चोट आई है। मवई थाना प्रभारी सुरेश कुमार पटेल ने बताया कि पीड़िता की ओर से तहरीर मिली है। मामले की जांच की जा रही है।

### दहेज के लिए घर से निकाला, पांच पर केस

**रुदौली।** थाना बाबा बाजार के ग्राम पूरे शिवा मजरे उमापुर की शेष कुमारी का विवाह पिता ने अपनी हैसियत के मुताबिक बाराबंकी जिले के थाना लोनी कटरा के बीरम खेड़ा निवासी राजेश के साथ 10 मार्च 2016 को किया था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही पति, सास, ससुर और देवर कम दान दहेज की मांग करते रहते थे। 19 जुलाई को बाराबंकी में दहेज के लिए मारपीटा घर से निकल दिया। पिता और भाई रात में लेकर घर आए। थाना प्रभारी शैलेन्द्र आजाद ने बताया कि शेष कुमारी की तहरीर पर पति राजेश कुमार, ससुर रामसुघर, देवर अमरेश कुमार, सन्तोष कुमार, सास चिन्तामणि के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की गई है।

# हाईवे पर पलटी श्रद्धालुओं से भरी निजी बस, 11 गंभीर

**रौनाही थाना क्षेत्र स्थित अयोध्या-लखनऊ हाईवे पर बसहा चौराहे के पास हुआ हादसा**

**बस में सवार थे कानपुर के 62 श्रद्धालु, बाराबंकी में जलाभिषेक के बाद आ रहे थे अयोध्या**

**सोहावल/बड़ागांव, अयोध्या**

**अमृत विचार :** थाना रौनाही के अयोध्या-लखनऊ राष्ट्रीय राजमार्ग पर सत्तीचौरा चौकी अंतर्गत बरसेंडी मोड़ से बसहा चौराहे के बीच सोमवार की दोपहर करीब 12 बजे बाराबंकी से अयोध्या आ रही श्रद्धालुओं से भरी एक निजी बस हाईवे पर पलट गई। यात्रियों की चीख पुकार सुनकर स्थानीय लोग दौड़े व अंदर फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। बस में 62 श्रद्धालु सवार थे, जिनमें से 45 घायल हो गए। 11 को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया।

दुर्घटनाग्रस्त बस कानपुर से श्रद्धालुओं को लेकर बाराबंकी आई हुई थी, यहां पर लोधेश्वरनाथ महादेव मंदिर पर जलाभिषेक करने के बाद सभी अयोध्या दर्शन पूजन को आ रहे थे। इस दौरान रिमझिम बरसात भी हो रही थी। सत्तीचौरा चौकी अंतर्गत बरसेंडी मोड़ से बसहा चौराहे के बीच अचानक बस का संतुलन बिगड़ गया व बस बीच हाईवे पर ही पलट गई। यह देख स्थानीय लोग दौड़े व बस की खिड़कियों का शीशा तोड़कर अंदर फंसे श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। सूचना पर पहुंचे नायब तहसीलदार रिशु जैन व चौकी प्रभारी जितेंद्र सिंह ने एंबुलेंस की सहायता से 15 घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया, यहां तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है। चौकी प्रभारी ने बताया कि क्रेन व जेसीबी की सहायता से बस को हाईवे से किनारे किया गया। हाईवे पर भारी वाहनों का आवागमन बंद है। सिर्फ श्रद्धालुओं के वाहनों को आने जाने दिया जा रहा है। इसके चलते जाम की स्थिति नहीं बनी। बताया कि बस में सवार अन्य श्रद्धालुओं को दूसरे साधन से अयोध्या रवाना किया गया।

हाईवे पर पलटी बस को पुलिस क्रेन से हटावाया। अमृत विचार

नंदिनी

विनीता गुप्ता

### घायल यात्री बोले, भोलेनाथ ने बचा लिया

दुर्घटना के बाद बस में फंसे श्रद्धालु चीखने चिल्लाने लगे। महिला श्रद्धालु विनीता गुप्ता के सिर में चोट आई है, उन्होंने बताया कि सभी बस में बैठे सीताराम-सीताराम जप रहे थे। अयोध्या पहुंचने का उत्साह था। अचानक बस हिलने लगी। देखते ही देखते बस पलट गई। कहा कि हादसा इतना भयानक था कि कुछ समझ में ही नहीं आया। जब एंबुलेंस में बैठे तब समझ में आया कि हमें चोट लगी है। श्रद्धालु सुमन, रानी, लक्ष्मण, महेश आदि ने बताया कि बस जब पलटी तो ऊपर रखा सामान भी हमारे ऊपर गिर गया, जिससे हम उसके नीचे दब गए। कहा कि स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद की। भोलेनाथ की कृपा से हमें सिर्फ चोट ही लगी।

### ये जिला अस्पताल में हैं भर्ती

कानपुर के अहिरवा की रजनी विश्वकर्मा (24), मंधाना की विनीता गुप्ता (40), चौबेपुर की रेनू विश्वकर्मा (26), रानी विश्वकर्मा (30), गोमती (40), मंधाना की बबली चौबे (50), रामादेवी निवासी विद्या देवी (50), काफियागंज की नंदिनी (15), महावीर नगर निवासी अंश (15), कन्नौज के विशाल शर्मा (40) व प्रिया शर्मा (26) को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य को प्राथमिक उपचार के बाद छोड़ दिया गया।

## बुजुर्ग पूर्व प्रधान से अभद्रता पिता-पुत्र पर केस दर्ज

**मिल्कीपुर, अमृत विचार:** खंडासा थाना क्षेत्र के धरौली गांव में रविवार देर रात वयोवृद्ध पूर्व प्रधान के साथ अभद्रता किए जाने पर पिता पुत्र के विरुद्ध मारपीट और गली-गलौज का केस दर्ज किया गया है। वयोवृद्ध पूर्व प्रधान चंद्र मोहन श्रीवास्तव अपने घर पर लेटे हुए थे। रात करीब 10 बजकर 50 मिनट पर गांव के आनंद द्विवेदी पुत्र जगत नारायण द्विवेदी पहुंचे और बातचीत करने लगे तो उन्होंने कहा कि सोने का समय हो गया है घर जाओ। इसके बाद आरोपी वृद्ध से अभद्रता करने लगा, जिस पर उन्होंने जोर से आवाज लगाई और परिवार के लोग दौड़े, शोर शराबा सुनकर आरोपी आनंद द्विवेदी के पुत्र दिलीप कुमार द्विवेदी भी वहां पहुंच गए और उन्होंने भी गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। फिर दोनों आरोपी वहां से भाग गए। प्रभारी निरीक्षक खण्डासा संदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी आनंद द्विवेदी ने नशे के हालात में वृद्ध से अभद्रता की है, घटना की शिकायत मिलने पर केस दर्ज कर आरोपियों का शांति भंग में चालान किया गया है।

# जल जीवन मिशन के तहत बनी टंकी की बाउंड्रीवॉल बारिश में ढही

**मवई, अयोध्या**

पानी की टंकी के निकट गिरी बाउंड्रीवॉल।

**अमृत विचार :** मवई ब्लाक की ग्राम पंचायत दुल्लापुर के मानापुर में जल जीवन मिशन के ग्रामीण पेयजल योजना के तहत निर्मित पानी की टंकी की बाउंड्री वॉल एक साल के अंदर पहली बारिश में ही ढह गई। चर्चा रही कि घटिया निर्माण के कारण यह ढही। टंकी 2.34 करोड़ की लागत से बनाई जा रही थी।

टंकी का निर्माण ग्राम पंचायत दुल्लापुर के मवई चौराहा, महराजताल, मानापुर में पेयजल सुविधा प्रदान करने के लिए किया गया। टंकी से अभी तक घरों में पानी की आपूर्ति शुरू नहीं हो पाई है। प्रधान प्रतिनिधि संतोष यादव ने बताया कि टंकी की बाउंड्री वॉल निर्माण के समय इसमें प्रयोग की जा रही घटिया सामग्री पर रोक लगाई थी, लेकिन ठेकेदार के मनमाने रवैये के चलते घटिया सामग्री से ही निर्माण कार्य करवा दिया गया। इसके कारण एक वर्ष के अंदर ही बाउंड्रीवाल धराशायी हो गई। बताया कि जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन खुदाई से ग्राम पंचायत के सभी मजरों की इंटरलॉकिंग, खड़ंजा सहित सभी मार्गों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया है। इससे ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। निर्माण एजेंसी के नोडल अधिकारी मानवेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि बगल की मिट्टी की दबाव के कारण बाउंड्री वॉल गिर गई है, कार्य योजना के समय बॉक्सिंग की परमिशन नहीं मिल पाई थी। इसलिए मिट्टी की पिटाई नहीं हो सकी थी। अभी कार्य पूर्ण होने में एक साल का समय है समय के अंदर निर्माण कार्य पूरा कर लिया जाएगा।

# पूजा को डांस, रजनी को तीज क्वीन का खिताब

**अयोध्या कार्यालय**

- **सावन व कजरी गीतों में नृत्य से सजा हरियाली तीज महोत्सव**

महोत्सव में हाथों में मेहंदी रचाकर दिखाती महिलाएं। अमृत विचार

**अमृत विचार:** हाथों में मेहंदी, बालों में गजरा, पांव में पायल और हरी-हरी चूड़ियां पहन हरे परिधान में महिलाएं निकलीं। सावन व कजरी गीतों की धुन चल रही थी। नृत्य की ऐसी छटा प्रस्तुत हुई की पूरा समारोह सावन को रिझाने लगा। मौका था सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था यश म्यूजिकल ट्रस्ट के तत्वाधान में नाका चुंगी के एक होटल में आयोजित हरियाली तीज महोत्सव 2025 का। इस दौरान हुई प्रतियोगिताओं में पूजा उर्वशी को डांस क्वीन, जबकि रजनी गुप्ता तीज क्वीन बनीं।

लोकगीत गायन प्रतियोगिता में तोशी तिवारी विजेता रही। बोतल गेम प्रतियोगिता में जानवी सिंह विजेता बनीं। सुंदर सुंदरी का खिताब पुष्पा शर्मा के हाथ लगा। ओल्ड इज गोल्ड गोल्डन ब्यूटी का अवार्ड बीना सिंह ने जीता। तीज क्वीन के खिताब के लिए सभी सुंदरियों ने रैंप वॉक किया। इसमें रजनी गुप्ता तीज क्वीन बनीं। सपोर्टर ऑफ़ द ईयर का खिताब रत्ना जायसवाल को मिला। एक्टिव वुमेन अरुणा, सरप्राइज गेम में पूजा विजेता रहीं। सभी विजेताओं को उपहार दिया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि महापौर की पत्नी राज लक्ष्मी त्रिपाठी ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में सहजनवा गोरखपुर की मेयर संजू सिंह व निर्णायक के रूप में नोएडा से आई इंडी स्कूल ऑफ म्यूजिक की फाउंडर सुनीता गुप्ता व लखनऊ से आई लोक गायिका शिप्रा रहीं। कार्यक्रम में सर्वप्रथम लोकगीतों का कार्यक्रम लोक चौपाल ढोलक पर हुआ। महिलाओं द्वारा पारंपरिक कजरी गीत ढोलक की थाप पर सुनाए, उस पर खूब नृत्य हुआ। इस दौरान संस्था की अध्यक्ष संगीता आहूजा, कोषाध्यक्ष सुमिष्ठा मित्रा, रामकुमार, मेनका सिंह, रत्ना जायसवाल, बबीता यादव, अंशु अग्रवाल, नीलम श्रीवास्तव, मीनू यादव, श्यामा शर्मा, खुशबू शर्मा, पल्लवी वर्मा, अमिता सिंह, अनुराधा मौर्या समेत अन्य मौजूद रहे।

## डाकघर में शाम 8 बजे तक बुक होगी राखी

**अयोध्या कार्यालय। अमृत विचार :** डाक विभाग ने रक्षाबंधन पर्व पर इस बार विशेष तैयारी की है। महज 10 रुपए में विभाग ने वाटरप्रूफ व टिकाऊ लिफाफा उपलब्ध कराने के साथ राखी भेजने के लिए स्पेशल स्पीड पोस्ट बुकिंग काउंटर की शुरुआत की है। काउन्टर की शुरुआत करते हुए प्रवर डाक अधीक्षक हरे कृष्ण यादव ने बताया कि स्पेशल काउन्टर से राखी लिफाफा की बुकिंग समय सीमा बढ़ा कर सुबह 8 बजे से शाम 8 बजे तक कर दी गई है। उन्होंने कहा कि स्पेशल स्पीड पोस्ट बुकिंग काउंटर की सुविधा अयोध्या प्रधान डाकघर में उपलब्ध करायी गयी है। उन्होंने अपील किया कि विशेष डाक लिफाफे का उपयोग अधिक से अधिक करें ताकि उनकी भावनाएं सुरक्षित व सही समय पर प्रियजनों तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि दूर रहने वाले भाई को बहनें डाक से राखी भेजती हैं और कागज का लिफाफा बारिश में भीगने से राखी भी खराब होती है और लिफाफा भी फट जाता है। डाक विभाग वाटरप्रूफ, आकर्षक व रंगीन लिफाफा मुहैया कराने के साथ ही सरल व सुगम तरीके से तत्काल उपलब्ध कराने की व्यवस्था भी करेगा।

**बनाया गया स्पेशल स्पीड काउन्टर**

शिविर में मौजूद चिकित्सक व अन्य लोग। अमृत विचार

### कारागार में चिकित्सा शिविर का आयोजन

**अयोध्या।** सेवा भारती की ओर से जिला कारागार में रविवार को चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। उक्त शिविर में जिला कारागार अयोध्या के कैदियों का हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, नाक कान गला रोग, नेत्र रोग, सामान्य रोग आदि की जांच एवं उपचार किया गया। राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. सत्यजीत वर्मा के निर्देशन में चिकित्सा अधीक्षक डॉ. देवाजीत शर्मा, डॉ. मनोज सिंह सह आचार्य, डॉ. मनीष वर्मा सहायक आचार्य, रेजीडेंट व ट्रामा टेक्नीशियन द्वारा किया गया।

## जनकपुर से अयोध्या विश्व का प्राचीनतम महामार्ग : प्रो. हरिवंश

**अयोध्या कार्यालय**

- **अविवि में जनकपुर-अयोध्या महामार्ग की खोज विषय पर व्याख्यान आयोजित**

**अमृत विचार:** डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के सेमिनार हॉल में कुलपति कर्नल डॉ. बिजेंद्र सिंह के निर्देशन में सोमवार को 'जनकपुर अयोध्या महामार्ग की खोज' विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता सेंटर फार इकोनोमिक एण्ड टेक्निकल स्टडीज, जनकपुर, नेपाल के कार्यकारी निदेशक प्रो. हरिवंश झा ने बताया कि जनकपुर व अयोध्या को रामायणकाल मे जोड़ने वाले महामार्ग को वर्तमान परिवेश मे चिन्हित करने की बृहद् परियोजना पर कार्य कर रहे हैं। संदर्भित काल मे भी अयोध्या और जनकपुर थलमार्ग से जुड़े हुए थे। महाप्रभु श्रीराम का जन्म 17000 से 5000 ईशापूर्व में हुआ था और इसी मार्ग से श्रीराम की बारात जनकपुर तक गई थी।

संदेशवाहक को अयोध्या से जनकपुर पहुंचने में चार दिन लगते थे, जबकि श्रीराम की बारात को मिथिला तक पहुंचने में तेरह दिन लगे थे। प्रो. झा ने रहस्योद्घाटन करते हुए बताया कि अयोध्या और जनकपुर एक ही अक्षांश रेखा पर अवस्थित हैं जैसे कि केदारनाथ और रामेश्वरम एक ही देशांतर पर हैं। उनके कार्य से आने वाले समय में नेपाल-अयोध्या संबंध पर आगे का कार्य करने हेतु शोध छात्रों को प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता इतिहास, संस्कृति व पुरातत्त्व विभाग के अध्यक्ष करते हुए डॉ. संजय चौधरी ने कहा कि अयोध्या विश्व की एक सांस्कृतिक धरोहर है। डॉ. देवनरायण वर्मा ने प्रो. झा के शोध कार्य को महत्वपूर्ण ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक खोज के क्षेत्र में महत्वपूर्ण संदर्भ बताया। त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू के प्रो. शम्भूनाथ झा, डॉ अवध नरायन, डॉ. देशराज उपाध्याय, ज्ञान प्रकाश तिवारी, निधि कुमारी, ऊषा वर्मा सहित बड़ी संख्या मे परास्नातक के छात्र उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस मनाते रोटरी क्लब ग्रेटर के सदस्य। अमृत विचार

## रोटरी क्लब ने रक्तदान कर मनाया स्थापना दिवस

**अयोध्या, अमृत विचार :** रोटरी क्लब ग्रेटर ने अपना 11वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया। क्लब के सदस्यों ने केक काटकर एक दूसरे को बधाई दी। अध्यक्ष रो संजीव सोनी ने कहा कि रोटरी क्लब ग्रेटर की स्थापना समाज को कुछ सार्थक कार्य करके देने के लिए हुई थी और क्लब ने हमेशा स्थायी प्रकृति के सामाजिक कार्य करने में विश्वास रखा। इस वर्ष क्लब को 20 से अधिक पुरस्कार प्राप्त हुए। क्लब से अयोध्या के मूक बधिर स्कूल में हाल का निर्माण कराया गया। क्लब अध्यक्ष ने वर्ष 2025-26 के कार्यकाल के लिए कई संकल्प लिए, आगे की अपनी योजना बताई। कार्यक्रम के दौरान 10 यूनिट रक्तदान किया गया। आगे के कार्यक्रम में बृहद पौधरोपण, स्कूल के गरीब बच्चों की पढ़ाई में मदद करना, वाटर कूलर लगाना, गरीब कन्याओं की शादी में सहयोग आदि शामिल हैं। क्लब सचिव सतीश चौरसिया ने सामाजिक कार्यों को और आगे बढ़ाने का संकल्प व्यक्त किया। पूर्व अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कोषाध्यक्ष और अन्य सदस्य मौजूद रहे।

## विलुप्त हो रही 'नौटंकी' के संरक्षण का प्रयास

**अयोध्या, अमृत विचार :** इंटैक अयोध्या अध्याय व यश पैका लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में जेबी अकादमी सभागार में सोमवार को अकादमी छात्रों ने 'सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र' नौटंकी की मनमोहक प्रस्तुति दी। प्रसिद्ध भजन गायक शिवपूजन शुक्ल के निर्देशन व साधना तिवारी, सुधा मिश्रा व निवेदिका के मार्गदर्शन में छात्रों ने प्रस्तुति से दर्शकों का दिल जीत लिया। इंटैक अयोध्या अध्याय की संयोजक मंजुला झुनझुनवाला ने बताया कि इंटैक भारतीय कला व संस्कृति के सतत संवर्धन हेतु समर्पित है। लगातार क्षेत्रीय लोक कला व संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए अवध कला उत्सव, धरोहर यात्रा, सरयू आरती आदि कार्यक्रमों का सफल संचालन कर रहा है। अवध कला उत्सव प्रभारी वीके जोशी ने मंच संचालन करते हुए बताया कि कार्यक्रम का उद्देश्य नई पीढ़ी को धीरे-धीरे लुप्त हो रही उत्तर भारत की लोकप्रिय लोक नाट्य विधा नौटंकी से परिचित कराना है, जिसमें संगीत, नृत्य, संवाद व कहानी का मिश्रण होता है। इंटैक के सदस्य, विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षक, छात्र, अभिभावक, हेरिटेज क्लब के सदस्य व अनेक गणमान्य उपस्थित रहे।

अवध विवि में एमपीएड प्रवेश के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा देते छात्र-छात्राएं।

### एमपीएड में प्रवेश के लिए हुई शारीरिक दक्षता परीक्षा

**अयोध्या, अमृत विचार :** डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय आवासीय परिसर स्थित क्रीड़ा स्थल में सोमवार को एमपीएड में प्रवेश के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा हुई, जिसमें 196 पंजीकृत छात्र में 100 ने तथा छात्रा वर्ग में 84 में से 40 अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। प्रवेश परीक्षा समन्वयक प्रो. शैलेंद्र कुमार व उप समन्वयक डॉ. त्रिलोकी यादव सहित वाह्य परीक्षक प्रो. आशीष प्रताप सिंह व डॉ. पूनम जोशी ने शारीरिक दक्षता परीक्षा कराई। आंतरिक परीक्षक डॉ. अनिल कुमार मिश्र, डॉ. कपिल कुमार राणा, डॉ. अर्जुन सिंह, डॉ. अनुराग पाण्डेय, मंगलम सिंह, डॉ. मोहिनी पाण्डेय, स्वाती उपाध्याय ने प्रवेश परीक्षा संपन्न कराने में सहयोग प्रदान किया।

# रामपथ-मऊ शिवाला का चार किमी मार्ग होगा 10 मीटर चौड़ा

## 3385.85 लाख रुपये की कार्य योजना शासन को भेजी गई

अयोध्या कार्यालय

- औद्योगिक इलाका व एफसीआई को भी मिलेगा चौड़ीकरण का लाभ

**अमृत विचार :** रामपथ से मऊ शिवाला तक जाने वाले चार किलोमीटर लंबे मार्ग को चौड़ा करने की योजना को मूर्त रूप देने के लिए लोक निर्माण विभाग ने 3385.85 लाख रुपये की कार्ययोजना तैयार की है। इस योजना को मंजूरी के लिए शासन को भेज दिया गया है। इस परियोजना के तहत वर्तमान में पांच मीटर चौड़े मार्ग को 10 मीटर तक विस्तारित किया जाएगा, जिससे न केवल धार्मिक यात्रियों को सुविधा होगी, बल्कि स्थानीय औद्योगिक क्षेत्र, स्कूल और एफसीआई को भी इसका लाभ मिलेगा।

अयोध्या देश-विदेश के लाखों श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है। राम मंदिर के निर्माण के बाद यहां पर्यटकों और तीर्थयात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है। इस बढ़ती भीड़ को देखते हुए योगी सरकार धार्मिक स्थलों तक पहुंचने वाले मार्गों को और सुगम बनाने पर जोर दे रही है। रामपथ से मऊ शिवाला मार्ग का चौड़ीकरण इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह मार्ग न केवल धार्मिक महत्व के स्थानों को जोड़ता है, बल्कि औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भी महत्वपूर्ण है।

इस मार्ग का चौड़ीकरण न केवल यातायात को सुगम बनाएगा, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगा। वर्तमान में इस मार्ग की चौड़ाई केवल पांच मीटर के करीब है, जो बढ़ते यातायात और तीर्थयात्रियों की संख्या को देखते हुए अपर्याप्त है। 10 मीटर चौड़े मार्ग के निर्माण से वाहनों की आवाजाही आसान होगी और जाम की समस्या से निजात मिलेगी। इसके साथ ही मऊ शिवाला जैसे महत्वपूर्ण धार्मिक स्थलों तक पहुंचने में सुविधा होगी।

### एफसीआई के पास लगने वाले जाम से मिलेगी निजात

इस मार्ग पर गद्दौपुर के पास एफसीआई का माल गोदाम के साथ कई औद्योगिक इकाईयां, वाहन एजेंसिया, सर्विस सेंटर के साथ शहर का प्रतिष्ठित जेबी एकाडमी स्कूल स्थित है। एफसीआई के माल गोदाम पर आवश्यक वस्तुओं के आवागमन के चलते दिन भर ट्रकों का आवागमन रहता है। एंट्री मिलने में देर होने के चलते कई ट्रकें सड़क किनारे खड़ी रहती हैं। इससे यहां जाम लगा रहता है। सड़क निर्माण के बाद जाम की समस्या से निजात तो मिलेगी ही साथ ही औद्योगिक इकाइयों को सामान की ढुलाई में भी सुविधा होगी।

### जल्द काम शुरू होने की उम्मीद

लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय खंड के अधिशाषी अभियंता एसपी भारतीय ने बताया कि इस परियोजना के पूरा होने से न केवल स्थानीय निवासियों को लाभ होगा, बल्कि अयोध्या आने वाले पर्यटकों और तीर्थयात्रियों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। शासन से मंजूरी मिलने के बाद इस परियोजना पर जल्द ही काम शुरू होने की उम्मीद है।

## विहिप व बजरंग दल ने हनुमान चालीसा का निःशुल्क किया वितरण

**पूराबाजार, अमृत विचार :** विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को पूराबाजार प्रखंड स्थित जेजेयस कॉन्वेंट स्कूल में छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को निःशुल्क हनुमान चालीसा वितरित की। इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहल का उद्देश्य युवाओं में भारतीय संस्कृति, भक्ति भावना और धार्मिक मूल्यों को जागृत करना है।

कार्यक्रम में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम और जय बजरंग बली के नारे लगाए। पूर्व जिला पंचायत सदस्य शंभू नाथ सिंह दीपू ने कहा कि हनुमान चालीसा न केवल धार्मिक ग्रंथ है, बल्कि यह नैतिक मूल्यों और आत्मबल को बढ़ाने का एक सशक्त माध्यम भी है। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा का पाठ किया और देश व समाज की समृद्धि की कामना की।

गायत्री पब्लिक स्कूल में कार्यक्रम के दौरान मौजूद बच्चे। अमृत विचार

## प्रकृति के रंगों में रंगे बच्चों ने दी सांस्कृतिक प्रस्तुति

मिल्कीपुर, अयोध्या

- मनाया गया ग्रीन-डे, बीडीओ ने किया पौधरोपण

**अमृत विचार:** हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के रेवतीगंज स्थित गायत्री पब्लिक स्कूल में झमाझम बारिश के बीच प्रकृति संरक्षण को समर्पित ग्रीन डे और पौधरोपण कार्यक्रम मनाया गया। हरी-भरी वेशभूषा में सजे बच्चों ने पेड़-पौधों, सब्जियों और फलों के महत्व पर अपनी कविताओं व प्रसंगों के माध्यम से सबका मन मोह लिया।

मुख्य अतिथि हैरिंग्टनगंज ब्लॉक के खण्ड विकास अधिकारी अखिलेश मिश्रा ने कहा कि वर्तमान समय में वृक्षों को आस्था से जोड़ने की आवश्यकता है। एडीओ पंचायत अरविंद कुमार ने कहा कि पौधरोपण का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को पर्यावरण संरक्षण की मुहिम में जोड़ना है। विभिन्न प्रजातियों के दर्जनों पौधों का रोपण किया गया। विद्यालय प्रबंधक उमा शंकर शुक्ल, सुनील पाण्डेय, प्रभा शंकर शुक्ल, प्रधानाचार्य शिखा दूबे, अखिलेश तिवारी, अभिषेक, प्रेम, राजू, सज्जन, प्रेम, जमुना सहित अन्य लोग थे। आभार उप प्रबंधक रमा शंकर शुक्ल ने व्यक्त किया।

## शिक्षक-अभिभावक समन्वय से होता है विद्यालय का विकास

अयोध्या कार्यालय

**अमृत विचार:** शिक्षक-अभिभावक के समन्वय से ही विद्यालय का विकास होता है। शिक्षक आंतरिक व अभिभावक वाह्य स्तर पर विद्यालय के छात्रों के सर्वांगीण विकास का माध्यम होते हैं। यह बात एसएसवी इंटर कॉलेज में आयोजित शिक्षक अभिभावक संघ की आम सभा बैठक में शिक्षक अभिभावक संघ के अध्यक्ष घनश्याम यादव अध्यक्षता करते हुए कहा कि किसी भी विद्यालय की प्रगति उसके शैक्षिक उन्नयन व शैक्षिक गतिविधियों पर निर्भर करती है।

प्रधानाचार्य डॉ. मणि शंकर तिवारी ने बैठक के एजेंडा बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की। बैठक में आय-व्यय की समीक्षा व शैक्षिक उन्नयन की योजना पर विचार विमर्श हुआ। हाई स्कूल व इंटर बोर्ड परीक्षा परिणाम पर सभी ने हर्ष व्यक्त किया। विशेष आमंत्रित सदस्य पूर्व अध्यक्ष जयसराज वर्मा व राम नेग गौतम ने कहा कि शिक्षक और अभिभावक विद्यालय रूपी गाड़ी के पहिए हैं। वरिष्ठ शिक्षक महेश नारायण यादव, नंदकिशोर उपाध्याय, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, अवधेश सिंह, डॉ. देवेंद्र मिश्रा व वारिज नयन शर्मा, अभिभावक विजय श्रीवास्तव, अनूप मिश्रा, रामशंकर वर्मा, राजेश कुमार तिवारी, अपर्णा सिंह, नरसिंह नारायण श्रीवास्तव ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभी ने शैक्षिक गुणवत्ता में वृद्धि के सुझाव दिए और विद्यालय की गतिविधियों व पठन-पाठन की सराहना की। बैठक में विद्यालय के शिक्षक सहित 300 से अधिक अभिभावक मौजूद रहे।

## छात्रों को खेल प्रतियोगिताओं के लिए करें प्रोत्साहित

**जलालपुर, अंबेडकरनगर। अमृत विचार :** रविवार को बाबा बरुआ दास परुइय्या आश्रम पर वॉलीबाल संघ की बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता वॉलीबाल संघ के अध्यक्ष देवेंद्र दास द्वारा की गई। जिसमें वॉलीबाल संघ अंबेडकरनगर के सभी सदस्य मौजूद रहे। वॉलीबॉल को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय स्तर पर जाकर बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहन करने समेत विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा हुई। संघ के अध्यक्ष राजीव मिश्रा ने कहा कि वॉलीबॉल को बढ़ावा देने की आवश्यकता है, जिससे लोगों की रुचि वॉलीबॉल खेल की तरफ बढ़ सके। इस मौके पर उपाध्यक्ष यशपाल सिंह, सीपी सिंह कोषाध्यक्ष, सुनील कुमार मिश्रा समेत तमाम लोग मौजूद रहे

## डॉ. माधुरी के कार्य व व्यवहार से प्रेरणा लें : डॉ. आशीष

विदाई के समय प्राचार्य व शिक्षकों के साथ डॉ माधुरी गौतम।

**पूराबाजार, अमृत विचार :** राजकीय डॉ. बृजकिशोर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में पिछले आठ साल से फॉर्मेसी विभाग में रीडर के पद पर कार्यरत डॉ. माधुरी गौतम को पदोन्नति करते हुए राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल गाजीपुर में प्रोफेसर फार्मेसी विभाग के पद पर तैनात किया गया है। प्राचार्य डॉ. आशीष कुमार सिंह ने कहा कि डॉ. माधुरी गौतम के कार्य एवं व्यवहार से हमें प्रेरणा लेनी चाहिए। कार्यक्रम में डॉ उपेंद्र सिंह, डॉ. तुलसीराम, डॉ केशव प्रसाद गोस्वामी, डॉ सौम्या रघुवंशी, डॉ. अंजू सिंह, डॉ. आरपी सक्सेना, डॉ. मनीषा सिंह, डॉ. तूलिका जैन, डॉ. रविंद्र नेमा, डॉ. जावेद अहमद, डॉ. आईपी पटेल, डॉ. आनंद जायसवाल, डॉ. विकास मिश्र, डॉ अवनीश राय, डॉ अनुपम सक्सेना, डॉ. पवन कुमार सहित मेडिकल कालेज के चिकित्सा शिक्षक व शिक्षिकाएं और कर्मचारियों ने डॉ गौतम कोउपहार भेंट किया।

## जिला अस्पताल में हेपेटाइटिस का निःशुल्क होगा उपचार

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मौजूद सीएमओ डॉ. संजय कुमार शैवाल, सीएमएस डॉ. पीएन यादव व नोडल डॉ. मनोज शुक्ला। अमृत विचार

**विश्व हेपेटाइटिस दिवस**

- सीएमओ ने जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित किया

**अमृत विचार:** विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर जिला अस्पताल में अपर जिलाधिकारी नायिक रंजीत सिंह की अध्यक्षता में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. संजय शैवाल, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. पीएन यादव, उपचार केंद्र के नोडल अधिकारी डॉ. मनोज शुक्ला तथा महामारी विशेषज्ञ डॉ. सुल्तान अहमद की अगुवाई में चिकित्सा और पैरामेडिकल स्टाफ ने सक्रिय सहभागिता रही। यहां सीएमओ डॉ. संजय शैवाल ने बताया कि जिला अस्पताल में हेपेटाइटिस का निःशुल्क उपचार की सुविधा मरीज को मिलेगी।

इस वर्ष की वैश्विक थीम हेपेटाइटिस आइए इसे समझें और रोकें के अंतर्गत सीएमओ डॉ. संजय शैवाल ने वायरल हेपेटाइटिस की रोकथाम, शीघ्र जांच एवं उपचार की आवश्यकता पर बल दिया। सीएमओ ने बताया कि जिला अस्पताल में निःशुल्क स्क्रीनिंग व उपचार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। जहां प्रति माह 1500 से 2000 लोगों की स्क्रीनिंग की जाती है। जून 2025 में 33 मरीज हेपेटाइटिस बी और 30 मरीज हेपेटाइटिस सी का इलाज प्राप्त कर रहे थे। सीएमएस डॉ. पीएन यादव ने बताया कि उपचार केंद्र में मरीजों को निःशुल्क दवाइयां, नियमित जांच एवं विशेषज्ञ परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि अस्पताल का प्रयास है कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण और सतत सेवा प्रदान की जाए। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य वायरल हेपेटाइटिस के प्रति जन-जागरूकता फैलाना, समय पर जांच और इलाज सुनिश्चित करना तथा समुदाय को रोग की रोकथाम के प्रति शिक्षित करना था।

## अभद्र टिप्पणी के मामले में पंचायत कर्मी पर मुकदमा

**अंबेडकरनगर:** अकबरपुर कोतवालीमें ब्राह्मण समाज के सुभाष पाण्डेय ने शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि ग्राम हरिचन्द्रपुर पोस्ट दान्दूपुर अकबरपुर की रहने वाली पंचायत सहायक सूची गौतम सोशल मीडिया पर ब्राह्मण समाज के खिलाफ अभद्र टिप्पणियां करतीं रहतीं हैं। आरोपी इंस्टाग्राम पर रील बनाकर पोस्ट करतीं हैं। जिससे ब्राह्मण समाज में आक्रोश पैदा हो रहा है। सुभाष पाण्डेय ने अपनी शिकायत में कहा कि सूची गौतम द्वारा की जा रही टिप्पणियों से समाज में अशांति फैल रही है। वहीं पुलिस ने सूची गौतम के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

## जनपद की 19 ग्राम पंचायतों में बनेंगे अमृत सरोवर : विजय

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

**अमृत विचार:** जनपद में 19 नए अमृत सरोवर बनाए जाएंगे। इनके निर्माण के लिए गांवों का चयन कर कार्य योजना तैयार कर ली गई है। इन सरोवरों के बनने से जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और पर्यावरण संतुलन बना रहेगा। इससे भू-जल स्तर में सुधार होगा। साथ ही कृषि, पशुपालन और ग्रामीण रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।

डीसी मनरेगा विजय अस्थाना ने बताया कि जिला प्रशासन पुराने पोखरों और तालाबों का जीर्णोद्धार करके उन्हें अमृत सरोवर का रूप दे रहा है। मनरेगा के तहत प्रत्येक सरोवर पर 7 से 8 लाख रुपए तक की लागत प्रस्तावित है। इन जलाशयों के किनारों को पक्का किया जाएगा। साथ ही पौधरोपण और बैठने की सुविधा भी विकसित की जाएगी। अब तक जनपद में 503 अमृत सरोवरों का निर्माण पूरा हो चुका है। अब उन ग्राम पंचायतों में नए सरोवर बनाए जाएंगे जहां पहले नहीं बने हैं। स्थल चयन की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। उन्होंने बताया कि नए अमृत सरोवर अकबरपुर में 3, बसखारी में 2, भीटी में 2, भियांव में 5, जहांगीरगंज में 1, जलालपुर में 2, कटेहरी में 1, रामनगर में 1 और टांडा में 2 बनेंगे।

## योजना के तहत लगा सोलर पैनल क्षतिग्रस्त

**अंबेडकरनगर:** भीटी तहसील क्षेत्र के पमोली होरिया निवासी विद्या देवी ने उप कृषि निदेशक अश्विनी कुमार सिंह को प्रार्थना पत्र देकर प्रधानमंत्री कुसुम योजना के तहत लगाए गए क्षतिग्रस्त सोलर पैनल को बदलकर नया पैनल लगवाने की मांग की है। पीड़ित विद्या देवी ने बताया कि उन्होंने कुसुम योजना के तहत तीन एचपी का सोलर पंप लगवाया था। बीते 25 जुलाई को आई तेज आंधी के कारण पैनल उडक़र क्षतिग्रस्त हो गया, जिससे उनका सोलर पंप काम नहीं कर रहा है। उन्होंने उप कृषि निदेशक से शीघ्र नया पैनल लगवाने की मांग की है। जिससे वह अपनी धान की फसल की सिंचाई सुचारु रूप से कर सकें।

## दुष्कर्म के आरोपी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

जलालपुर, अंबेडकरनगर

- जलालपुर क्षेत्र के गांव के मामले में पुलिस ने की कार्रवाई

**अमृत विचार:** कोतवाली जलालपुर क्षेत्र में घर में सो रही युवती के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बता दें कि जलालपुर क्षेत्र के एक गांव निवासी युवती ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि विगत शनिवार रात एक बजे वह अपने घर में सो रही थी। इसी बीच पंकज पुत्र हौसिला गौड़ निवासी मंगुराडीला चुपके से घर में घुस आया और उसके साथ दुष्कर्म किया। जिसके बाद पीड़िता ने कोतवाली पहुंच कर मामले की शिकायत की। कोतवाल संतोष कुमार सिंह ने बताया कि मुकदमा दर्ज करके आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

**शादी का झांसा देकर युवती से दुष्कर्म, मुकदमा दर्ज, जलालपुर, अंबेडकरनगर:** जलालपुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की युवती के साथ पांच वर्षों तक शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। सोमवार को पीडिता की बड़ी बहन की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर पुलिस ने वाजिदपुर निवासी विवेक के विरुद्ध मामला दर्ज कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। बता दें कि आरोपी युवक ने युवती को प्रेम और शादी का झूठा भरोसा देकर लगभग पांच वर्षों तक उसका शारीरिक शोषण किया। जब हाल के दिनों में पीड़िता ने विवाह के लिए दबाव बनाया तो युवक ने शादी करने से साफ इनकार कर दिया। पीड़ित युवती बड़ी बहन की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू कर दिया है। कोतवाल प्रभारी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पीडिता के परिवार की ओर से दी गई लिखित शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

## नलकूप पर सोने गए मजदूर की ईंट से सिर कुचलकर हत्या

संवाददाता, आजमगढ़

**अमृत विचार:** जिले के रौनापार थाना क्षेत्र के रचनपट्टी बालाजी गांव में सोमवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब खेत में बने ट्यूबवेल पर एक मजदूर का खून से लथपथ शव मिला।

मृतक की शिनाख्त विनय प्रजापति (निवासी हरिपारा, थाना दोहरीघाट, जनपद मऊ) के रूप में हुई है, जो वर्षों से मोती चंद पटेल के घर मजदूरी करता था। रविवार रात वह रोज की तरह खाना खाकर ट्यूबवेल पर सोने चला गया था। सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने उसका शव देखा, जिसका सिर बुरी तरह कुचला हुआ था और चेहरे पर गंभीर चोट के निशान थे। सूचना मिलते ही रौनापार थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी उच्चाधिकारियों को दी। थोड़ी ही देर में सीओ सगड़ी और एसपी ग्रामीण चिराग जैन भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का मुआयना किया। चिराग जैन ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस, क्षेत्राधिकारी और हमारी टीम ने घटनास्थल की जांच की। सर्विलांस व फॉरेंसिक टीम साक्ष्य संकलन कर रही है। मजदूर की ईंट से प्रहार कर हत्या की गई है। दो लोगों पर हत्या की आशंका है, जिन्हें हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

## प्रो.बजरंग त्रिपाठी को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता आजमगढ़

**अमृत विचार:** पूर्वांचल के मालवीय के रूप में अपनी पहचान बना चुके प्रोफेसर बजरंग त्रिपाठी के ब्रह्मभोज पर उनकी जन्मभूमि जहांगीरगंज में भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शिक्षा, सेवा और सामाजिक उत्थान के क्षेत्र में पूर्वांचल में एक युग प्रवर्तक व्यक्तित्व के रूप में पहचान बनाने वाले प्रो. त्रिपाठी को कई लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

श्रद्धांजलि देने पहुंचे उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्य पूर्व मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा ने उनके योगदान को देखकर उन्हें पूर्वांचल के मालवीय की संज्ञा दी। वहीं प्रदेश के पंचायती राज्यमंत्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि प्रो. बजरंग त्रिपाठी का व्यक्तित्व बहुत दूरदर्शी था और उनके निधन से एक बड़ी क्षति हुई है। वहीं उनके छोटे भाई डॉक्टर कृष्ण मोहन त्रिपाठी ने उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। इस दौरान पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ रवि कुमार छवि, आजमगढ़ में पुलिस अधीक्षक रहे दिनेश चंद दुबे, राजेंद्र यादव, अयाज अहमद, शिव गोविंद सिंह, विजय बहादुर सिंह, सेंट्रल बार एसोसिएशन के वरिष्ठ अधिवक्ता आद्या प्रसाद सिंह, अशोक वर्मा, वेद नारायण मिश्रा, मनोज उपाध्याय, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, ज्ञानेंद्र चतुर्वेदी, राकेश राय, सुहेलदेव, भारतीय समाज पार्टी के प्रदेश महासचिव राजकुमार गुप्ता, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सहजानंद राय, प्रवीण कुमार सिंह, अखिलेश मिश्रा, विजय बहादुर सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

प्रो. बजरंग त्रिपाठी के निधन पर श्रद्धांजलि देते लोग। अमृत विचार

- पूर्वांचल के मालवीय थे प्रोफेसर बजरंग त्रिपाठी : दुर्गा शंकर मिश्र

**आस्था** सावन के तीसरे सोमवार पर अकबरपुर नगर के शिवबाबा धाम में उमड़ा जनसैलाब, कांवड़ियों ने भगवान भोलेनाथ को चढ़ाया जल

# हर-हर महादेव के जयकारे के साथ भक्तों ने किया जलाभिषेक

जिला संवाददाता, अंबेडकरनगर

शिवबाबा धाम में जलाभिषेक करते श्रद्धालु। अमृत विचार

**अमृत विचार:** जनपद में सावन के तीसरे सोमवार पर शिवालयों में भक्तों की आस्था और श्रद्धा का अभूतपूर्व नजारा देखने को मिला। सुबह से ही शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी लाइने लग गई। भक्तों ने हर-हर महादेव के जयकारों के साथ भोलेनाथ का जलाभिषेक किया और बेलपत्र, भांग, धतूरा ओर पुष्प अर्पित अर्पित कर मनौती मांगी। वहीं बड़ी संख्या में कांवड़िये जल लेकर नगर के शिवबाबा धाम पहुंच रहे हैं। प्रसिद्ध शिवबाबा धाम में श्रद्धालुओं का विशेष उत्साह देखा गया।

अकबरपुर नगर के शिवबाबा धाम सहित कई प्रमुख मंदिरों में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रही। यहां दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने गंगाजल से शिवलिंग का अभिषेक किया। मंदिर परिसर भजन-कीर्तन की मधुर ध्वनियों से गुंजायमान रहा। पूरे वातावरण में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार हुआ। शिवबाबा धाम में दूर-दराज से आए भक्तों ने गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, भांग और फूल अर्पित किए। मंदिर परिसर में सुबह से बम भोले की गूंज रही। शिवबाबा धाम में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए भारी संख्या में पुलिस बल और ड्रोन कैमरों से निगरानी की गई। वहीं भीटी, कटेहरी, अकबरपुर के शिवाला घाट, टांटा, जलालपुर, बसखारी, आलापुर के शिव मंदिरों में आस्था का जनसैलाब नजर आया। प्रशासन और मंदिर समिति ने भक्तों के लिए सुरक्षा और स्वच्छता की व्यवस्था की है। स्वयंसेवी संगठनों ने जलपान और विश्राम की सुविधाएं उपलब्ध कराईं। महिलाएं, युवा और बच्चे भी बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे।

### श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में स्नान कर की पूजा-अर्चना

**जहांगीरगंज अंबेडकरनगर, अमृत विचार :** जनपद के आलापुर तहसील क्षेत्र के रामनगर विकासखंड में सावन के तीसरे सोमवार पर श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में स्नान कर दान पुण्य किया। टांडा महादेव घाट, चहोड़ा घाट, बिडहर घाट और कमरिया घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर स्नार किया और पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने सरयू नदी में डुबकी लगाने के बाद आसपास के शिवालयों, मंदिरों और मठों में पूजा-अर्चना कर मनोती मांगी। कई लोगों ने सावन के सोमवार का व्रत भी रखा। ग्राम प्रधान परमेश्वरपुर प्रमोद मिश्रा ने बताया कि सावन के सोमवार को सरयू नदी में स्नान करने से मन्नतें पूरी होती हैं और जीवन में सुख .शांति आती है। समाजसेवी दीपक मिश्रा ने बताया कि सोमवार के दिन स्नान करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। सावन का महीना शुभ माना जाता है।

सावन के तीसरे सोमवार पर सरयू पर स्नान करते श्रद्धालु।

## बाबा गोविंद साहब मंदिर में कांवड़ियों का लगा तांता

जलालपुर, अंबेडकरनगर

**अमृत विचार:** बाबा गोविंद साहब मंदिर में सावन के महीने में कांवड़ियों का तांता लगा हुआ है। 28 जुलाई को अयोध्या धाम से कांवड़ लेकर श्रद्धालु बाबा गोविंद साहब मंदिर पहुंचे हैं। आसपास के सभी गांवों के लोग और श्रद्धालु सागर में स्नान कर रहे हैं। 29 जुलाई को नाग पंचमी के दिन वह बाबा गोविंद साहब मंदिर में जल अर्पित करेंगे। तीसरे सोमवार को मंदिर के शिवालयों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई। दूर-दराज से आए भक्त गंगाजल, बेलपत्र, धतूरा, भांग और पुष्प लेकर आए हैं। वह इन्हें नाग पंचमी के दिन भगवान भोलेनाथ को अर्पित करेंगे। मंदिर परिसर में सुबह से भजन-कीर्तन की धुन गूंज रही है। महिलाएं, युवा और बच्चे भी बड़ी संख्या में मंदिर पहुंच रहे हैं।

**एएसपी और सीओ ने सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा, टांडा, अंबेडकरनगर:** श्रावण मास एवं कांवड़ यात्रा पर कानून-व्यवस्था और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक केशव कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी हरेन्द्र कुमार ने थाना कोतवाली टाण्डा क्षेत्रान्तर्गत झारखंडी मंदिर परिसर में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का गहन निरीक्षण किया। वहीं अकबरपुर नगर के शिवबाबा मंदिर में सीओ सदर नितीश कुमार तिवारी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। उन्होंने कावड़ यात्रियों की सुविधाओं, भीड़ नियंत्रण के सतर्कता बरतने के दिशा-निर्देश दिए।

न्यूज ब्रीफ

### परशुराम युवा वाहिनी ने कराया फल वितरण

सुलतानपुर, अमृत विचार: सावन के तीसरे सोमवार को लंभुआ विधानसभा स्थित प्रसिद्ध शिवलाय बाबा जनवारी नाथ धाम में परशुराम युवा वाहिनी मिशन के तत्वावधान में फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व भदैंया ब्लॉक अध्यक्ष हरेन्द्र मिश्र ने किया। नगर अध्यक्ष पं. अरविन्द राय, सत्यप्रकाश तिवारी, विपिन पांडेय, जयमुकुंद मिश्रा, संतोष मिश्रा, हर्ष पांडेय, हिमांशु मिश्रा सहित कई ब्राह्मण बंधु कार्यक्रम में शामिल हुए।

### मां से आत्मीय संवाद की परंपरा है गोमती आरती

सुलतानपुर, अमृत विचार: करीब 14 वर्ष पूर्व गोमती मित्र मंडल के डॉ. दिनकर प्रताप सिंह ने गोमती आरती की शुरुआत लोगों को नदी से जोड़ने के उद्देश्य से की थी। अब यह आरती हर माह के अंतिम रविवार को तीन आचार्यों द्वारा काशी शैली में कराई जाती है। रविवार को मुख्य यजमान विनोद पाठक के साथ भव्य आरती हुई। जयघोष, प्रसाद वितरण और भक्तों की उपस्थिति ने माहौल को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह, रमेश माहेश्वरी, शालिनी कसौधन सहित दर्जनों सदस्य मौजूद रहे।

### फंदे से लटका मिला किशोर का शव

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार: क्षेत्र के बदरुद्दीनपुर गांव में सोमवार दोपहर 17 वर्षीय अमन कनौजिया का शव घर के छप्पर से फंदे से लटका मिला। छह माह पहले अमन की मां की मौत हो चुकी है व उसकी दोनों बहनें आवाज से दिव्यांग हैं। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम को भेजकर जांच शुरू कर दी है।

# युवक व दोस्त पर चाकू से हमला, साथी की मौत

## प्रेमिका के पिता ने दिया घटना को अंजाम, एक नामजद और दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कादीपुर, सुलतानपुर

अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के एक गांव में रविवार देर रात प्रेम प्रसंग को लेकर हुए विवाद ने खौफनाक मोड़ ले लिया। प्रेमिका से मिलने पहुंचे युवक और उसके साथी पर लड़की के पिता ने ताबड़तोड़ चाकू से हमला कर दिया। इस हमले में संजय निषाद (15) की मौत हो गई, जबकि प्रेमी युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। संजय निषाद पड़ोसी गांव का निवासी था और शंकर अग्रहरि की चाय की दुकान पर काम करता था। जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह कुनाल अग्रहरि उसे काम के लिए मुस्तफाबाद सरैया ले गया था। रात करीब दो बजे पुलिस को सूचना मिली कि पलिया गोलपुर नहर की पटरी के पास संजय का शव पड़ा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

रोते बिलखते परिजन व इनसेट में संजय निषाद की फाइल फोटो। ● अमृत विचार

मृतक के पिता सुनील निषाद की तहरीर पर पुलिस ने लड़की के पिता को नामजद करते हुए दो अज्ञात लोगों के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कोतवाली प्रभारी श्याम सुंदर ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा प्रतीत हो रहा है। कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है, जल्द ही घटना का पूरा खुलासा किया जाएगा।

### बाइक से दो दोस्तों के साथ गया था संजय

कादीपुर: रविवार की देर रात दुकान बंद करने के बाद मुस्तफाबाद सरैया का प्रेमी युवक कुनाल अपने एक अन्य दोस्त बाबू के साथ संजय को भी बाइक से लेकर पलिया गोलपुर गांव के नहर के पास अपनी प्रेमिका से मिलने पहुंचा था। जहां प्रेमिका जब उससे मिलने पहुंचीं तभी पीछे से उसका पिता घनश्याम भी वहां पहुंच गया। सूत्रों के मुताबिक उसने चाकू से कुनाल पर हमला किया। कुनाल व संजय तेजी से बाइक की तरफ भागे तो पीछे से आरोपी घनश्याम ने दौड़ पड़ा। इस दौरान घनश्याम संजय निषाद पर ताबड़तोड़ चाकू से वार करता रहा। जबकि, कुनाल अपने दोस्त बाबू के साथ भाग निकला। देर रात जब मृतक संजय के परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की, तब जाकर मामला खुला।

# कार की ठोकर से बाइक सवार युवक की मौत, दूसरा घायल

- लंभुआ-दुर्गापुर मार्ग पर हुआ हादसा, जांच में जुटी पुलिस

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार: देहात कोतवाली क्षेत्र के लंभुआ-दुर्गापुर मार्ग पर रविवार देर शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान रामपुर मझिलेगांव निवासी सुनील भार्गव की लखनऊ ट्रामा सेंटर में मौत हो गई, जबकि रमेश पुत्र रोघई का इलाज जारी है।

हादसा कंधईपुर बाजार के पास उस समय हुआ जब सुनील और रमेश बाइक से दुर्गापुर रोड से कंधईपुर की ओर जा रहे थे। इसी दौरान लंभुआ की दिशा से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने उन्हें सामने से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों युवक सड़क पर गिरकर बुरी तरह घायल हो गए। सूचना पर पहुंचे ग्रामीणों की मदद से एंबुलेंस द्वारा दोनों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां से हालत गंभीर देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। सोमवार सुबह इलाज के दौरान सुनील की मौत हो गई, जिससे परिवार में कोहराम मच गया है। कोतवाली देहात प्रभारी अखंड देव मिश्रा ने बताया कि हादसे की जानकारी के बाद पुलिस जांच कर रही है और परिजनों की तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा।

# एक ही रात में तीन घरों से लाखों की चोरी, पुलिस ने शुरू की जांच

गोसाईगंज, सुलतानपुर, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के नरायनपुर जासापारा और देवरिया गांव में रविवार की रात चोरों ने तीन घरों को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात और नकदी पर हाथ साफ कर दिया गया। एक ही रात में हुई इन वारदातों से इलाके में हड़कंप मच गया है, वहीं पुलिस की गश्त व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

नरायनपुर जासापारा निवासी रविशंकर पांडेय के घर में घुसे चोरों ने लगभग 70,000 नकद और सोने-चांदी के कीमती जेवरात चुरा लिए। यही नहीं, पास में ही रहने वाली गीता पांडेय के घर पर लगे सीसीटीवी कैमरे की तार काटकर उसे निष्क्रिय कर दिया, जिससे फुटेज भी उपलब्ध नहीं हो सका। उधर, देवरिया गांव में अखिलेश कुमार तिवारी के घर में भी चोरों ने सेंधमारी कर लाखों के आभूषण उड़ा लिए। वहीं विजय तिवारी के घर से भी चोरों ने 10,000 रुपये नकद चुरा लिए। सभी पीड़ितों ने चोरी गए जेवरात और नकदी की सूची तैयार कर पुलिस को सौंपने की बात कही है। घटनाओं की सूचना मिलते ही गोसाईगंज पुलिस जांच में जुट गई है। पीड़ितों ने थाना में तहरीर देकर चोरी गए सामान की बरामदगी की मांग की है।

# इंस्पायर अवार्ड में चार बच्चों का चयन

सुलतानपुर, अमृत विचार: समग्र शिक्षा (माध्यमिक) के तहत बीते दिनों अयोध्या में हुए जनपद स्तरीय इंस्पायर अवार्ड योजना की परीक्षा में जिले से 73 बच्चे शामिल हुए। परीक्षा में अयोध्या के साथ सुलतानपुर के बेसिक और माध्यमिक के बच्चों ने प्रतिभाग किया। प्रत्येक छात्र को 10 हजार रुपये मॉडल बनाने के लिए विभाग की ओर से दिया गया था। जिला समन्वयक अखिलेश पांडेय ने बताया कि जिले के आंचल सिंह, राजवीर सिंह, प्रवेश कुमार और अंशिका विश्वकर्मा का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया है। इसमें आंचल, प्रवेश व अंशिका बेसिक शिक्षा के हैं, जबकि मात्र एक छात्र राजवीर सिंह सर्वोदय इंटर कॉलेज लंभुआ के हैं।

# विस्फोटक बरामदगी में 5 साल का कारावास

- कोर्ट ने दोषी पर पांच हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: बम बरामदगी होने के मामले में दोषी पाए गए कोतवाली नगर के हरिश्वर दुबे का पुरवा निवासी आरोपी भुल्लन दुबे को न्यायाधीश संतोष कुमार ने पांच साल की सजा सुनाकर जेल भेज दिया। कोर्ट ने उस पर 5,000 रुपए का अर्थदंड भी लगाया है। एडीजीसी वेद प्रकाश के मुताबिक अमेठी के सरवनपुर में छह जनवरी 1999 को पुलिस जानलेवा हमले के मामले में दबिश देने गई थी। आरोपी के पास से बम बरामद कर पुलिस ने आरोप पत्र कोर्ट भेजा। दौरान विचारण बम बरामदगी पर साक्ष्यों और तर्कों के आधार पर कोर्ट ने आरोपी को दोषी मानते हुए सोमवार को सजा सुनाकर जेल भेज दिया।

### डॉक्टर हत्याकांड में पूर्व कोतवाल रहे गैरहाजिर, गवाही 5 तक टली

सुलतानपुर: शहर के शास्त्री नगर मोहल्ले में बीते साल संविदा चिकित्सक घनश्याम तिवारी हत्याकांड में अपर सेशन जज संतोष कुमार की कोर्ट में सोमवार को विवेचक रहे पूर्व कोतवाल श्रीराम पांडेय गवाही देने अदालत में नही हाजिर हुए। वादी निशा तिवारी के वकील संतोष पांडेय ने बताया वकीलों के प्रस्ताव के कारण सुनवाई 5 अगस्त तक टल गई। 23 सितंबर 2023 की शाम हुए हत्याकांड के मुख्य आरोपी अजय नारायण सिंह, उसके पिता जगदीश नारायण सिंह और ड्राइवर दीपक सिंह पर कोर्ट ने सामान्य आशय से हत्या, आपराधिक षड्यंत्र और दहशत फैलाने के आरोपों में मुकदमा चलाने के लिए आरोप तय किए थे जिनका ट्रायल जारी है। इसी मामले में एक आरोपी विजय नारायण सिंह की हत्या हो चुकी है। वहीं आरोपी जगदीश नारायण की मृत्यु हो चुकी है। जिससे दोनो पर मुकदमा समाप्त हो गया है।

### जानलेवा हमले में कोर्ट ने तय किये आरोप

सुलतानपुर: थाना क्षेत्र बंधुआकला के पूरे शीतल मझना में छह माह पूर्व दुर्गेश यादव पर जानलेवा हमला करने के मामले में आरोपी मोहित पांडेय पर सोमवार को सेशन जज लक्ष्मीकांत शुक्ल ने आरोप तय किए। बचाव पक्ष के अधिवक्ता अशोक शुक्ल के मुताबिक बीती 31 जनवरी की शाम की घटना में चोटहिल दुर्गेश के पिता रामसहाय ने रंजिशन आरोपी पर धारदार हथियार से कथित जानलेवा हमला करने के आरोप में केस दर्ज कराया था। कोर्ट ने वादी मुकदमा को गवाही के लिए तलब कर सुनवाई के लिए 18 अगस्त की तारीख नियत की है।

# तीसरा सोमवार: शिवालयों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

विंदेश्वरीगंज, सुलतानपुर

अमृत विचार: सावन के तीसरे सोमवार को बल्दीराय तहसील क्षेत्र के प्राचीन शिवालयों में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। भोर से ही जलकलश लेकर भक्तों की टोलियां हर-हर महादेव के जयघोष के साथ मंदिरों की ओर बढ़ती रहीं। पूरा क्षेत्र शिवमय वातावरण से सराबोर हो गया।



मौलेश्वर नाथ महादेवन मंदिर में जलाभिषेक करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

बाबा मौलेश्वर नाथ धाम महादेवन (मिझूटी गांव) में ग्रामीणों सहित दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर पूजन-अर्चन किया और अपने परिवार की सुख-शांति एवं मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना की। मंदिर प्रांगण में दिन भर भक्तों की भीड़ बनी रही। वहीं, वलीपुर के प्राचीन जंगलीनाथन धाम, समरथपुर स्थित शिवाला मंदिर और चकटेरी गांव के शिव मंदिर पर भी भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। श्रद्धालु गंगाजल, दूध, बेलपत्र, भांग व धतूरा आदि अर्पित कर शिवलिंग का रुद्राभिषेक करते देखे गए।

- हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजे मंदिर भक्तों ने किया जलाभिषेक और पूजन

### हनुमानगंज से जनवारी नाथ धाम तक निकली 51 फीट कांवड़ यात्रा

भदैंया, सुलतानपुर: सावन के तीसरे सोमवार को हनुमानगंज बाजार से जनवारी नाथ धाम तक निकली 51 फीट लंबी कांवड़ यात्रा ने क्षेत्र को शिवमय बना दिया। भक्तों का उत्साह और आस्था देखते ही बन रही थी। कांवड़ यात्रा की शुरुआत सती माता मंदिर से हुई, जहां आदि गंगा गोमती से लाया गया जल कांवड़ में भरकर भक्तों ने डीजे की भक्ति धुनों पर नाचते-गाते हुए प्राचीन शिव मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद लगभग दो सौ महिला और पुरुष भक्तों का जत्था जनवारी नाथ धाम जलाभिषेक के लिए रवाना हुआ। यात्रा के दौरान देहात कोतवाली प्रभारी अखंडदेव मिश्रा पुलिस टीम के साथ सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद रहे। ग्राम प्रधान सूरज सिंह के नेतृत्व में निकाली गई इस यात्रा में रवि कसौधन, सत्यम सिंह, अखिलेश, प्रवीण, गोलू, अनिल, जितेंद्र, संजीत, शुभम, निखिल, प्रियाशु समेत सैकड़ों श्रद्धालु शामिल हुए।

# रामसागर अध्यक्ष बने व राज बहादुर सचिव

लंभुआ, सुलतानपुर, अमृत विचार: तहसील लंभुआ बार एसोसिएशन का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, जिसमें रामसागर पाठक ने अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज की। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 35 मतों से हराकर अध्यक्ष पद पर कब्जा जमाया।उपाध्यक्ष पद पर उमेश तिवारी ने 11 मतों से जीत दर्ज की, जबकि सचिव पद पर राज बहादुर श्रीमाली ने 7 मतों से चुनाव जीत लिया। इस पद के चुनाव में एक मत अमान्य घोषित किया गया। कोषाध्यक्ष पद पर छोटेलाल शर्मा विजयी घोषित हुए, उन्हें दो मत अमान्य होने के बाद 27 मतों की बढ़त से सफलता मिली। विजयी प्रत्याशियों को माल्यार्पण कर एवं मिष्ठान वितरण कर बधाई दी गई।

# केशकुमारी, एमजीएस व जेवीएम की टीमें जीतीं

जिला संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: शहर के पंत स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित जनपदीय विद्यालयी टेबल टेनिस एवं बैडमिंटन प्रतियोगिता में जिलेभर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। आयोजन पीएमश्री केशकुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की प्रधानाचार्या पल्लवी सिंह की अगुआई में किया गया। प्रतियोगिता का उद्घाटन क्रीड़ा सचिव दिलीप सिंह ने किया।

सब जूनियर टेबल टेनिस बालक वर्ग में बेसिक ने एमजीएस को हराया, जिसमें नैतिक, हिमांशु, अनुराग, असलम का चयन हुआ। बालिकाओं में बेसिक ने केशकुमारी को मात दी, जिसमें मधु, नैन्सी, सृष्टि चयनित हुईं। जूनियर बालक वर्ग में एमजीएस ने जीआईसी को हराया, वहीं बालिकाओं में केशकुमारी ने बाजी मारी। सीनियर बालक वर्ग में एमजीएस ने जीत में जेवीएम कादीपुर और केशकुमारी ने क्रमशः बालक व बालिका वर्ग में जीत दर्ज की। सीनियर वर्ग में जेवीएम कादीपुर (बालक) और केशकुमारी (बालिका) विजेता रहीं। निर्णायक मंडल में अंतरराष्ट्रीय अंपायर आरिफ दर्ज की, जबकि बालिकाओं में केशकुमारी राजकीय बालिका इंटर कॉलेज की टीम अव्वल रही। बैडमिंटन में सब जूनियर बालक वर्ग में बेसिक ने जीआईसी को हराया, बालिका वर्ग में भी बेसिक ने केशकुमारी को हराया। जूनियर वर्ग नियाज, बम बहादुर यादव, राहुल जायसवाल शामिल रहे। समापन पर जिला क्रीड़ा अधिकारी राजेश सोनकर व जिला विद्यालय निरीक्षक सूर्य प्रकाश सिंह ने विजेताओं को पुरस्कृत किया। चयनित खिलाड़ी मंडलीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

विजेता खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित। ● अमृत विचार

- जिला स्तरीय टेबल टेनिस व बैडमिंटन प्रतियोगिता संपन्न

# माशिसं की बैठक में 31 के धरने की बनी रणनीति

सुलतानपुर, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ की ओर से 31 जुलाई को जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय पर विशाल धरना प्रदर्शन आयोजित किया जाएगा। इस निर्णय की घोषणा सोमवार को जिला अध्यक्ष राज बहादुर पाठक के विनोबापुरी स्थित आवास पर हुई जिला कार्यकारिणी की बैठक में की गई।

बैठक में प्रदेश नेतृत्व द्वारा घोषित प्रदेशव्यापी धरने के क्रम में सुलतानपुर में भी धरना देने की रणनीति तय की गई। जिला महामंत्री पंकज सिंह ने इस दौरान प्रदेश संगठन द्वारा तैयार 15 सूत्री मांग पत्र को कार्यकारिणी के समक्ष पढ़कर सुनाया, जिसे मुख्यमंत्री को संबोधित करते हुए डीआईओएस कार्यालय के माध्यम से भेजा जाएगा। बैठक में जिले के शिक्षकों की स्थानीय समस्याओं पर भी गंभीर चर्चा हुई। प्रदेश उपाध्यक्ष डॉ. तारा सिंह की अगुवाई में एक 12 सूत्री स्थानीय मांग पत्र तैयार किया गया, जिसे जिला विद्यालय निरीक्षक को सौंपकर उनके त्वरित निवारण की मांग की जाएगी। बैठक में डॉ. सुधीर यादव, रमाशंकर उपाध्याय, संजय कुमार पांडेय, ओमप्रकाश सिंह, दिनेश चतुर्वेदी, हरेंद्र सिंह, ज्ञानेंद्र वर्मा, राधारमण मिश्रा, डॉ. विशाल सिंह, कृष्ण कुमार तिवारी समेत दर्जनों पदाधिकारी उपस्थित रहे।

# रंजिश में लाठी-डंडे चले, तीन घायल

कादीपुर, सुलतानपुर, अमृत विचार: कोतवाली क्षेत्र के बनके गांव फुटेहरी में शनिवार रात पट्टीदारी की पुरानी रंजिश ने हिंसक रूप ले लिया। गांव की रामरती और उनकी बेटी साक्षी पर विपक्षियों ने लाठी-डंडे और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया, जिससे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना उस वक्त और बढ़ गई जब शोर सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे गांव के ही राममूर्ति को भी हमलावरों ने पीट दिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने गांव के रामकृष्ण, महावीर, विनय और विजय के विरुद्ध नामजद मुकदमा दर्ज कर लिया है। कोतवाली प्रभारी श्याम सुंदर ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है।

# ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से मजदूर की मौत

लंभुआ, सुलतानपुर

अमृत विचार: रविवार देर शाम एक ट्रैक्टर पर ईंट लादकर तहसील कार्यालय के पास निर्माणाधीन उप निबंधक कार्यालय ले जाया जा रहा था। जैसे ही ट्रैक्टर कृष्णा नगर रेलवे अंडरपास पार कर दुर्गापुर रोड पर पहुंचा, वह अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में पलट गया। इस दौरान मजदूर गड्ढे में दब गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही भट्ठा मालिक मौके पर जेसीबी लेकर पहुंचा और ईंट व ट्रैक्टर ट्रॉली को तो निकाल लिया, लेकिन कीचड़ व पानी में दबे मजदूर को बाहर निकालने की कोई कोशिश नहीं की, न ही पुलिस को सूचना दी। सोमवार सुबह जब ग्रामीणों को शव दिखा, तो उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। कोतवाली प्रभारी अखिलेश सिंह व उप निरीक्षक अरविंद कुमार मौके पर पहुंचे और खुद गड्ढे में उतरकर मजदूर का शव बाहर निकाला।



गड्ढे से शव को निकालते कोतवाल व अन्य पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

- ईंट ले जाते वक्त हुआ हादसा भट्ठा मालिक की बेरुखी से ग्रामीणों में आक्रोश

मृतक की पहचान शंकर यादव (28), निवासी जगदीशपुर, थाना कोतवाली देहात, झारखंड के रूप में हुई है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

तैयारी पूरी

59 प्रत्याशियों के बीच 10 पदों के लिए मुकाबला, सुबह 10 बजे से शुरू हो जाएगी वोटिंग

# बार चुनाव में आज 1913 अधिवक्ता चुनेंगे अपना नुमाइंदा

विधि संवाददाता, सुलतानपुर

अमृत विचार: बार एसोसिएशन सुलतानपुर की नई कार्यकारिणी के 10 पदों के लिए मंगलवार को मतदान होगा। कुल 59 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं, जिनके भाग्य का फैसला 1913 अधिवक्ता मताधिकार के माध्यम से करेंगे। चुनाव को लेकर अधिवक्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है।

बार अध्यक्ष रणजीत सिंह त्रिशुंडी ने बताया छह बूथ बनाए गए हैं, जिन पर वोट डाले जाएंगे। पुलिस टीम ने सोमवार को बनाये गये बूथों का मुआयना किया। अध्यक्ष ने अधिवक्ताओं से अपना मतदाता पहचान पत्र लाने की अपील की है। अध्यक्ष पद के लिए 12, सचिव पद के लिए 8, वरिष्ठ उपाध्यक्ष हेतु 7, उपाध्यक्ष के लिए 4, कोषाध्यक्ष हेतु 4, सह सचिव (प्रशासन) के लिए 3, सचिव (खुर्शीद क्लब) के लिए 2, सह सचिव (पुस्तकालय) हेतु 2, वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए 8 एवं कनिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य पद के लिए 9 प्रत्याशी मैदान में हैं। बार अध्यक्ष रणजीत सिंह त्रशुंडी ने सभी अधिवक्ताओं से शांतिपूर्ण और गरिमामय मतदान सुनिश्चित कराने की अपील की है।

शारदा प्रसाद मिश्र संतोष पांडेय अरविंद सिंह राजा अब्बास अहमद खान

वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद सिंह राजा ने कहा कि यह समय वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार पर विराम लगाने का है। उन्होंने अधिवक्ताओं से जातिवाद से ऊपर उठकर एक योग्य, ईमानदार और कर्मठ प्रतिनिधि के चयन की अपील की। अधिवक्ता अब्बास अहमद खान ने इसे सबसे बुद्धिजीवी वर्ग का चुनाव बताते हुए कहा कि वकीलों को जातीय समीकरणों से ऊपर उठकर प्रत्याशियों की योग्यता और कार्यक्षमता के आधार पर मतदान करना चाहिए। वहीं, अधिवक्ता संतोष कुमार पांडेय ने कहा कि अधिवक्ताओं को अपने विवेक से निर्णय लेना चाहिए। उन्होंने आह्वान किया कि धर्म और जाति के भेदभाव से ऊपर उठकर ऐसे प्रतिनिधियों का चयन करें, जो संघ की उन्नति, वकीलों के हित और लोकतांत्रिक आदर्शों को मजबूत करें। अध्यक्ष पद के रनर प्रत्याशी रहे शारदा प्रसाद मिश्र ने अधिवक्ताओं से एकजुट होकर अधिक से अधिक निष्पक्ष मतदान की अपील की है। उन्होंने उम्मीद जताई है कि इस बार वोटर बीते वर्षों की परम्परा से हटकर सुचितापूर्ण ढंग से जातीय समीकरण से हटकर उन पर भरोसा जताएंगे। उन्होंने बार एसोसिएशन का विकास और अधिवक्ता हित को प्रमुख मुद्दा बनाने का मतदाताओं से आह्वान किया।

# नहरों में तीन माह से नहीं आया पानी

भदैंया, सुलतानपुर, अमृत विचार: क्षेत्र की नरहरपुर-बभनगंवा नहर में बीते तीन महीनों से पानी नहीं पहुंच पाया है, जिससे सिंचाई व्यवस्था चरमरा गई है। रामगंज रजबहा (खंड 49) से निकली इस नहर के मुहाने पर भारी मात्रा में सिल्ट और झाड़ियों के जमाव के कारण पानी का प्रवाह पूरी तरह से अवरुद्ध हो गया है। नहर से जुड़ी अभियाखुर्द-भदैंया अल्पिका नहर की भी स्थिति अत्यंत खराब है। दर्जनों गांवों के किसान धान की रोपाई नहीं कर पा रहे हैं। किसानों ने सिंचाई विभाग से जल्द सफाई और बहाव सुनिश्चित करने की मांग की है।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

**सूचना**

पहले मेरा नाम FAREED AHMAD था से बदलकर FARID AHAMAD रख लिया है। अब मुझे FARID AHAMAD के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/o KALLU ADDRESS- MOHALLA MANGAL BAZAR ASHRAF TOLA, HARDOI-241224.**

**सूचना**

पहले मेरा नाम DINESH KUMAR NISHAD था से बदलकर DINESH KUMAR रख लिया है। अब मुझे DINESH KUMAR के नाम से जाना व पहचाना जाये। **S/o SIYARAM ADDRESS- 82, KARAUDIYA POST- DHAKHWA, DISTT.-SULTANPUR-228001**

**सूचना**

मेरे पुत्र को पूर्व में शेखअली के नाम से जाना जाता था परन्तु अब मेरे पुत्र के समस्त प्रपत्रों में नाम मोहम्मद अरजान सिद्दीकी पुत्र तुफैल दर्ज है। मेरे पुत्र को अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। **मो0 तुफैल पुत्र मो इश्यि रफीनगर, मनकापुर –गोण्डा**

**NOTICE**

I am Zoha Wasim I lost my original high school marksheet year 2021 Roll no -211079493 UP Board. If found contact: 7390810057

**सूचना**

मैं नित्या नन्द चौबे पुत्र अमर शंकर चौबे निवासी ग्रा0/पो0 पयागपुर थाना पयागपुर जिला बहराइच, मेरा हाईस्कूल का अंक पत्र (मार्कशीट) व प्रमाण पत्र दोनों वास्तव में खो गया है। मेरा अनुक्रमांक 1000715 है और उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद से है।

**सूचना**

मेरा पहले का नाम जोगिन्दर सिंह छाबड़ा (JOGINDRA SINGH CHHABRA) पुत्र श्री करतार सिंह छाबड़ा था। अब मैंने अपना नाम जोगेंदर सिंह छाबड़ा (JOGENDER SINGH CHHABRA) रख लिया है। अब मुझे जोगेंदर सिंह छाबड़ा (JOGENDER SINGH CHHABRA) के नाम से जाना पहचाना जाए। **जोगेंदर सिंह छाबड़ा पुत्र करतार सिंह छाबड़ा, 371, पंजाबी कालोनी, शहर लखीमपुर जिला खीरी, उ0प्र0।**

**सूचना**

सूचित हो कि मैं **महिमा चन्द्रा पुत्री श्री चन्द्र शेखर निवासी–119/134, खन्दारी बाजार लाल बाग लखनऊ** द्वारा इण्टामीडियट की परीक्षा नवयुग रेडीयन्स सीनियर सेकेण्डरी स्कूल लखनऊ से वर्ष 2025 में उत्तीर्ण की है, जिसका रोल न0 – 23718626 था कि मार्क शीट/टी0सी0/चरित्र प्रमाण– पत्र मलू रूप से गिरकर कही खो गयी है।

**सूचना**

मैने अपना नाम JAMAL AHMED से बदलकर JAMAL AHMAD रख लिया अब इसी नाम से जाना व पहचाना जाये। S/0-SABIR ALI ADD-DAKSHIN TOLA KATRA NAGRAM DIST-LUCKNOW-227308(U.P)

# शिवालयों में जलाभिषेक के लिए उमड़े श्रद्धालु

## पृथ्वीनाथ मंदिर में हर-हर महादेव के जयघोष के साथ कांवड़ियों ने किया शिव पूजन

संवाददाता, खरगूपुर, गोंडा

**अमृत विचार :** पौराणिक पृथ्वीनाथ मंदिर में सावन के तीसरे सोमवार को बूंदा-बांदी के बीच हजारों शिवभक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। श्रद्धालुओं ने "हर हर महादेव", "जय महाकाल" व "ॐ नमः शिवाय" के उद्घोष के साथ बाबा भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विधिवत पूजन-अर्चन किया।

पांडवकालीन इस ऐतिहासिक मंदिर में रात्रि 12 बजे से ही कांवड़ियों का तांता लग गया। कांवड़िये डीजे की धुन पर भोलेबाबा के भजनों पर थिरकते हुए मंदिर पहुंचे और शिवलिंग पर गंगाजल, दुग्ध, बेलपत्र, शमी पत्र व पुष्प अर्पित कर मनवांछित फल की कामना की। श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए मंदिर प्रांगण में लंबी कतारों के माध्यम से दर्शन-पूजन की व्यवस्था की गई थी। कांवड़ियों के साथ-साथ स्थानीय श्रद्धालुओं ने भी बारी-बारी से जलाभिषेक कर बाबा का आशीर्वाद प्राप्त किया। तीसरे सोमवार पर बड़ी संख्या में महिलाओं व युवतियों ने व्रत रखकर पूजा-अर्चना की और परिवार की सुख-समृद्धि व दीर्घायु की कामना की। पूजन के साथ ही महिलाओं ने मंदिर परिसर व मेले में जरूरी वस्तुओं की खरीदारी भी की। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था भी चाक-चौबंद रही। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी मनोज कुमार रावत, सीओ सदर आनंद कुमार राय तथा थानाध्यक्ष प्रदीप सिंह मेला परिसर एवं गर्भगृह की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते रहे। अतिरिक्त पुलिस बल के साथ संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी रखी गई ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

खरगूपुर में पृथ्वीनाथ मंदिर पर जलाभिषेक करते लोग। अमृत विचार

### जलाभिषेक के दौरान सुरक्षा के रहे पुख्ता इंतजाम

मनकापुर में सावन माह के तीसरे सोमवार को क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिरों में भक्तिभाव का उल्लास देखने को मिला। तड़के भोर से ही शिवभक्तों व कांवड़ियों ने पूजन-अर्चन कर भोलेनाथ का जलाभिषेक किया। क्षेत्र के करोहामान स्थित प्रसिद्ध करोहानाथ शिव मंदिर में इस बार सबसे अधिक भीड़ देखने को मिली। यहां अयोध्या से गंगाजल लेकर आए हजारों कांवड़ियों ने "बाबा की जय हो", "हर-हर महादेव" के उद्घोष के साथ शिवलिंग पर जल चढ़ाया। भोर से ही मंदिर परिसर में कांवड़ियों की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। गोंडा नगर स्थित दुःखहरन नाथ मंदिर, करनैलगंज के बरखंडी नाथ मंदिर और बालेश्वर नाथ मंदिर में भी भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, बेलपत्र व पुष्प अर्पित किए। शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से आए श्रद्धालु पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ जलाभिषेक में शामिल हुए। पुलिस प्रशासन की ओर से सभी प्रमुख मंदिरों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। स्वयंसेवकों ने कतारबद्ध दर्शन व्यवस्था और कांवड़ियों को सहायता प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई। पूजन-अर्चन पूरी तरह शांतिपूर्ण और श्रद्धापूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

# सावन के तीसरे सोमवार को पौराणिक बरखंडी नाथ मंदिर में भक्तों का लगा तांता

**करनैलगंज, अमृत विचार :** सावन मास के पावन अवसर पर करनैलगंज क्षेत्र का पौराणिक बरखंडी नाथ महादेव मंदिर आस्था और श्रद्धा का केंद्र बना हुआ है। श्रावण के तीसरे सोमवार को बाबा बरखंडी नाथ मंदिर पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ दिखाई दी। श्रद्धालु सुबह 4 बजे से ही कटरा घाट स्थित सरयू नदी से जल लाकर महादेव को अर्पित करने लगे यह सिलसिला दोपहर तक चलता रहा।

हुजूरपुर रोड पर तहसील मुख्यालय से लगभग पांच किलोमीटर दूर उत्तर दिशा में स्थित यह शिवधाम हर दिन भक्तों की भारी भीड़ को आकर्षित कर रहा है। सुबह चार बजे से ही जलाभिषेक और रुद्राभिषेक के लिए श्रद्धालु कतारबद्ध होकर पहुंचते हैं। यह प्राचीन मंदिर न सिर्फ सावन में, बल्कि महाशिवरात्रि व कजरीतीज जैसे पर्वों पर भी विशाल मेला का साक्षी बनता है। प्रत्येक वर्ष रूद्र महायज्ञ का आयोजन होता है, जिसमें आदि गुरु शंकराचार्य स्वामी नरेन्द्रानंद सरस्वती भाग लेते हैं।

बरखंडी नाथ मंदिर में जलाभिषेक करते लोग। अमृत विचार

### बरखंडी नाथ मंदिर का ऐतिहासिक महत्व

महंत सुनील पुरी के अनुसार, इस स्थान पपर कभी चरवाहे मूंज से रस्सी बनाते थे। एक दिन मूंज कूटते समय जिस पत्थर पर प्रहार किया गया, उससे रक्त बहने लगा। तत्कालीन पयागपुर-श्रावस्ती के राजा मौके पर पहुंचे, मगर शिवलाट को स्थान से नहीं हटा सके। बाद में स्वप्न में मंदिर निर्माण का आदेश मिलने पर निर्माण कराया।

### मंदिर से जुड़ी अनोखी परंपरा

इस मंदिर की एक विशेष परंपरा है कि यहां का पुजारी आजीवन ब्रह्मचारी रहेगा। एक भाई गृहस्थ जीवन अपनाता है तो दूसरा संन्यास लेकर मंदिर की सेवा करता है। यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। वर्तमान महंत सुनील पुरी मंदिर की 32वीं पीढ़ी से हैं, जो अपने भतीजे दया शंकर पुरी के साथ मंदिर की सेवा कर रहे हैं।

## न्यूज ब्रीफ

### ई-रिक्शा पलटने से चालक की मौके पर मौत

**करनैलगंज :** घटना कोतवाली करनैलगंज क्षेत्र के ग्राम गोनवा के पास लखनऊ गोंडा मार्ग की है। सोमवार की शाम को चौरी चौराहे की तरफ से करनैलगंज की तरफ अपना बैटरी रिक्शा लेकर आ रहे कुतुबुद्दीन 22 वर्ष निवासी ग्राम मेंहदीहाता करनैलगंज का ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गया। जिसपर कुतुबुद्दीन अकेले था। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर पहुंचे हल्का दरोगा सुधीर कुमार ने बताया कि रिक्शा पलटने से वह नीचे दब गया। जिसमें उसकी मौके पर ही मौत हो गई शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है। कोतवाल तेज प्रताप सिंह ने बताया कि रिक्शा पलटने से मौत हुई है। कोई तहरीर नहीं मिली है यदि तहरीर मिलती है तो कार्रवाई की जाएगी।

### स्कूल में चोरी

**रुपईडीह, अमृत विचार।** ब्लॉक के कंपोजिट विद्यालय मल्लापुर का रात में कुछ लोगों ने रसोई घर व भंडार गृह का ताला तोड़ दिया। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका पूनम द्विवेदी ने बताया कि इन कमरों में कोई भी सामान न होने के कारण चोर वापस चले गए। घटना की सूचना पुलिस चौकी आर्य नगर को दी गई। चौकी प्रभारी अवनीश शुक्ल ने बताया कि मौके का निरीक्षण किया गया है चोरों का पता लगाया जा रहा है।

### स्कूल भवन जर्जर निर्माण की मांग

**रुपईडीह, अमृत विचार।** ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय लोनावा दरगाह का मुख्य भवन जर्जर होने से छात्र-छात्राओं को अतिरिक्त कक्ष में बिठाया जा रहा है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य लईक अहमद ने बताया कि अतिरिक्त कक्ष में छात्र-छात्राओं के लिए जगह कम होने के कारण पढ़ाई में दिक्कत उठानी पड़ रही है। उन्होंने शीघ्र ही मुख्य विद्यालय के जर्जर भवन के स्थान पर विद्यालय के भवन का निर्माण कराए जाने की माँग बीएसए से की है।

### जालसाज गिरोह के 5 आरोपी गिरफ्तार

**गोंडा :** पुलिस ने एक जालसाज गिरोह का भंडाफोड़ किया है, जिसमें 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह गिरोह फर्जी दस्तावेज तैयार कर जमीन का बैनामा कराने का कार्य करता था। गिरफ्तार आरोपियों में राम विनोद तिवारी पुत्र हनुमान तिवारी निवासी चोरसिहा थाना कोतवाली देहात, मोहम्मद शहबान पुत्र अब्दुल रहमान निवासी खैरा बगिया थाना कोतवाली नगर, मोहम्मद सलमान पुत्र मोहम्मद शहबान निवासी खैरा बगिया थाना कोतवाली नगर, ओमप्रकाश पुत्र हरीराम कोरी निवासी बसंतपुर राजा थाना इटियाथोक, राकेश कुमार यादव पुत्र योगेंद्र प्रसाद यादव निवासी रानीजोत थाना कोतवाली नगर है।

### चोरी के मामले में कार्रवाई पर उठे सवाल

**मनकापुर :** मछली गांव चौकी क्षेत्र में मोटर चोरी के मामले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे है। पीड़ित किसान शिवराज पाल, निवासी फिरोजपुर ने पुलिस को दी तहरीर में बताया था कि 15 जुलाई को उसके खेत में लगा सिंचाई मोटर चोरी हो गया था। उसने गांव के ही अमित प्रजापति पर चोरी का आरोप लगाते हुए पुलिस को लिखित तहरीर दिया था। रविवार को मछली गांव चौकी इंचार्ज साहेब कुमार ने नामजद आरोपी अमित को कुछ समय चौकी पर बैठाने के बाद बिना कोई विधिक कार्यवाही किए उसे छोड़ दिया गया।

# मरगूबपुर में 'अटल वन' स्थापना कार्यक्रम के तहत हुआ पौधरोपण

संवाददाता, उमरी बेगमगंज

**अमृत विचारः** तहसील तरबगंज अंतर्गत ग्राम मरगूबपुर में सोमवार को "अटल वन" स्थापना कार्यक्रम के अंतर्गत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों और विभिन्न सामाजिक संगठनों की सहभागिता रही।

कार्यक्रम में विधायक तरबगंज प्रेम नारायण पांडेय, जिलाधिकारी नेहा शर्मा, मुख्य विकास अधिकारी अंकिता जैन, ब्लॉक प्रमुख बेलसर राजेन्द्र प्रताप सिंह गुड्डू तथा लोक भारती संस्था के सदस्य शारदा कान्त पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी व ग्रामीण मौजूद रहे। अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों ने ग्राम मरगूबपुर में दर्जनों पौधे रोपित किए और पर्यावरण की रक्षा के लिए अधिक से अधिक पौधरोपण करने का आह्वान किया।

मनरेगा के तहत बेलसर के मरगूबपुर मे 3 हेक्टेयर मे अटल वन की स्थापना की गई है। अटल वन मे हरिशंकरी वाटिका, पंचवटी वाटिका, त्रिवेणी वाटिका, औषधीय वाटिका, नव ग्रह वाटिका , फलदार व ईमारती पौधों की मिश्रित वाटिका बनाई गई है जिसमे सोमवार को 5100 पौधे एक साथ रोपे गए है। उपायुक्त श्रम रोजगार जनार्दन यादव, डीडीओ सुशील श्रीवास्तव, बीडीओ विजयकांत मिश्रा, प्रभारी वनाधिकारी सुदर्शन, एसडीएम विश्वामित्र सिंह, प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र प्रताप राय एडीओ रवि मिश्रा, दयानन्द सिंह, एपीओ पूनम शुक्ला, प्रधान रेखा पांडेय, सचिव अजीत वर्मा समेत सैकड़ों लोगों ने पौधे रोपे।

मरगूबपुर गांव में तैयार अटल वन। अमृत विचार

विधायक के साथ डीएम, सीडीओ व मौजूद ग्रामीण। अमृत विचार

### क्या है 'अटल वन' योजना?

"अटल वन" योजना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शुरू की गई एक विशेष पहल है, जिसका उद्देश्य राज्य के प्रत्येक विकास खंड में एक स्मृति वन की स्थापना करना है। यह योजना भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में चलाई जा रही है। इसका मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव विविधता को बढ़ावा देना और स्थानीय स्तर पर सामुदायिक सहभागिता के साथ हरियाली को बढ़ाना है। अटल वनों में छायादार, औषधीय और फलदार पौधों को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे पर्यावरणीय लाभ के साथ-साथ स्थानीय लोगों को आर्थिक व सामाजिक लाभ भी मिल सके। कार्यक्रम के समापन पर सभी अतिथियों ने पौधों की सुरक्षा व देखभाल का संकल्प लिया।

# आज निकलेगी निशान शिव ध्वज व कलश यात्रा

**गोंडा, अमृत विचार :** मंगलवार से आयोजित हो रही श्री महापुराण कथा को लेकर नगर के श्री पार्थिव पूजन सेवा समिति के अध्यक्ष संदीप मल्होत्रा के आवास पर एक बैठक हुई। बैठक में पंचवटी श्री सीताराम आश्रम रिसिया शाखा परिवार द्वारा आयोजित सवा लाख पार्थिव पूजन रुद्राभिषेक एवं शिव महापुराण कथा के आयोजन पर चर्चा हुई।

कथा का शुभारंभ रवि शंकर जी महाराज गुरु भाई के सानिध्य में संपन्न होगी। कार्यक्रम में मुख्य यजमान आरती सोनी एवं संतोष सोनी रहेंगे। कार्यक्रम मे 29 जुलाई दिन मंगलवार को सायंकाल 3 बजे गोलागंज विनोद टॉकीज से निशान शिव ध्वज एवं कलश शोभायात्रा निकलकर पूरे नगर में भ्रमण करते हुए बड़गांव पुलिस चौकी के पास स्थित कथा स्थल शारदा मैरिज लान पर समाप्त होंगी। 30 जुलाई से 6 अगस्त तक प्रातः काल 6 से 9 बजे तक पार्थिव पूजन रुद्राभिषेक का पूजन प्रारंभ होगा और सायंकाल 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक शिव महापुराण कथा होगी। कथा 30 जुलाई बुधवार से 5 अगस्त दिन मंगलवार तक चलेगी। 6 अगस्त को भंडारे का आयोजन होगा।

बैठक का संचालन दीपक मराठा ने किया। बैठक के दौरान दीपेंद्र मिश्रा, सूर्य प्रकाश सोनी, देवेंद्र सोनी, गोविंद महाराज, विशाल बंसल, राहुल शर्मा, दीपक गुप्ता, राकेश गुप्ता, राजेश गुप्ता, विजय गुप्ता, रविंद्र सिंह, शनी सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

# समस्त सीडीपीओ को योजनाओं की समय से फीडिंग के निर्देश

**गोंडा, अमृत विचार :** सोमवार को जिलाधिकारी नेहा शर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक हुई। बैठक में बच्चों, गर्भवती, धात्री, किशोरियों, महिलाओं को पोषण स्तर में सुधार लाने एवं उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने को लेकर जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने दिये कड़े निर्देश।

साथ ही आदर्श आंगनबाड़ी केन्द्र विकसित करने, निर्माणाधीन आंगनबाड़ी भवनों के निर्माण की प्रगति, मैम चिंहित बच्चों के पोषण श्रेणी में सुधार एवं उनकी स्वास्थ्य जांच एवं प्रबंधन, एनीमिया मुक्त भारत, बच्चों का आधार नामांकन, पोषण माह के क्रियांवयन, पोषण ट्रैकर ऐप पर लाभार्थियों के आधार सत्यापन, आंगनबाड़ी केंद्रों की जिओ टैगिंग एवं आंगनबाड़ी केंद्रों पर अनुपूरक पुष्टाहार ड्राई राशन के वितरण आदि की बिंदुवार गहन समीक्षा की गयी। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी रश्मि वर्मा, डीपीओ सत्यपाल सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आदित्य वर्मा, सीडीपीओ, समस्त सीएससी अधीक्षक, सुरवाइजर, यूनीसेफ संस्था के पदाधिकारी, तथा अन्य सभी संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

## शस्त्र लाइसेंस मामलों पर शासन सख्त

**गोंडा :** प्रदेश भर में सैकड़ों की संख्या में लंबित शस्त्र लाइसेंस आवेदनों को लेकर शासन ने गंभीर रुख अपनाया है। उत्तर प्रदेश के प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद ने इस संबंध में सभी मंडलायुक्तों को पत्र जारी कर निर्देश दिए हैं कि शस्त्र लाइसेंस से संबंधित लंबित सभी प्रकरणों का समयबद्ध ढंग से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। प्रमुख सचिव के निर्देशों के क्रम में देवीपाटन मंडल के आयुक्त शशिभूषण लाल सुशील ने मंडल के चारों जिलों जिलों गोंडा, बहराइच, बलरामपुर एवं श्रावस्ती के जिलाधिकारियों और पुलिस अधीक्षकों को आवश्यक निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण की कार्यवाही की जाए।

## सहकारी समिति पर यूरिया वितरण की सूचना पर जुटे किसान

यूरिया के लिए जुटे सैकड़ों महिला व पुरुष किसान। अमृत विचार

**गौरा चौकी, अमृत विचारः** विकासखंड बभनजोत क्षेत्र में यूरिया खाद की कमी से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को साधन सहकारी समिति लिमिटेड अल्लीपुर में यूरिया खाद उपलब्ध होने की सूचना मिलते ही क्षेत्र के सैकड़ों किसान वहां पहुंच गए। सुबह से ही किसानों की भीड़ जमा होने लगी। महिला किसान भी बड़ी संख्या में समिति पर पहुंची। पुलिस ने किसानों को व्यवस्थित रूप से लाइन में खड़े होने की अपील की।

## सात कंपनियों ने 106 को दिया रोजगार

**रुपईडीह :** कस्बा आर्यनगर स्थित पार्वती देवी इंटर कॉलेज में सम्पन्न हुए रोजगार मेला में सात कंपनियों ने 106 युवाओं का चयन किया है। प्रशिक्षण एवं सेवायोजन विभाग के तत्वावधान में पार्वती देवी इंटर कॉलेज में आयोजित मेला का उद्घाटन सपा नेता सूरज सिंह ने मां सरस्वती के प्रतिमा पर माल्यार्पण करके किया। उपस्थित लोगों को सम्बोधित करते हुए कहा कि रोजगार के माध्यम से व्यक्ति अपने जीवन, घर, परिवार को बदल सकता है। युवाओं के विकास से ही देश का विकास होगा। सहायक सेवा योजन अधिकारी डॉ गुलाम चंद मौर्य ने कहा कि चालू वित्तीय सत्र में अब तक नौ रोजगार मेला आयोजित किया जा चुका है। जिससे 900 युवाओं का चयन किया किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि आगामी 31 मार्च तक कुल 49 मेला के माध्यम से सात हजार एक सौ 25 युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराये जाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

## गोंडा डायरी

छात्र को पुरस्कृत करते आयुक्त। अमृत विचार

### सोच बनाकर खोज की प्रवृत्ति रखें छात्र : आयुक्त

**गोंडा :** अवार्ड मानक योजनांतर्गत जनपद स्तरीय प्रदर्शनी एवं प्रोजेक्ट प्रतियोगिता का आयोजन जीजीआइसी में सोमवार को किया गया। प्रतियोगिता में सत्र 2023-24 व 2024-25 के जनपद एवं बहराइच के कक्षा 6 से 10 तक के छात्र/छात्राओं ने प्रतिभाग किया। शैक्षिक सत्र 2023-24 के 16 छात्रों एवं सत्र 2024-25 के 50 छात्रों ने प्रतिभाग किया। सत्र 2023-24 के अंतिम परिणाम स्वरूप समर्थ त्रिपाठी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज माधवपुरम बहराइच तथा श्रेयांशी महाराजा देवी बख्श सिंह इंटर कॉलेज गोंडा राज्य स्तर के लिए चयनित हुए। वहीं सत्र 2024-25 के लिए कुल पांच छात्र-छात्राओं को राज्य स्तर के लिए चयन किया गया। इसमें बहराइच के प्रशांत कुमार तिवारी एवं अंकुश चौहान एवं गोंडा के रमेश कुमार, विद्या शुक्ला व सोनिया को चयनित किया गया।

कारागार के निरीक्षण के दौरान अपर जिला जज दानिश हसनैन।

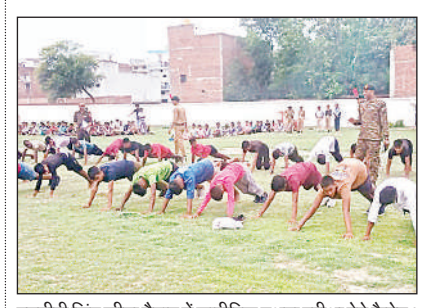

एमडीबी सिंह क्रीड़ा मैदान में शारीरिक दक्षता परीक्षा देते कैडेट।

### सिद्धदोष बंदियों की अविलंब दाखिल करें अपील : दानिश हसनैन

**गोंडा।** अपर जिला जज व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव दानिश हसनैन ने सोमवार को मंडलीय कारागार गोंडा का निरीक्षण किया। उन्होंने विचाराधीन बंदियों की रिहाई के लिए राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी की समीक्षा की। उन्होंने जेल प्रशासन व डिफेंस काउंसिल सिस्टम के अधिवक्ताओं को सभी बैरकों में भ्रमण कर अंडर ट्रायल रिव्यू कमेटी में बंदियों को चिन्हित करने व चिन्हित करने के बाद चिन्हित किए गए बंदियों की रिहाई के लिए व ऐसे सिद्ध दोष बंदी जिनकी अपील दाखिल नहीं है उनकी अपील दाखिल करने के लिए प्रभावी पैरवी करने का निर्देश दिया।

### 96 कैडेटों की हुई भर्ती

**बेलसर :** महाराजा देवी बख्श इंटर कॉलेज में एमडीबी सिंह बेलसर और सुभाष इंटर कॉलेज उमरी बेगमगंज की 48 बटालियन जेडी एवं जेडब्ल्यू की भर्ती प्रक्रिया 48 बटालियन गोंडा के कमान अधिकारी कर्नल सुनील कपूर के नेतृत्व में संपन्न हुई। भर्ती प्रक्रिया में उक्त दोनों विद्यालय के 164 अभ्यर्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसमें से शारीरिक दक्षता में कुल 62 जेडी और 34 जेडब्ल्यू अभ्यर्थी सफल हुए। शारीरिक दक्षता परीक्षा तत्पश्चात लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं एन सी सी प्रभारी ले .आनन्द कुमार पांडेय ने कहा कि छात्र जीवन में एनसीसी का बहुत महत्व है।

कांग्रेस भवन में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक करते पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन। अमृत विचार

### दायित्व का निर्वहन न करने वाले पदाधिकारी पद से हटेंगे : नसीमुद्दीन

**गोंडा :** सोमवार को कांग्रेस भवन में पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी व पूर्व विधायक मीता गौतम ने जिला कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और ब्लॉक अध्यक्षों के साथ बैठक की। पूर्व मंत्री ने कहा कि संगठन अभियान में किसी भी प्रकार की शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जो पदाधिकारी काम नहीं कर पा रहे हैं, उनके स्थान पर दूसरे पदाधिकारी को नियुक्त किया जाय। उन्होंने मीडिया प्रभारी शिवकुमार दुबे से मीडिया प्रबंधन के बारे में जानकारी ली। इससे पहले पूर्व मंत्री के कांग्रेस भवन में पहुंचने पर कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्ष व पूर्व विधायक राम प्रताप सिंह व शहर अध्यक्ष शाहिद अली कुरैशी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष प्रमोद मिश्रा, एआईसीसी सदस्य अरशद लोदी, प्रद्युम्न शुक्ला आदि मौजूद रहे।

**मिली राहत** | उमस भरी गर्मी और सूखती फसलों से चिंतित किसानों के चेहरे खिले

# सावन की रिमझिम फुहारों से भीगी धरती

संवाददाता, गोंडा

**अमृत विचार।** सावन के अंतिम पड़ाव में आसमान से उतरती रिमझिम बूंदों ने गर्मी से तपती धरती को राहत पहुंचाई है। कई दिनों से उमस भरी गर्मी और सूखती फसलों से चिंतित किसानों के चेहरे अब मुस्कान से भीगने लगे हैं। सुबह से ही बादलों ने हलकी बारिश के रूप अपनी रहमत दिखाई और ठंडी हवा ने मौसम को खुशनुमा बना दिया था। दोपहर होते-होते हल्की रिमझिम ने पूरे इलाके को नम कर दिया। लंबे इंतज़ार के बाद आई इस बारिश ने सिर्फ़ मौसम ही नहीं, उम्मीदों को भी ताज़ा कर दिया। अब तक खरीफ की फसलें, विशेषकर धान और मक्का, पानी की कमी से जूझ रही थीं। मगर इस बारिश ने खेतों को संजीवनी दे दी है। किसान अब बुआई और रोपाई के काम में फिर से जुट गए हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक हल्की से मध्यम बारिश का सिलसिला जारी रह सकता है, जिससे खेतों को और भी फायदा पहुंचेगा।

बारिश से लहलहाते धान के खेत। अमृत विचार

### फिर बढ़ने लगा घाघरा का जलस्तर

**करनैलगंज :** घाघरा नदी का जलस्तर और डिस्चार्ज अब बढ़ने लगा है, हालांकि यह बढ़त बरसात के पानी की मानी जा रही है। अब बेसब्री से बाढ़ का इंतजार शुरू हो गया है। एक तरफ बाढ़ से बांध को बचाने की कवायद को लेकर स्परों का निर्माण व बांध को पत्थर से पिचिंग का काम पूरा हो चुका है। बाढ़ खंड के सहायक अभियंता पंकज आर्य का कहना है कि बांध पर सुरक्षा टीम मुस्तैद है। बांध की निगरानी की जा रही है। किसी प्रकार को कोई बाधा या खतरा नहीं है।

अमृत विचार

अयोध्या, मंगलवार, 29 जुलाई 2025



## न्यूज ब्रीफ

### घर में घुसने की कोशिश में पकड़ा गया युवक

**फखरपुर, बहराइच, अमृत विचार :** सराय काजी गांव निवासी एक युवक दूसरे घर में घुसने की कोशिश कर रहा था तब तक लोग जग गए और शोर मचाने पर गांव के लोग भी एकत्र हो गए। ग्रामीणों ने युवक को बांध दिया और पिटाई की। घटना शनिवार रात करीब 3:00 बजे की है। सराय काजी गांव निवासी आरिफ दूसरे व्यक्ति के घर में घुसने की कोशिश कर रहा था। घटना का वीडियो किसी ने सोशल मीडिया पर रविवार की शाम वायरल कर दिया। प्रभारी निरीक्षक मिथिलेश राय का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। दोनों पक्षों में किसी ने तहरीर नहीं दी है।

### छात्रा बरामद, भगा ले जाने वाला युवक बंदी

**जरवल रोड, बहराइच, अमृत विचार :** क्षेत्र के एक गांव की कक्षा 11 की एक छात्रा बीते अप्रैल में सोशल मीडिया के माध्यम से राजस्थान के एक युवक के संपर्क में आई। तीन माह पूर्व युवक लड़की को अपने साथ अहमदाबाद ले गया। वहां मंदिर में दोनों ने शादी कर ली। पुलिस ने लोकेशन ट्रेस की और दोनों को बरामद कर लिया। उप निरीक्षक रंजीत भारती ने बताया कि गिरफ्तार युवक की पहचान ललित कुमार निवासी ग्राम मंदार, जिला सिरोही (राजस्थान) के रूप में हुई है।

### सीएचसी में उम्मीद परामर्श केंद्र खुला

**कैसरगंज,बहराइच, अमृत विचार :** स्थानीय सीएचसी में परिवार नियोजन पर केंद्रित उम्मीद परामर्श केंद्र का उद्घाटन सीएचसी अधीक्षक डॉ. एनके सिंह ने फीता काटकर किया।इस केंद्र का उद्देश्य स्थानीय समुदाय को परिवार नियोजन के साधनों की नि:शुल्क परामर्श सेवा उपलब्ध कराना है। इस मौके पर राम प्रताप, बीपीएम आदित्य गुप्ता, धर्मेन्द श्रीवास्तव व अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

# बागेश्वरनाथ मंदिर पर उमड़ा भक्तों का रेला

## सावन के तीसरे सोमवार को जिले के अन्य शिवालयों पर भी जलाभिषेक को श्रद्धालुओं का लगा रहा तांता

**आस्था**

**संवाददात, पयागपुर, बहराइच**

**अमृत विचार :** पयागपुर के हुजूरपुर-पयागपुर राजमार्ग स्थित बाबा बागेश्वर नाथ मंदिर पर सावन के तीसरे सोमवार जलाभिषेक के लिए भोर से ही श्रद्धालुओं की कतार लग गयी थी। इसके अलावा जिले के अन्य शिव मंदिरों में भी सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की भीड़ जुट गयी थी।

6 कांवरिये अयोध्या से सरयू का जल लेकर पैदल बागेश्वरनाथ जलाभिषेक को पहुंचे। सबसे अधिक भक्तों की भीड़ बागेश्वरनाथनाथ मंदिर में रही। इसके अलावा सोहरियावां स्थित झारखंडेश्वर महादेव और अमदापुर गांव स्थित सोमनाथ मंदिर, पंचायती मंदिर भूपगंज बाजार, दुखहरण नाथ मंदिरों पर भी भीड़ रही।

बाबा बागेश्वर नाथ का जलाभिषेक करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

### दो स्थानों पर आयोजित किया गया भंडारा

**जरवलरोड, बहराइच, अमृत विचार :** कांवड़ियों की सेवा में रविवार अपरान्ह से श्री बलभद्र ऑटो सेल्स द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। घाघरा घाट स्टेशन पर तपेसिपाह के प्रधान उमेश गुप्ता जंगी ने भंडारे का आयोजन किया। इस कार्य में आयोजक कृष्ण कुमार गुप्ता,मोहित पोरवाल प्रो. हीरो ऐजेंसी जरवलरोड, अविरल पोरवाल एवं मित्रों का सहयोग रहा। भंडारे का शुभारंभ भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं लोकतंत्र सेनानी प्रमोद कुमार गुप्ता ने किया। घाघरा घाट रेलवे स्टेशन केसामने ग्राम प्रधान तपेसिपाह उमेश चंद्र गुप्ता जंगी ने भी भंडारे का आयोजन किया।

कांवड़ पदयात्रा में शामिल श्रद्धालु। ● अमृत विचार

### हजारों श्रद्धालु लोधेश्वर महादेव रवाना

**कैसरगंज, बहराइच, अमृत विचार :** इस वर्ष भी श्रावण मास पर कांवड़ पदयात्रा का आयोजन किया गया। श्रद्धालु सरयू नदी के पैना घाट से जल भरकर लोधेश्वर महादेव कांवड़ लेकर रवाना हुए। सीओ रवि खोखर, प्रभारी निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार शर्मा, चौकी प्रभारी गंडारा नितिन उपाध्याय व पुलिस दल ने श्रद्धालुओं पर पुष्पवर्षा की। इस मौके पर संघ के संरक्षक नीरज श्रीवास्तव एडवोकेट, अध्यक्ष भारतराम निषाद, उपाध्यक्ष विजय पांडे, रवि राजपूत, चंकी पांडे, सतीश शर्मा, थानेदार शर्मा, सुनील निषाद, मनोज पांडे, सुशील, अजय पांडे, प्रदीप पांडे, राम नगीना, सहज राम, धीरज, गौरव आदि मौजूद रहे।

# सात निशानेबाजों ने क्वालीफाई की प्री स्टेट शूटिंग प्रतियोगिता

● **विधायक महसी ने जीता एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल**

**बहराइच, अमृत विचार :** विधायक महसी सुरेश्वर सिंह ने निशानेबाजी में एक गोल्ड और एक सिल्वर मेडल जीता। उनके पुत्र ने 12बोर प्री स्टेट निशानेबाजी प्रतियोगिता क्वालीफाई की है। सात निशानेबाजों ने जिले का नाम रोशन किया है।

दिल्ली के डा.करनी सिंह शूटिंग रेंज में 23 से 28 जुलाई तक आयोजित 28 वीं प्री यूपी स्टेट शूटिंग चैंपियनशिप में विधायक महसी सुरेश्वर सिंह समेत जिले के 7 खिलाड़ियों ने प्री स्टेट क्वालीफाई किया। महसी से भाजपा विधायक राजनीति के साथ खेल जगत में भी अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए आजादी के बाद शूटिंग में गोल्ड व सिल्वर दो मेडल जीतने वाले पहले विधायक बनने का गौरव हासिल किया है। उन्होंने 50मीटर प्रोन.22 राइफल सीनियर मास्टर कैटेगरी में गोल्ड मेडल व सामान्य ग्रुप में सिल्वर मेडल समेत दो मेडल एक साथ जीतकर कीर्तिमान स्थापित किया है। उनके ग्रुप में जिले के खिलाड़ी गगनदीप सिंह एवं मनमोहन सिंह शामिल थे। इसी तरह खिलाड़ी भूपेंद्र प्रताप सिंह को 50 मीटर राइफल में गोल्ड मिला। 12बोर ट्रैप शूटिंग में अखंड प्रताप सिंह ने प्रदेश में 10वां स्थान हासिल किया। भाजयुमो के जिला संयोजक अरुणेन्द्र प्रताप सिंह व गुनदीप सिंह ने भी क्वालीफाई कर लिया है। साई के कोच अनिल कुमार पाल में मार्गदर्शन में विधायक समेत 6 खिलाड़ी व कोच नरेंद्र सक्सेना के मार्गदर्शन में विधायक के पुत्र अखंड प्रताप सिंह ने 12 बोर ट्रैप शूटिंग में उपलब्धि हासिल की है।

## अवैध कटान के आरोप में दो गिरफ्तार

**बाबागंज, बहराइच, अमृत विचार :** बहराइच वन प्रभाग के आरक्षित क्षेत्र में अवैध रूप से यूकेलिप्टस के पेड़ काटने के मामले में वन विभाग की टीम ने दो लोगों को गिरफ्तार कर ट्रैक्टर-ट्राली बरामद की है।

क्षेत्रीय वन अधिकारी अतुल श्रीवास्तव ने बताया कि करीम गांव निवासी रक्षाराम और बलचनपुर निवासी शमीम को पेड़ों की अवैध कटाई कर बिक्री के प्रयास के दौरान रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। दोनों को न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

# वोटर लिस्ट रिवीजन प्रक्रिया सवालों के घेरे में

● **सांसद चंद्रशेखर ने प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में लिया भाग**

**संवाददाता, बहराइच**

**अमृत विचार :** आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष सांसद चंद्रशेखर ने यहां आयोजित में प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन में सहभागिता की। उन्होंने चुनाव आयोग द्वारा बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन पर सवाल उठाये।

सांसद ने कहा कि भाजपा की प्रदेश और केंद्र की सरकार गरीबों के हित के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठा पाई है। बेरोजगारी बढ़ी है, युवा रोजगार की तलाश में भटक रहा है। गर्मी में अघोषित बिजली कटौती की जा रही है। चुनाव आयोग की ओर से बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन के मुद्दे पर कहा कि वह इसका विरोध करते हैं।

मंचासीन सांसद चंद्रशेखर।

## तेंदुए के हमले में किशोरी घायल

**मिहींपुरवा, बहराइच, अमृत विचार :** मुर्तिहा कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत गौरा पिपरा सेमराहना की एक किशोरी पर तेंदुआ ने हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गयी। परिजनों के शोर मचाने पर तेंदुआ बालिका को छोड़कर भाग गया। बालिका को सीएचसी मोतीपुर में भर्ती कराया गया है।

ककरहा रेंज अंतर्गत सेमरहना गांव निवासी रामभुवन की पुत्री संजना (14) घर के बाहर बैठी थी। घर के सामने स्थित जंगल से निकलकर तेंदुआ ने उस पर हमला कर दिया। परिजनों और ग्रामीणों ने शोर मचाया इस पर तेंदुआ भाग गया।

# संदिग्ध दशा में आग से झुलसी विवाहिता, मौत

**संवाददाता, बहराइच**

**अमृत विचार :** रिसिया क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में आग से झुलसने के बाद मौत हो गई। घटना रविवार को हुई जब मंजू देवी (32) घर में खाना बना रही थी।

घटना ग्राम भैसाही की है। मंजू देवी को गंभीर रूप से झुलसने के बाद पहले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रिसिया ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर किया गया। जिला अस्पताल पहुंचते ही उसकी मौत हो गई। पति अनिल कुमार का कहना है कि रसोई में गैस लीक हो रही थी और जैसे ही मंजू ने माचिस जलाई वह आग की चपेट में आ गईं। मंजू के पिता ने इस घटना को संदिग्ध बताते हुए पति और ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है।

थाना प्रभारी मदनलाल ने बताया कि मामला संदिग्ध प्रतीत होता है। पति और अन्य के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

## नेपाल ले जाई जा रही 15 बोरी खाद बरामद

**बहराइच, अमृत विचार :** 59वीं वाहिनी एसएसबी नानपारा के एएसआई कमल शाह के नेतृत्व में घुमानभारू गश्ती दल ने सोमवार को सीमा स्तंभ संख्या 676 के निकट से नेपाल ले जायी जा रही 17 बोरी खाद बरामद की।

टीम ने तीन साइकिल सवारों को नेपाल की ओर सामान ले जाते देखा। तीनों लोग गश्ती दल को देखकर साइकिल और सामान छोड़कर नेपाल की ओर भाग निकले। मौके से गश्ती दल ने 17 बोरी खाद और तीन साइकिल बरामद की एवं सामान को जब्त कर लिया।

# प्रकृति संरक्षण के ब्रांड एंबेसडर बन सकते हैं छात्र

**संवाददाता, बहराइच**

**अमृत विचार :** विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर किसान स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सेंटर फॉर हिस्टॉरिकल स्टडीज द्वारा एक परिचर्चा का आयोजन किया गया। परिचर्चा के संयोजक सेंटर के प्रभारी डॉ.सत्यभूषण सिंह थे।

इस परिचर्चा में शामिल सभी शिक्षकों ने एक मत होकर यह राय प्रकट की कि महाविद्यालय में शिक्षा ग्रहण कर रहे लगभग 13 हजार छात्र-छात्राएं प्रकृति संरक्षण के ब्रांड एंबेसडर बन सकते हैं। जरूरत इस बात की है कि उन्हें पर्यावरण की सुरक्षा के लिए प्रेरित किया जाए। वर्तमान समय में प्रकृति के सामने वनों की अंधाधुंध कटाई,प्रदूषण से दम तोड़ती नदियां,प्लास्टिक के ढेर, ग्लोबल वार्मिंग, जैव विविधता से हानि जैसी चुनौतियां पर चिंता व्यक्त की गई। इस अवसर पर बीएड विभाग के असि. प्रो. डॉ. प्रमोद कुमार, भूगोल विभाग के अ. प्रो. डॉ शिवेंद्र प्रताप सिंह, वनस्पतिशास्त्र विभाग के वरिष्ठ अ. प्रो. डॉ आनंद श्रीवास्तव,वाणिज्य विभाग के डीन डॉ.राजेश कुमार शर्मा, प्राणिशास्त्र विभाग की असि. प्रो. डॉ. सुधा शुक्ला व शालिनी सिंह, प्राचीन इतिहास विभाग के अ. प्रो.बैजनाथ प्रसाद श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

## नेपालगंज रोड स्टेशन का नाम रुपईडीहा किया जाए

**बाबागंज, बहराइच, अमृत विचार :** रुपईडीहा की भौगोलिक, प्रशासनिक और आर्थिक महत्ता को देखते हुए यहां स्थित नेपालगंज रोड रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर रुपईडीहा किए जाने की मांग ने जोर पकड़ लिया है। इस संबंध में नगर पंचायत अध्यक्ष डॉ. उमा शंकर वैश्य ने रेल मंत्री को एक पत्र प्रेषित किया है। पत्र में अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि नेपालगंज रोड नाम ब्रिटिश शासनकाल में दिया गया था। आज यह क्षेत्र न केवल एक प्रमुख सीमा नगर है, बल्कि बहराइच के व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित हो चुका है। रुपईडीहा नगर पंचायत की स्थापना के बाद यहां प्रशासनिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

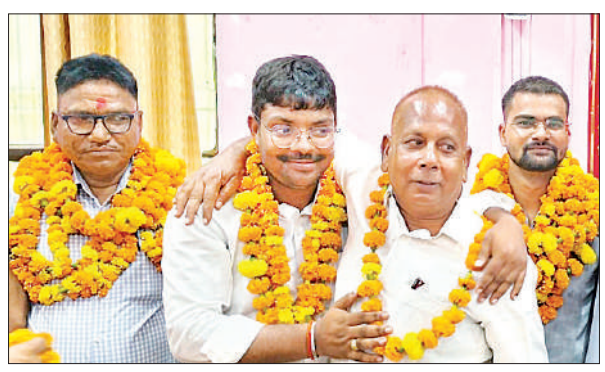

चयनित पदाधिकारियों का फूलमालाओं के साथ हुआ स्वागत। ● अमृत विचार

### राजस्व संग्रह अमीन संघ की कार्यकारिणी गठित

**नानपारा, बहराइच, अमृत विचार :** तहसील सदर में 27 जुलाई को राजस्व संग्रह अमीन संघ की बैठक हुई, जिसमें सर्वसम्मति से संघ की नई जिला कार्यकारिणी का निर्वाचन किया गया। नवगठित कार्यकारिणी में विजय शंकर वर्मा को अध्यक्ष चुना गया, जबकि उपाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी कन्हैया लाल श्रीवास्तव को सौंपी गई। आदित्य प्रताप सिंह को मंत्री और केशव राम कोषाध्यक्ष बनाए गए। रघुवंश प्रताप सिंह को उप मंत्री तथा ओमप्रकाश मिश्रा को संगठन मंत्री की जिम्मेदारी दी गई। इसके अतिरिक्त, ऑडिटर के रूप में तारकेश्वर नाथ शुक्ला और ऑडिटर सेकंड के रूप में वर्तिका श्रीवास्तव का चयन किया गया।

# मानकविहीन अस्पतालों की भरमार

● **नानपारा के नागरिकों ने प्रशासन से कार्रवाई की मांग**

**संवाददाता, नानपारा, बहराइच**

**अमृत विचार :** तहसील नानपारा के नगर क्षेत्र में कई हॉस्पिटल, क्लीनिक और एक्सरे सेंटर बिना किसी मानक व पंजीकरण के खुलेआम संचालित हो रहे हैं। ये संस्थान बिना किसी लाइसेंस और योग्य स्टाफ के लोगों का इलाज कर रहे हैं, जिससे मरीजों की जान को खतरा बना हुआ है। लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि बिना लाइसेंस के संचालित अस्पतालों पर कार्रवाई की जाए।

हैरानी की बात यह है कि इन अवैध संस्थानों में यूनानी चिकित्सा पद्धति से प्रशिक्षित डॉक्टर एलोपैथिक दवाएं लिख और बेच रहे हैं, जो न केवल मेडिकल काउंसिल के नियमों का उल्लंघन है बल्कि पूरी तरह गैरकानूनी भी है।

नगर के तोपखाना मोहल्ले में दो ऐसे पॉलीक्लीनिक संचालित हो रहे हैं जिनका न पंजीकरण है, न ही प्रशिक्षित स्टाफ, फिर भी एलोपैथिक पद्धति से मरीजों का उपचार किया जा रहा है।

इसी तरह चीनी मिल के पास स्थित एक हॉस्पिटल में भी मानकों को ताक पर रखकर इलाज किया जा रहा है। यहां तक कि इमामगंज चौराहे पर संचालित एक क्लीनिक एवं एक्सरे सेंटर भी बिना किसी रजिस्ट्रेशन और प्रमाणित टेक्नीशियन के एक्सरे जैसी संवेदनशील प्रक्रिया को अंजाम दे रहा है।

जब इस मामले में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नानपारा के प्रभारी डॉ. चंद्रभान राम से बात की गई तो उन्होंने बताया कि उन्हें इस बारे में जानकारी नहीं है, यदि मामला संज्ञान में आएगा तो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि प्रशासन को ऐसे अवैध क्लीनिकों और अस्पतालों पर छापा डालकर कार्यवाही करनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कदम उठाए जाएं।

अगर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो यह मरीजों की जान के लिए खतरा बना रह सकता है।

# निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान जच्चा-बच्चा की मौत

**संवाददाता, पचपेड़वा, बलरामपुर**

**अमृत विचार :** सीएचसी से रेफर होने के बाद एक अवैध निजी अस्पताल में प्रसव के दौरान महिला और नवजात की मौत हो गई। परिजनों की तहरीर पर पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। आरोप है कि बिना पंजीकरण और सुविधा के संचालित हो रहे मिशा हेल्थ केयर सेंटर में ऑपरेशन के नाम पर 35 हजार रुपये लिए गए, लेकिन लापरवाही से दो जानें चली गईं।

महिला के भाई फकरे आलम ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि उसकी बहन रहीमुन्निशा (32 वर्ष) पत्नी अब्दुल वदूद को रविवार को प्रसव पीड़ा हुई। परिजन उसे सीएचसी ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे रेफर कर दिया। आरोप है कि साथ में गई आशा मरियम ने महिला को पास के ही मिशा हेल्थ केयर सेंटर में भर्ती करा दिया, जो अवैध रूप से संचालित बताया जा रहा है। संचालक ने एक बाहरी डॉक्टर को बुलाकर ऑपरेशन कराया और 35 हजार रुपये की मांग की। परिजनों का कहना है कि ऑपरेशन शुरू होते ही नवजात को मृत अवस्था में बाहर निकाला गया और कुछ ही देर बाद रहीमुननिशा की भी मौत हो गई। इससे घबराए मिशा हेल्थ केयर सेंटर के संचालक और स्टाफ मौके से फरार हो गए। प्रभारी निरीक्षक ओम प्रकाश चौहान ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है, और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। परिजनों ने दोषियों पर सख्त कार्रवाई और अवैध अस्पताल पर कठोर कदम उठाने की मांग की हैं।

## स्वास्थ्य विभाग ने 3 निजी अस्पताल किये सील

**संवाददाता, पचपेड़वा, बलरामपुर**

**अमृत विचार :** अवैध निजी अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत के बाद हरकत में आए स्वास्थ्य विभाग ने सोमवार को अभियान चलाकर तीन निजी अस्पतालों को सील कर दिया। एसीएमओ डॉ. सुशील कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में जैसे ही टीम कस्बे में पहुंची, अधिकांश अस्पतालों में भगदड़ मच गई। कई संचालक ताला लगाकर भाग खड़े हुए।

फातिमा पाली क्लीनिक को अवैध रूप से एलोपैथिक इलाज करते पाया गया। क्लीनिक का पंजीकरण यूनानी पद्धति का है, जबकि भारी मात्रा में एलोपैथिक दवाएं बरामद की गईं। चूंकि भवन में संचालक का परिवार रहता है, इसलिए एक सप्ताह की मोहलत दी गई है।

इसी कड़ी में आयशा पॉली क्लिनिक को भी बिना एलोपैथिक पंजीकरण के चलते सीज कर दिया गया। वहां भर्ती मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शिफ्ट किया गया। पूर्वांचल हेल्थ सेंटर पर भी ताला जड़ दिया गया है। टीम ने विमला विक्रम अस्पताल का निरीक्षण भी किया। वहां पाई गई खामियों की रिपोर्ट तैयार कर उच्चाधिकारियों को भेजी जा रही है।

डॉ. श्रीवास्तव ने कहा कि पंजीकरण रहित और नियमविहीन अस्पतालों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा। अवैध रूप से मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ करने वालों को किसी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा।

## करंट लगने से विवाहिता की मौत

**श्रीदत्तगंज, बलरामपुर अमृत विचार :** रुखी मझारी गांव में सोमवार सुबह स्टैंड फैन में करंट उतरने से 22 वर्षीया प्रीति वर्मा पत्नी धर्मेंद्र वर्मा की मौत हो गई। हादसे के वक्त वह घर में अकेली थीं और मिट्टी की लिपाई कर रही थी। पंखे की दिशा बदलते समय उसे करंट लगा और मौके पर ही दम तोड़ दिया।

घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। महिला का एक वर्षीय बेटा मां को तलाशता रहा। पति धर्मेंद्र वर्मा हाल ही में कोलकाता से गांव लौटे थे। थाना श्रीदत्तगंज पुलिस का कहना है कि अभी तक घटना की सूचना नहीं मिली है।

# जागरूकता से ही हेपेटाइटिस से बचाव संभव : सीएमओ

**बलरामपुर, अमृत विचार :** विश्व हेपेटाइटिस दिवस पर सोमवार को सीएमओ कार्यालय सभागार में जागरूकता गोष्ठी का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने की।

डॉ. रस्तोगी ने कहा कि हर वर्ष 28 जुलाई को 'वर्ल्ड हेपेटाइटिस डे' मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य लीवर से जुड़ी बीमारियों विशेषकर हेपेटाइटिस के प्रति आमजन में जागरूकता फैलाना है। सीएमओ ने कहा कि हेपेटाइटिस से बचाव के लिए जरूरी है कि लोग इसके लक्षणों को समझें, समय पर जांच कराएं और टीकाकरण कराएं। उन्होंने कहा कि जागरूकता ही इसका सबसे बड़ा बचाव है और यदि शुरुआती चरण में बीमारी की पहचान हो जाए तो इसका इलाज संभव है।गोष्ठी में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मीनाक्षी चौधरी, डॉ. अनिल कुमार चौधरी, डीपीएम शिवेंद्र मणि त्रिपाठी, जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, डीएमओ राजेश पांडेय, डॉ. ऋषि श्रीवास्तव, डॉ. अनामिका सिंह, आलोक रंजन पांडेय, सिद्धार्थ गुप्ता, डॉ. श्याम जी श्रीवास्तव, विदेह पांडेय सहित स्वास्थ्य विभाग के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

**आस्था** भोर से ही उमड़ी शिवभक्तों की भीड़, प्रमुख शिवालयों में हुआ रुद्राभिषेक

# सावन के तीसरे सोमवार पर बलरामपुर शिवमय

**संवाददाता, बलरामपुर**

**अमृत विचार :** सावन के तीसरे सोमवार को बलरामपुर शिवमय हो उठा। जिले के शिवालयों में श्रद्धा और आस्था की अनूठी छटा देखने को मिली। भोर से ही शिवभक्त जलकलश, बेलपत्र, भांग, धतूरा और पुष्पों के साथ मंदिरों की ओर निकल पड़े। हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों से नगर व ग्रामीण क्षेत्रों का माहौल भक्तिमय हो उठा।

जिले के प्रमुख शिवालयों में बलरामपुर नगर का प्राचीन झारखंडी महादेव मंदिर, राजापुर भरिया जंगल स्थित कल्पेश्वर नाथ मंदिर, तुलसीपुर देवीपाटन शक्तिपीठ स्थित शिव मंदिर, उतरौला दुखहरण नाथ मंदिर, पचपेड़वा का शिवगढ धाम,शिवालय, गैसड़ी का नागेश्वरनाथ मंदिर, रेहरा बाजार का चंद्रेश्वरनाथ मंदिर, श्रीदत्तगंज का शिवधाम, ललिया का शिवशक्ति धाम, सादुल्लाहनगर का रुद्रेश्वर महादेव मंदिर, हरैया सतघरवा का शिव मंदिर, सिरसिया का शंकर मंदिर, महाराजगंज तराई का गौरीशंकर धाम, शिव मंदिर, तुलसीपुर देहात के शिवालय तथा नरायनपुर स्थित प्राचीन शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।

श्रद्धालु जलाभिषेक के लिए सुबह चार बजे से ही कतारबद्ध हो गए थे। कई स्थानों पर कांवड़ यात्राएं निकाली गईं, जिनमें सैकड़ों की संख्या में कांवड़िए भगवा वस्त्रों में सजे, भोलेनाथ का जयघोष करते हुए पहुंचे।

झारखंडी महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते श्रद्धालु।

## रिश्तेदार ने किशोरी को किया गर्भवती

**बलरामपुर, अमृत विचार :** देहात कोतवाली क्षेत्र के गांव में दूर के रिश्तेदार ने 16 वर्षीया किशोरी को बहला फुसलाकर गर्भवती कर दिया। परिजन पेट दर्द होने पर किशोरी को अस्पताल ले गए तो उसने एक बच्चे को जन्म दिया। किशोरी ने डर की वजह से आरोपी का नाम नहीं बताया। पिता ने मुकदमा दर्ज कराया तो पुलिस ने छानबीन शुरू की। छानबीन के दौरान पुलिस ने किशोरी के दूर के रिश्तेदार गुल्ले उर्फ कमलेश को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने किशोरी से संबंध बनाने की बात पूछताछ में स्वीकार की है। पुलिस में आरोपी को जेल भेज दिया है।

# कॉलेज गेट पर छात्राओं का धरना

● **कॉलेज के गेट पर सेल्फी प्वाइंट बनवाने पर भड़कीं छात्राएं**

**संवाददाता, उतरौला बलरामपुर**

**अमृत विचार :** राजकीय बालिका इंटर कॉलेज के मुख्य गेट से सटे स्थान पर पालिका द्वारा बनाए जा रहे सेल्फी प्वाइंट को लेकर सोमवार को छात्राएं भड़क उठीं। छात्राओं ने प्रधानाचार्य और शिक्षिकाओं संग मुख्य द्वार पर धरना दिया। छात्राओं ने साफ कहा कि यह निर्माण न तो व्यावहारिक है और न ही सुरक्षित।

प्रदर्शन कर रही छात्राओं का कहना था कि जिस स्थान पर सेल्फी प्वाइंट बनाया जा रहा है, वह स्कूटी स्टैंड के एकदम करीब है। यहां पहले से ही काफी भीड़भाड़ रहती है। ऐसे में सेल्फी प्वाइंट बनने से बाहरी लोगों का जमावड़ा लगना तय है, जो छात्राओं की निजता और सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। विद्यालय प्रशासन और छात्राओं ने बताया कि इस मुद्दे को लेकर पूर्व में जिलाधिकारी, एसडीएम और डीआईओएस को ज्ञापन भी सौंपा गया था, जिसके बाद निर्माण कार्य को तत्काल प्रभाव से रोक दिया गया था। लेकिन रविवार को पालिका ने निर्माण कार्य दोबारा शुरू करा दिया। छात्राओं और शिक्षिकाओं की मांग है कि छात्राओं की सुरक्षा के मद्देनजर इस अविवेकपूर्ण निर्माण कार्य को तत्काल रद किया जाए।

कॉलेज गेट पर सेल्फी प्वाइंट बनाने के विरोध में धरना देतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

## न्यूज ब्रीफ

### सिद्धार्थ विवि के बीबीए में प्रवेश प्रक्रिया शुरू

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के बीबीए विभाग में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। सोमवार को जनरल कैटेगरी के छात्रों को बुलाया गया। मंगलवार को पिछड़ी वर्ग के छात्रों का प्रवेश किया जायेगा। बीबीए विभाग में सीट की अपेक्षा सर्वाधिक आवेदन पंजीकृत हुए हैं। लगभग 130 छात्रों ने इस कोर्स के लिए पंजीकरण कराया है। इस बार अभ्यर्थियों के नामांकन इंटरमीडिएट अंक के मेरिट से किया जाएगा। जिनका सत्यापन शुरू किया गया है। छात्र अपने समस्त प्रपत्रों के साथ कॉमर्स फैकल्टी में दस बजे से पहुंचकर सत्यापन करवा सकते है। प्रवेश एक व दो तारीख तक किये जाएंगे। यह जानकारी विभागाध्यक्ष डॉ. अखिलेश दीक्षित ने दी है।

### निर्माणाधीन स्टेडियम का लिया जायजा

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** डीएम डा. राजा गणपति आर. द्वारा ग्राम पंचायत सिसवा ग्रांट विकासखंड नौगढ़ के निर्माणाधीन स्टेडियम का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कार्य की धीमी गति पर नाराजगी व्यक्त की गयी। डीएम ने निर्देश दिया कि समस्त कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से दस तक पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

### डीएम ने किया मनरेगा पार्क का निरीक्षण

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** जिलाधिकारी डा. राजा गणपति आर. द्वारा ग्राम पंचायत चोरई द्वितीय, विकासखंड उसका बाजार के मनरेगा पार्क का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गुणवत्तापूर्ण एवं समय से कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया गया। निरीक्षण के दौरान उपरोक्त के अतिरिक्त डीडीओ सतीश सिंह, बीडीओ नौगढ़ सर्वेश मोहन, बीडीओ उसका बाजार व अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इसी क्रम में डीएम ने मनरेगा कन्वर्जेसन से बन रहे अटल बिहारी वाजपेयी पार्क ग्राम पंचायत जगदीशपुर राजा, विकासखंड नौगढ़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीएम ने झूला व खेल सामग्री इत्यादि की गुणवत्ता खराब पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त की।

### सीएमओ कुशीनगर के निधन से शोक

**कुशीनगर, अमृत विचार।** मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अनुपम भास्कर के निधन होने पर डीएम महेंद्र सिंह तंवर की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में शोकसभा हुई। शोक सभा के दौरान दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा के शांति के लिए प्रार्थना की गई। अपर जिलाधिकारी वैभव कुमार मिश्रा, अपर जिलाधिकारी न्यायिक प्रेम कुमार राय, उप जिलाधिकारी कलेक्ट्रेट अनिल कुमार यादव, डीएसओ, स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न अधिकारी गण, राजेश श्रीवास्तव, ब्रजेश श्रीवास्तव, अशोक श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

### किरन-मानवी ने लगाई सबसे अच्छी मेहंदी

**गोरखपुर, अमृत विचार।** ज्योति इंटर कालेज नाहरपुर में नागपंचमी के अवसर पर सोमवार को मेहंदी रचाओ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। हाथों पर मेहंदी के माध्यम से छात्राओं ने बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, राष्ट्रीय एकता व भ्रूण हत्या जैसी विभिन्न पहलुओं पर मेहंदी लगाकर अभिभावकों का मन जीत लिया। सीनियर वर्ग में किरन आर्या तो जूनियर वर्ग में मानवी की लगाई गई मेहंदी ने बाजी मारी। सीनियर वर्ग में कविता को द्वितीय व रजनी को तृतीय स्थान मिला। जूनियर वर्ग में अनुष्का गौड़, श्रेया मिश्रा अंशिका शर्मा को दूसरा व अंशिका को तीसरा स्थान प्राप्त हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य रवि प्रकाश यादव ने विजेता प्रतियोगियों की घोषणा करते हुए कहा कि बच्चों में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के लिए और अपनी संस्कृति को बचाने के लिए ऐसे आयोजनों की विशेष रूप से आवश्यकता होती है।

### 70 स्वयंसेवकों को किया गया प्रशिक्षित

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा पीपुल्स इंटर कॉलेज परिसर डुमरियागंज में आयोजित तीन दिवसीय प्रारंभिक शिक्षा वर्ग शिविर का समापन सोमवार को हुआ। शिविर में लगभग 70 शिक्षार्थियों ने भाग लिया और संघ की गतिविधियों से संबंधित विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण प्राप्त किया। जिला संचालक दिनेश ने बताया कि संघ की शाखाओं के माध्यम से व्यक्तित्व निर्माण का कार्य किया जाता है। शाखाओं में नियमित रूप से स्वयंसेवकों को अनुशासन, देशभक्ति तथा शारीरिक एवं बौद्धिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाता है।

# गैरहाजिर कर्मचारियों का रोका वेतन

## सीएमओ डॉ. राजेश झा ने टीम बनाकर चिकित्सा इकाइयों का किया औचक निरीक्षण

**मांगा स्पष्टीकरण**

संवाददाता, गोरखपुर

**अमृत विचार।** जिला प्रशासन के अधिकारियों के औचक निरीक्षण में अनुपस्थित चिकित्सा अधिकारियों और स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन रोक दिया गया। सभी से स्पष्टीकरण भी मांगा गया है। सभी ब्लॉकों के चिकित्सा विभाग के नोडल अधिकारियों को एक साथ सभी प्रमुख चिकित्सा इकाइयों पर टीम बनाकर औचक निरीक्षण के जरिए उपस्थिति जांचने का निर्देश दिया गया है। निर्धारित समयावधि में जो भी अधिकारी और कर्मचारी अनुपस्थित पाए जाएंगे उनके खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी। सीएमओ ने कहा प्रत्येक चिकित्सा अधिकारी और स्वास्थ्य कर्मचारी को सुबह समय से अस्पताल और दफ्तर पहुंचना है। नियमित निरीक्षण और प्रचार-प्रसार से शहरी क्षेत्रों में ओपीडी बढ़ी है और कई चिकित्सा इकाइयों पर गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिल रही हैं। अधिकारी ने खुद कई शहरी स्वास्थ्य केंद्रों पर मुख्यमंत्री आरोग्य मेले का निरीक्षण किया। उन्हें नथमलपुर शहरी स्वास्थ्य केंद्र पर सपोर्टिंग स्टॉफ अनुपस्थित मिले। केंद्र पर रोगियों की उपलब्धता की स्थिति भी ठीक नहीं मिली। इस संबंध में उन्होंने अनुपस्थित कर्मियों का वेतन रोकते हुए स्पष्टीकरण मांगा है। हुमायूंपुर शहरी स्वास्थ्य केंद्र पर भी कई कर्मचारी नदारद मिले। रोगियों के पैथालॉजिकल जांच की स्थिति भी ठीक नहीं थी। सीएमओ ने छोटे काजीपुर और बेतियाहाता नगरीय स्वास्थ्य केंद्रों का भी निरीक्षण किया। सीएमओ ने सभी नगरीय चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिया है कि मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के दिन किसी कर्मचारी को डे ऑफ नहीं दिया जा सकता। कुछ स्थानों पर विभागीय कर्मचारी मुख्यमंत्री आरोग्य मेले के दिन भी डे ऑफ पर मिले हैं। ऐसा करने वाले कर्मचारियों और उनको डे ऑफ देने वाले चिकित्सा अधिकारियों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

निरीक्षण के दौरान कर्मचारी से जानकारी हासिल करते अधिकारी। अमृत विचार

अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करते सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया।

## आरबीएसके टीमें मनोयोग से करें कार्य: सीएमओ

**सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** सभी ब्लॉकों में कार्यरत आरबीएसके के टीमों की समीक्षा बैठक सीएमओ डॉ. रजत कुमार चौरसिया के नेतृत्व में सीएमओ कार्यालय परिसर में हुई। बैठक में अधिकारी ने सभी ब्लॉकों में टीमों के सदस्यों से कहा सभी आरबीएसके टामें क्षेत्र में कार्य करें और ज्यादा से ज्यादा बच्चों को चिन्हित कर उनका ऑपरेशन कराएं। आरबीएसके के डीइआईसी मैनेजर अनंत प्रकाश ने संचालन किया। नोडल डॉक्टर वीएन चतुर्वेदी ने टीमों की कार्यों की समीक्षा की। इस अवसर पर नौगढ़ उसका बाजार बासी इटवा डुमरियागंज खेसराहा खूनियाव बर्डपुर जोगिया भनवापुर आदि ब्लॉकों के टीमों के चिकित्सक आदि रहे।

## भारत-नेपाल सीमा पर की गयी गश्त

**शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर।** पड़ोसी देश नेपाल के कपिलवस्तु नेपाल पुलिस कार्यालय के कार्यालय प्रमुख प्रसाद ईश्वर लौदारी के नेतृत्व में सशस्त्र पुलिस बल और भारतीय सीमा सुरक्षा बल की संयुक्त टीम ने कपिलवस्तु जिले के कृष्णानगर उप जिला वार्ड संख्या चार स्थित सीमा स्तम्भ संख्या 569 (69) के क्षेत्र में पैदल सीमा गश्त किया गया। संयुक्त टीम ने सीमा के आसपास पैदल गश्त किया गया और एकदूसरे देश के अधिकारी टीमों को दिशा-निर्देश भी दिये। इस दौरान कार्यालय प्रमुख प्रसाद ईश्वर लौदारी, नेपाल सीमा पर तैनात सशस्त्र पुलिस बल भारतीय सीमा सुरक्षा बल व नेपाल की पुलिस उपस्थित रही।

## जन आरोग्य मेले में 105 लोगों का हुआ उपचार

**सिद्धार्थनगर।** भनवापुर ब्लॉक क्षेत्र के पीएचसी तरहर बिजौरा व सोहना में आरोग्य स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में गैस्ट्राइटिस, फंगल इन्फेक्शन, जोड़ों में दर्द, त्वचा रोग आदि के कुल 105 मरीजों का इलाज कर उन्हें दवाओं का वितरण किया गया। पीएचसी तरहर में डा. हनुमंत लाल मिश्रा ने 31 मरीजों, पीएचसी बिजौरा में डा. इर्शदेव आर्या ने 34 मरीज व पीएचसी सोहना में डा. सबीहा मलिक ने कुल 40 मरीजों का इलाज किया। डा. शैलेंद्र मणि ओझा ने बताया कि वर्तमान समय में संक्रामक रोग व डायरिया के मरीजों की संख्या बढ़ाने की संभावना ज्यादा होती है। डायरिया प्रबंधन में ओआरएस एवं जिंक के महत्व की जानकारी दी जा रही है।

## राशन वितरण में लापरवाही से रोष

**शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** तहसील शोहरतगढ़ अंतर्गत बढ़नी विकास क्षेत्र के ग्रापं लोहटी के कोटेदार की मनमानी से नाराज ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से न्याय की गुहार लगाई। लोहटी और बनचौरा के पीड़ितों ने कुछ दिन पूर्व कोटेदार रामप्रताप चौधरी पर राशन वितरण में धांधली का आरोप लगाते हुए एसडीएम शोहरतगढ़, जिलापूर्ति अधिकारी एवं डीएम संग सीएम को पत्र भेज न्याय की गुहार लगाई थी। इस पर एसडीएम ने शिकायतकर्ता विंदु, सोनमती, घिराऊ, कुसुम, कमलावती, भागी, जैसराम, किशुन द्वारा की गयी शिकायत पत्र को गंभीरता से लेते हुए जांच कमेटी गठित कर टीम को गांव में जाकर जांच करने का निर्देश दिया था।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के बाद खुशी की मुद्रा में विशिष्टजन। अमृत विचार

## बुद्ध की शिक्षाएं आज भी प्रासंगिक

**ककरहवा सिद्धार्थनगर, अमृत विचार।** लुम्बिनी बौद्ध विवि, लुंबिनी नेपाल में चल रही दो दिवसीय समारोह के प्रथम दिन "डिप्लोमेसी एंड बुद्धाज टीचिंग ए पाथ टू ग्लोबल पीस एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट सिम्पोजियम के उद्घाटन समारोह के दौरान सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु उप्र और साउथ एशिया फाउंडेशन नेपाल के बीच महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता सिद्धार्थ विवि कपिलवस्तु की वीसी प्रो. कविता शाह और साउथ एशिया फाउंडेशन मानद महासचिव राहुल बरुआ द्वारा हस्ताक्षरित किया गया। साझेदारी के अंतर्गत साउथ एशिया सेंटर फॉर पीस रिसर्च एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट की स्थापना की जाएगी जो शांति, बौद्ध अध्ययन एवं सतत विकास पर संयुक्त अनुसंधान एवं शैक्षणिक कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करेगा। प्रो. कविता शाह ने कहा बुद्ध की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं जितनी पहले थीं।

## श्रावणी मेला में रेलवे चलाएगा विशेष ट्रेन

**गोरखपुर, अमृत विचार।** श्रावणी मेला में श्रद्धालु यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये रेलवे प्रशासन द्वारा श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा हेतु 03527/03528 आसनसोल-गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला विशेष गाड़ी का संचलन आसनसोल से 28 जुलाई से 10 अगस्त, 2025 तक प्रतिदिन तथा गोरखपुर से 29 जुलाई से 11 अगस्त, 2025 तक प्रतिदिन 14 फेरों के लिये निम्नवत किया जायेगा। 03527 आसनसोल-गोरखपुर श्रावणी मेला विशेष गाड़ी 28 जुलाई से 10 अगस्त, 2025 तक प्रतिदिन आसनसोल से 21.00 बजे प्रस्थान कर चित्तरंजन से 21.30 बजे, मधुपुर से 22.25 बजे, जसीडीह से 23.05 बजे, दूसरे दिन झाझा से 00.30 बजे, किऊल से 01.07 बजे, मोकामा से 01.42 बजे, बख्यितयारपुर से 02.17 बजे, पटना से 03.30 बजे, पाटलिपुत्र से 04.30 बजे, छपरा से 07.00 बजे, सीवान से 08.05 बजे तथा देवरिया से 09.12 बजे छूटकर गोरखपुर 10.45 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में, 03528 गोरखपुर-आसनसोल श्रावणी मेला विशेष गाड़ी 29 जुलाई से 11 अगस्त, 2025 तक प्रतिदिन गोरखपुर से 13.45 बजे चलेगी। यह जानकारी मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने दी।

## कार्यालय नगर पंचायत खरगूपुर जनपद गोण्डा

पत्रांक: 60/न0प0ख0/2025–26 दिनांक:– 28/07/2025

**अमृत विचार के स्थापना दिवस के अवसर पर स्वच्छ भारत अभियान के अन्तर्गत नगर के नागरिकों से नगर हित में विशेष अनुरोध है कि–**

**मा. अरविन्द शर्मा**
नगर विकास मंत्री, उ0प्र0

01. प्रतिबन्धित प्लास्टिक पालीथीन का प्रयोग न करें एंव अन्य को भी न करने हेतु प्ररित करें। 02. अपने घर एंव घर के आस–पास रिक्त भूमि पर वृक्षारोपण कर इस धरा के सन्तुलन बनायें रखने में सहयोग प्रदान करें। 03. पर्यावरण के सन्तुलन हेतु ईधन चलित वाहनों का कम से कम प्रयोग करें। 04. खुले में शौच न करें, शौचालय का ही प्रयोंग करें। 05. कूड़ा–कचरा में आग न लगायें इसको उठाने हेतु नगर पंचायत को सूचित करें। 06. घर का कूड़ा–कचरा नगर पंचायत की सड़को व नालियों पर न डाले तथा उक्त कूड़े को पंचायत द्वारा रखे गये कूड़ादान मे ही डाले। 07. नगर पंचायत द्वारा निर्मित नाले, नालियों पर अवैध अतिक्रमण न करें, ताकि सफाई व्यवस्था बाधित न हों। 08. जन्म–मृत्यु का पंजीयन समय से करायें। 09. जल का दुरूपयोग न करें।

नगर पंचायत खरगूपुर जनपद गोण्डा नगरवासियों को समुचित नागरिक सुविधायें उपलब्ध कराने हेतु संकल्पबद्ध है।

**अपील**

1. आपसे निवेदन है कि आप अपने घर में एक कूडादान नीला सूखा कूड़े के लिए व एक हरा कूड़ादान गीले कूड़े के लिए अवश्य रखें। 2. नगर पंचायत के सफाई कर्मचारी कूड़ा एकत्रित करने आपके घर आयेगें अगर किसी भी कार्य दिवस में कर्मचारी नहीं आतें हैं या डोर टू डोर कलेक्शन टीम से समस्या है तो दूरभाष 05262298788 पर सम्पर्क कर सकते हैं। 3. प्रतिबन्धित पॉलिथिन का प्रयोग न करें। और न ही दुसरों को करने दें। पॉलिथिन पर्यावरण के लिये हानिकारक है। पॉलिथिन का प्रयोग करने व विक्रय करते पाये जाने पर आपके विरूद्ध जुर्माना हो सकता है।

**समस्त सभासद**
**नगर पंचायत खरगूपुर गोण्डा**

| अमरनाथ राम | जैनुद्दीन खान | ममता रस्तोगी |
|---|---|---|
| अधिशाषी अधिकारी | लिपिक | अध्यक्ष |
| नगर पंचायत खरगूपुर गोंडा | नगर पंचायत खरगूपुर गोंडा | नगर पंचायत खरगूपुर गोंडा |

# शिवालयों में गूंजा हर-हर महादेव

**कुशीनगर, अमृत विचार।** सावन माह तीसरे सोमवार को शिवालयों में हर-हर महादेव का जयघोष गूंज उठा। पडरौना शहर समेत जिले के सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं ने पूजन कर परिवार के सुख समृद्धि की कामना की। बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारे सोमवार की सुबह से ही मंदिरों में गूंजते रहे। श्रद्धालुओं ने भांग, धतूरे, बेलपत्र, पुष्प, दूध, जल आदि से शिवालयों में भगवान शिव का अभिषेक किया। पडरौना शहर के भारतीय शिवाला मंदिर, कुबेर स्थान में कुबेर नाथ मंदिर, छावनी स्थित भन्नुनाथ शिवमंदिर, महादेव मंदिर, सिद्धनाथ शिवमंदिर, लखरांव स्थित शिवमंदिर, लम्हुआ स्थित शिवमंदिर, बुढ़िया माई मंदिर परिसर स्थित शिवमंदिर, खिरकिया माई मंदिर परिसर स्थित शिवमंदिर, करमहा शिव मंदिर हाटा, काशी विश्वनाथ में भक्तों ने पूजा-अर्चना शुरू कर दी।

**आवश्यकता है**

**जय माँ वाराही महाविद्यालय, उमरी बेगमगंज गोण्डा**

**में निम्न पाठ्यक्रमों प्रवक्ताओं एवम प्राचार्य पद हेतु**

**परास्नातक (कला संकाय)** हिंदी, गृहविज्ञान, समाजशास्त्र विषय में दो दो पदों, स्नातक (कला संकाय) एक पद – भूगोल विषय

**प्राचार्य पद हेतु अहर्ता** – नेट या पीएचडी एवं 15 वर्ष का शिक्षण कार्य अनुभव

**प्रवक्ता पद हेतु अहर्ता** – नेट या पीएचडी वेतनमान यूजीसी एवं विश्वविद्यालय परिनियमावली के अनुसार

इच्छुक अभ्यर्थी अपने मूल शैक्षिक प्रमाण पत्रों के साथ महाविद्यालय में 15 कार्य दिवस में संपर्क करें।

संपर्क सूत्र –9335776405, 9721076784

# अमृत विचार

मंगलवार, 29 जुलाई 2025






"अपने जीवन में जोखिम उठाएं, अगर आप जीतते हैं, तो आप नेतृत्व कर सकते हैं। अगर आप हारते हैं, तो आप मार्गदर्शन कर सकते हैं।"

## बच्चों में बौनापन की चिंता

देश भर की आंगनवाड़ियों में नामांकित बच्चों के बौनेपन को लेकर संसद में आई रिपोर्ट उत्तर प्रदेश के लिहाज से काफी चिंताजनक है। इसके मुताबिक 13 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 63 जिलों के बच्चों में बौनेपन की दर 50 फीसदी से अधिक है। इस समस्या से उत्तर प्रदेश विशेष रूप से प्रभावित है, जिसके 34 जिलों में बच्चों में बौनेपन की दर गंभीर स्थिति में है। इनमें चित्रकूट में तो बच्चों में बौनेपन की दर 59.48 फीसदी मिली है। बौनेपन से आशय उन बच्चों से है, जो अपनी उम्र के हिसाब से छोटे होते हैं। ऐसा आमतौर पर लंबे समय तक कुपोषण का शिकार रहने के कारण होता है। इसी तरह कमजोर बच्चे उनको माना जाता है, जो अपनी लंबाई के हिसाब से काफी पतले होने के कारण कम वजन वाले होते हैं। महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी द्वारा लोकसभा में जानकारी दी गई है कि 'पोषण ट्रैकर' के आंकड़ों के अनुसार देश में छह वर्ष से कम उम्र के 8.19 करोड़ बच्चों में से लगभग 36 फीसदी बच्चे बौनेपन का शिकार हैं। वहीं करीब 17 प्रतिशत बच्चों का उम्र के अनुपात में वजन कम है। पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों में तो बौनेपन की व्यापकता और भी ज्यादा, यानी 37 फीसदी है। आंकड़ों के अनुसार बच्चों में बौनेपन की सर्वाधिक दर 46.36 प्रतिशत उत्तर प्रदेश में है।

बौनापन वास्तव में एक दीर्घकालिक कुपोषण है और पोषण केवल भोजन तक सीमित नहीं है। इसमें स्वच्छता, साफ पानी और शिक्षा जैसे कारण भी शामिल हैं। अब इसमें बढ़ता वायु प्रदूषण भी जुड़ गया है। हाल ही में केजीएमयू, लखनऊ के रेस्परेटरी मेडिसिन विभागाध्यक्ष ने वायु प्रदूषण को टीबी, निमोनिया, सीओपीडी और फेफड़ों के कैंसर जैसी बीमारियों को बढ़ाने वाला बताया था। उनके मुताबिक वायु प्रदूषण बच्चों को विभिन्न समस्याएं देने के साथ गर्भावस्था के दौरान भ्रूण पर भी प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। आज इस तथ्य से इंकार नहीं किया जा सकता कि बड़ी संख्या में बच्चे गर्भ में ही कुपोषित हो जाते हैं। पांच वर्ष की उम्र आने तक वह कम वजन के साथ कम लंबाई का शिकार हो जाते हैं। इसकी बड़ी वजह हर सर्वेक्षण में कुपोषण ही सामने आता रहा है जो बच्चों का शारीरिक विकास बाधित करने के कारण उन्हें अपनी उम्र से छोटा बना देता है। इसकी वजह विशेष रूप से प्रोटीन और ऊर्जा की कमी होती है, जिसके कारण बच्चों में आवश्यक पोषक तत्वों की कमी हो जाती है और उनका शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य अविकसित रह जाता है। राष्ट्रीय परिवार सर्वेक्षण के आंकड़े भी बच्चों में बौनेपन की बढ़ती समस्या पर आगाह करने के साथ इसे लेकर चिंता जता चुके हैं, कि कुपोषण से जुड़े विकार बच्चों में तमाम बीमारियों को जन्म देने के साथ मृत्यु दर भी बढ़ा रहे हैं। इन परिस्थितियों में जरूरी है कि सरकार को पोषण अभियान, मिशन सक्षम आंगनवाड़ी जैसे अभियानों से आगे बढ़कर समस्या के समाधान का एकीकृत उपाय खोजना होगा, ताकि प्रत्येक बच्चे को अच्छी शुरुआत के साथ बेहतर भविष्य तथा जीवन मिल सके।

### प्रसंगवश

## मेड इन इंडिया से यूके की इकोनॉमी को मजबूती



**प्रकाश श्रीवास्तव**
वरिष्ठ पत्रकार

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की यूनाइटेड किंगडम की आधिकारिक यात्रा और दोनों देशों द्वारा मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर कई मायनों में अहम साबित हुए हैं तथा व्यापार और आर्थिक संबंधों को नया आयाम मिला है। इस समझौते से द्विपक्षीय व्यापार में सालाना 34 बिलियन अमेरिकी डॉलर की वृद्धि होने की उम्मीद है, साथ ही वर्ष 2020 में यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के बाद से यूनाइटेड किंगडम का यह सबसे बड़ा व्यापार सौदा है। प्रधानमंत्री मोदी ने सैंड्रिंघम हाउस में किंग चार्ल्स तृतीय से भी मुलाकात की और किंग चार्ल्स को भारत के पर्यावरणीय जनआंदोलन 'एक पेड़ मां के नाम' से प्रेरित एक पौधा भी भेंट किया। यह अभियान प्रधानमंत्री ने ही शुरू किया था। किंग चार्ल्स को पौधा भेंट करना प्रधानमंत्री के पर्यावरण के प्रति सद्इच्छाओं को दर्शाता है। इस पौधे की खासियत उसकी सफेद पंखुड़ियों का होना है। किंग से मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया-महामहिम किंग चार्ल्स तृतीय के साथ बहुत शानदार बैठक हुई। हमने भारत-ब्रिटेन संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की, जिसमें सीईटीए और 'विजन 2035' के मद्देनजर व्यापार और निवेश की जमीनी प्रगति भी शामिल थी। चर्चा के अन्य विषयों में शिक्षा, स्वास्थ्य और कल्याण, विशेष रूप से योग और आयुर्वेद शामिल थे। हमने पर्यावरण संरक्षण और स्थिरता पर भी बात की।

प्रधानमंत्री मोदी ने ब्रिटेन की अपनी चौथी यात्रा में दोनों देशों में विश्वास और प्रतिबद्धताओं को मजबूती दी है। इससे पहले वह 2018 में यूके गए थे। हालांकि ब्रिटिश प्रधानमंत्री सर कीर रॉडनी स्टार्मर के सत्ता में आने के बाद यह उनकी पहली यात्रा थी। स्टार्मर ने पिछले साल जुलाई में लेबर पार्टी को भारी बहुमत से पराजित कर कंजर्वेटिव पार्टी के 14 साल के शासन का अंत किया था। तब से, दोनों नेता बहुपक्षीय बैठकों के दौरान कई बार मिल चुके हैं। पिछले साल नवंबर में ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में हुए जी20 शिखर सम्मेलन में, इस साल जून में कनाडा के कनानसकीस में जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में। कहने की जरूरत नहीं कि इस मुक्त व्यापार समझौते को अधिकृत रूप से व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौता (सीईटीए) नाम दिया गया है। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों को ब्रिटेन में लगभग शुल्क-मुक्त पहुंच मिलेगी। भारत को कई क्षेत्रों में लाभ होगा और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अवसर मिलेंगे। साथ ही प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों और अन्य उच्च-टैरिफ वाले उत्पाद जहां भारत के पास मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त हासिल है, के लिए भी लाभकारी होगा। सबसे बड़ी बात तो यह है कि भारत यहां जो नया निवेश और निर्यात करेगा, उससे यूके में 2,200 से ज्यादा ब्रिटिश नौकरियां उत्पन्न होंगी। भारतीय कंपनियां ब्रिटेन में अपने परिचालन का विस्तार करेंगी और ब्रिटिश कंपनियां भारत में नए व्यावसायिक अवसर हासिल करेंगी।

भारत के विकास एजेंडे के साथ रणनीतिक उद्देश्यों को जोड़ना भी समझौते की खासियत है। प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में भारत को वैश्विक विनिर्माण केंद्र बनाने के लिए 'मेक इन इंडिया' योजना शुरू की थी। इसी तरह 2020 में उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य विशिष्ट क्षेत्रों में घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना है। यह योजना उन कंपनियों को वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करने के लिए है जो भारत में विनिर्माण करती हैं और बिक्री बढ़ाती हैं। इस समझौते से 'मेक इन इंडिया' और उत्पादन-आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना जैसी पहलों के तहत भारत के व्यापक रणनीतिक उद्देश्यों से जोड़ने, गतिशील वातावरण और एक एकीकृत दिशा बनाने में भी मदद मिलेगी। इस समझौते से ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर भी उत्साहित है। उन्होंने कहा भी है-भारत के साथ हमारा ऐतिहासिक व्यापार समझौता ब्रिटेन के लिए एक बड़ी जीत है। इससे पूरे ब्रिटेन में हजारों ब्रिटिश नौकरियां उत्पन्न होंगी, व्यवसायों के लिए नए अवसर खुलेंगे और देश के हर कोने में विकास को गति मिलेगी, जिससे हमारी परिवर्तनकारी योजना साकार होगी। समझौते के तहत भारत को उन क्षेत्रों में भी बेहतर बाजार पहुंच प्राप्त होगी जहां पहले से ही उसकी निर्यात क्षमता मजबूत है, लेकिन मध्यम टैरिफ बाधाओं का सामना करना पड़ता था।

## आत्मनिर्भरता के लिए कौशल दक्षता का आलाप





**प्रमोद भार्गव**
वरिष्ठ पत्रकार

> यहां प्रश्न खड़ा होता है कि क्या हम सस्ती वस्तुओं के निर्माण की तरकीब और देशज ज्ञान भारत और भारतीयों से नहीं सीख सकते? मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक तहसील स्तरीय कस्बा है बदरवास। संयोग से मैं यहीं का रहने वाला हूं।

देश में वस्तु निर्माण के पुख्ता स्तंभ बनाने के लिए कौशल दक्षता में कमी की बात कही जाती है। यहां तक कि इंजीनियर और पीएचडी डिग्रीधारी को भी अयोग्य ठहरा दिया जाता है। हाल ही में आईफोन बनाने वाली अमेरिकी कंपनी एप्पल ने चेन्नई में फोन निर्माण के लिए एक संयंत्र स्थापित किया है, किंतु उसे पर्याप्त दक्ष युवा नहीं मिल रहे। इनकी प्रतिपूर्ति कंपनी ने चीन और ताइवान से की। यहां सवाल उच्च शिक्षित पेशेवरों के साथ उन शिक्षा संस्थानों पर भी खड़ा होता है कि तमाम आधुनिक संसाधनों से भरे पड़े ये पढ़ा व सिखा क्या रहे हैं? दक्षता की लक्ष्य पूर्ति के लिए अक्सर चीन से सीख लेने की बात कही जाती है। जिससे यह जान लिया जाए कि सस्ते मजदूरों के जरिए सस्ती वस्तुओं का निर्माण कैसे हो? क्योंकि इन्हीं वस्तुओं के निर्माण से चीन दुनिया की औद्योगिक व प्रौद्योगिक शक्ति बना है। उसके माल से दुनिया के बाजार भरे पड़े हैं।

यहां प्रश्न खड़ा होता है कि क्या हम सस्ती वस्तुओं के निर्माण की तरकीब और देशज ज्ञान भारत और भारतीयों से नहीं सीख सकते? मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक तहसील स्तरीय कस्बा है बदरवास। संयोग से मैं यहीं का रहने वाला हूं। अब से करीब पैंतालीस साल पहले बदरवास के ही बैंक से 10 हजार रुपए का ऋण लेकर रमेश अग्रवाल ने यहीं छोटी सी दुकान में जैकेट बनाने का काम प्रारंभ किया था, तब वे रोजाना 40-50 जैकेट बनवाकर बेच लेते थे। किंतु आज हजारों जैकेट बनवा कर बेच रहे हैं। मध्य प्रदेश, उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल समेत नेपाल तक फेरी वाले उनकी जैकेट बेचते हैं। इसे मोदी जैकेट कहा जाता है। सस्ती जैकेट का यह व्यापार समूचे देश में फैल रहा है। इस उत्पाद के शोरूम भी खुल रहे हैं और बाजार में मांग लगातार बढ़ रही है। अब जैकेट निर्माण का विकेंद्रीकरण हुआ है। करीब एक सैंकड़ा लोग जैकेट के निर्माण और व्यापार में जुटे हैं। पांच-सात हजार क्षेत्रीय ग्रामीण पुरुष और महिलाएं जैकेट की सिलाई के काम से जुड़े रहते हुए आत्मनिर्भर हुए हैं। बदरवास की गली-गली में जैकेट सिलने और बेचने का व्यापार परवान चढ़ा दिखाई देता है। बड़े कारोबारियों के कारखाने देखकर हैरानी होती है कि इतने छोटे कस्बे में जैकेट का इतने बड़े पैमाने पर उत्पादन कैसे हो रहा? इन जैकटों की कीमत न्यूनतम 80 रुपए से लेकर 300 रुपए तक है। यहां के सिले वस्त्र निर्माता इतना सस्ता उत्पाद कैसे कर पाते हैं, इस रहस्यमयी तरकीब को जानना जरूरी है, जिससे चीन की तरह भारत के माल से दुनिया के बाजार भरे जा सकें। जैकेट व्यापारी अपने ठिकानों पर विभिन्न आकार-प्रकार की जैकेटों के कपड़े की कटिंग कराते हैं। फिर इन कटे वस्त्रों को आसपास के पन्द्रह किलोमीटर तक के ग्रामों में सिलने के लिए दर्जन के हिसाब से भेज देते हैं। अतएव यहां देखने में आता है कि घर-घर और खेत-खेत महिलाएं और छात्राएं जैकेट की सिलाई में लगी हैं। इनमें ज्यादातर महिलाएं खेती-किसानी से जुड़ी होती हैं। ये घरेलू और किसानी की दिनचर्या से निपटने के बाद खेत में बने घर की दहलान में पैरों से चलने वाली सिलाई मशीन से सिलाई के काम में लग जाती हैं। सिलाई के बाद इनके घर का कोई व्यक्ति जैकेटों को साइकिल या बाइक से व्यापारी को दे आते हैं। तत्काल इन्हें प्रति जैकेट के हिसाब से मजदूरी दे दी जाती है। जैकेट की सिलाई खाली समय में की जाती है, इसलिए मजदूर को अतिरिक्त धन मिल जाता है, जो इनकी आर्थिक समृद्धि का मजबूत आधार बन गया है। सिलाई की इस कौशल दक्षता को मां या बड़ी बहन नई पीढ़ी को सिखाती चलती हैं। इस कौशल के लिए अच्छी पढ़ाई या उत्तम प्रशिक्षण की जरूरत ही नहीं पड़ती है। जैकेटों में काज-बटन लगाने का काम पुरुष या तो हाथ से करते हैं या फिर मशीनों से। जैकेट के जितने भी बड़े कारोबारी हैं, उनके कारखानों में आधुनिक व इलेक्ट्रोनिक तकनीक से जुड़ी बड़ी-बड़ी मशीनें लगी हैं। इन मशीनों को चलाना भी लोग परस्पर सीख लेते हैं। इसी तरकीब से बदरवास में प्रतिदिन लगभग दस हजार जैकेट बनाकर बेची जा रही हैं।

सस्ते श्रम से सस्ते माल के उत्पादन की इस विधि को संपूर्ण भारत समेत विदेश में भी फैलाने की जरूरत है। चीन इसी तकनीक से विश्व बाजार में औद्योगिक शक्ति बना हुआ है। लेकिन भारत जो अपनी समृद्ध ज्ञान परंपरा से वस्तुओं के निर्माण में हजारों साल से जुड़ा हुआ था, वहां के लोग और शिक्षा संस्थान पश्चिम की ओर ताक रहे हैं। भारत के शिक्षा विशेशज्ञ भी इसी विचार से प्रेरित हैं। लोगों को शेयर बाजार के सिद्धांत और ऋण से धंधे की स्थापना के जुनून का पाठ पढ़ाया जाकर सरकारी या कंपनियों की नौकरी मिल जाए। जिससे वे कुलीन की श्रेणी में आ जाएं। उच्च शिक्षा के इस लक्ष्य को साधने के लिए कर्ज की सुविधा देकर विदेशी व्यापार-प्रबंधन के संस्थानों में पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कथित कामयाबी के लिए यह प्रोत्साहन सर्वथा अनुचित है। दूसरी तरफ हमारे सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। जबकि देश के सकल घरेलू उत्पाद में 29 प्रतिशत, रोजगार में 60 प्रतिशत और निर्यात में 40 प्रतिशत योगदान इन्हीं उद्योगों का है। फिर भी इन उद्योगों से लेकर ऑटोमोबाइल, कृत्रिम-मेघा और मशीन लर्निंग जैसे उद्योगों के लिए दक्ष युवाओं की कमी है। आखिर भारतीय राष्ट्रीय कौशल विकास मिशन युवाओं को दक्ष करने में असफल क्यों रहा? क्योंकि इस अभियान में युवाओं को प्रशिक्षण देकर दक्ष बनाने का दायित्व जिन लोगों को सौंपा गया था, वे वही किताबी ज्ञान देते रहे, जिसे प्रशिक्षु शिक्षा संस्थानों से पढ़कर निकले थे, जबकि उन्हें उद्योग में प्रायोगिक ज्ञान की जरूरत थी। इसी ज्ञान से उत्पादकता बढ़ेगी। उत्पादकता बढ़ेगी तो आत्मनिर्भरता भी बढ़ेगी।

### आमने सामने



सीएम देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "हम मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की मांग करते हैं। पिछले 20 वर्षों में गहन पुनरीक्षण की कमी के कारण, कई नाम ऐसे हैं जो मौजूद नहीं हैं। जो लोग नए पते पर चले गए हैं, उनके नाम अभी भी पुराने और नए दोनों स्थानों पर सूचीबद्ध हैं। मृतक व्यक्तियों के नाम अभी भी सूची में मौजूद हैं।"

बिहार एसआईआर मुद्दे पर टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा, "हम इस बारे में सुनवाई (सुप्रीम कोर्ट में) के बाद ही कह सकते हैं, लेकिन हम विपक्ष और जनता के साथ खड़े हैं कि एसआईआर मामले में चुनाव आयोग ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है, कई एजेंसियों ने अपनी विश्वसनीयता खोदी है। यह स्पष्ट है कि वे किसकी मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।"



## मतदाता सूची मामला, विपक्ष का विरोध प्रदर्शन



**डॉ. आशीष वशिष्ट**
लखनऊ

> चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं।

बिहार में चुनाव आयोग द्वारा चलाया गया विशेष मतदाता गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर पूरा हो चुका है। बिहार विधानसभा से लेकर संसद तक एसआईआर का विरोध जारी है। हालांकि विपक्ष के तीखे विरोध के बीच चुनाव आयोग ने यह स्पष्ट कर दिया है कि एसआईआर बिहार तक ही सीमित नहीं रहेगा। अगले साल पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, केरल और असम राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिर्फ असम में भाजपा सरकार है। शेष राज्यों में विपक्षी दलों की सरकारें हैं। वे अभी से चौकन्नी हो गई हैं और एसआईआर को एक राष्ट्रीय मुद्दा बना देना चाहती हैं।

वास्तव में विपक्ष रणनीति के तहत एसआईआर पर देशवासियों को गुमराह कर रहा है। सड़क से संसद तक वो एसआईआर का विरोध कर रहा है, और चुनाव आयोग पर अमर्यादित बयानबाजी से लेकर आरोप तक लगा रहा है। जबकि तस्वीर का दूसरा पक्ष यह है कि बिहार में एसआईआर का विरोध कर रही पार्टियों ने भी अपने बूथ लेवल एजेंट यानी बीएलए को बढ़-चढ़कर काम में लगाया था। चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 23 जून को एसआईआर प्रक्रिया शुरू होने के पहले कांग्रेस ने केवल 8586 बीएलए लगाए थे। लेकिन 25 जुलाई को प्रक्रिया समापन के वक्त कांग्रेस के 17549 बीएलए नियुक्त रहे। कांग्रेस ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध करने के बावजूद इसके लिए 105 फीसदी बीएलए बढ़ाए।

भाजपा के 53338 बीएलए प्रकिया का हिस्सा बने। राष्ट्रीय जनता दल के 47506 बीएलए प्रक्रिया में शामिल हुए। जनता दल यूनाइटेड के 36550 बीएलए शामिल हुए। लेफ्ट पार्टियों ने एसआईआर प्रक्रिया की शुरुआत में दिलचस्पी नहीं दिखाई लेकिन आखिर तक इन पार्टियों ने भी बीएलए की संख्या बढ़ाई। बिहार में 12 मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के कुल 1 लाख 60 हजार 813 बीएलए गहन मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बने। किसी तरह की अनियमितता होने पर विपक्षी दलों के कार्यकर्ता तुरंत अपना विरोध कर सकते हैं, लेकिन अब तक एक भी ऐसा मामला सामने नहीं आया है जहां विपक्षी दलों के कार्यकर्ताओं ने इसकी शिकायत की हो। केवल विपक्ष के नेता ही इस तरह की बात कर सनसनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। विपक्ष का असली चेहरा और चरित्र यही है। वो एक और देशवासियों को गुमराह करने और संवैधानिक संस्थाओं की साख को धूमिल करने का कुकृत्य करता है, तो वहीं दूसरी और कानून प्रक्रियाओं में बढ़ चढ़कर हिस्सा भी लेता है। बिहार ही नहीं देशभर में फर्जी और अयोग्य मतदाताओं को हटाने के मांग राजनीतिक दल समय-समय पर उठाते रहे हैं। बिहार के सीमांचल के इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मामला वर्षों से सामने आ रहा है। पिछले 30 वर्षों में पूरे सीमांचल का समीकरण बदल गया है। किशनगंज, अररिया, कटिहार और पूर्णिया में अल्पसंख्यकों की आबादी 40 फीसदी से 70 फीसदी तक हो चुकी है। यही कारण है कि वर्षों से इस इलाके में बांग्लादेशी घुसपैठियों की रोक की मांग उठती रही है। कई इलाकों से हिंदुओं के पलायन की भी खबर उठी थी। केंद्र सरकार ने जब पूरे देश में एनआरसी लागू करने की बात कही थी तो बिहार में इस इलाके से भी विरोध के सुर उठे थे।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, बिहार के 99.8 फीसदी यानी 7.23 करोड़ मतदाता इस रिवीजन प्रक्रिया में कवर हो चुके हैं। दावा किया जा रहा है कि पुनरीक्षण में बिहार में कम से कम 61 लाख मतदाताओं के नाम कट सकते हैं। इसमें 21.6 लाख मतदाताओं का निधन हो चुका है। 31.5 लाख मतदाता स्थाई तौर पर दूसरे स्थानों-शहरों में बस गए हैं। लगभग सात लाख मतदाताओं के नाम दो स्थानों की मतदाता सूची में दर्ज हैं।

बिहार में विधानसभा की 243 सीटें हैं। विधानसभाओं में कुछ सौ मतदाताओं का अंतर ही जीत-हार पर असर डाल देता है। राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव चुनाव बहिष्कार की धमकी दे रहे हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर का मुद्दा अपनी स्टाइल में उठा रहे हैं। वो केंद्र की बीजेपी सरकार पर 'वोटों की चोरी' का आरोप लगा रहे हैं। उधर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी खुले मंच से यह घोषणा कर चुकी हैं कि वे बंगाल में एसआईआर नहीं होने देंगी। विपक्ष के कई दूसरे नेता भी एसआईआर का विरोध कर रहे हैं। ये वही लोग हैं जो लोकसभा चुनाव के दौरान मोहब्बत की दुकान, संविधान की रक्षा और संविधान की कॉपियां लेकर देशभर में घूमते थे। और भाजपा पर संविधान विरोधी होने और संविधान बदलने का आरोप लगाते थे। यही इनका मूल चरित्र है। चुनाव आयोग ने केवल दूसरी जगह चले गए मतदाताओं, मृतकों और एक ही व्यक्ति के दो स्थानों पर मतदाता सूची में शामिल होने वाले मतदाताओं का नाम ही मतदाता सूची से हटाने की बात कही है, ऐसे में एसआईआर का विरोध पूरी तरह से अतार्किक है।

चुनाव आयोग नियम कानून के तहत वोटर लिस्ट अपडेट कर रहा है। यह उसकी डयूटी का हिस्सा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए स्वच्छ और स्पष्ट मतदाता सूची जरूरी है। वास्तव में, मतदाता सूची पर विपक्ष का हंगामा केवल राजनीतिक स्टंट कर जनता का ध्यान अपनी ओर खींचने की कोशिश है। विपक्ष चुनावों में अपनी हार को देखकर अभी से बहाने की तलाश कर रहे हैं। यह विरोध प्रदर्शन और चुनाव आयोग पर बयानबाजी उसी का नतीजा है।

### सामयिकी

## सर्पपूजा का त्योहार नाग पंचमी



**डॉ. अरविंद मिश्र**
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

सर्पपूजा का सबसे बड़ा भारतीय त्योहार नागपंचमी है। लोकमानस में जितना प्रभाव सांपों का है वह किसी अन्य जीवजंतु का नहीं। इसका कारण सांपों से जुड़ा आदिम डर है। भय बिनु होई न प्रीति इन सांपों को लेकर भी चरितार्थ है। पुराकाल से ही सांपों के प्रति इसी भय ने अनेक मिथकों को जन्म दिया। कितनी ही लोककथाओं के केंद्र में सांप वर्णित हुआ है। नागपंचमी में प्रमुखतः फन वाले कोबरा का दर्शन पूजन शुभ और अभयदान देने वाला माना गया है। नाग और सर्प दो विभिन्न कोटियां हैं इसका भान हमारे पूर्वजों को था। श्रीमद्भगवद्गीता में कृष्ण स्वयं को अनंताश्चस्मि और सर्पाणाम अस्मि वासुकि बताते हैं। हलांकि विज्ञान सर्प परिवार को नाग और सांप में विभाजित नहीं करता। हां सांपों की भारत में पाई जाने वाली तीन सौ प्रजातियों का उल्लेख अवश्य करता है जिसमें करीब साठ प्रजातियां विषधर हैं। और चार की चौकड़ी-कोबरा (नाग), करैत, रसेल वाईपर और सा स्केल्ड तो महा विषधर हैं।

प्राचीन काल में सर्पदंश के उपचार की कोई कारगर औषधि न होने और अवश्यंभावी मानव मृत्यु ने सांपों को लेकर आम लोगों में दहशत का बीजारोपण किया। इसी से सर्पपूजा सर्वव्यापी हुई और सांपों को संस्कृत साहित्य, काव्यों तक में प्रमुखता मिली। अपने पिता की तक्षक नाग के दंश से कुपित कलयुग के पहले राजा जन्मेजय ने सर्पनाश यज्ञ का आयोजन कर डाला। तथापि नाग (सर्प) समूल नाश से बच गए। मुनि आस्तीक ने मनसा, जो सर्पदेवी के रुप में आज भी पूज्य हैं, के हस्तक्षेप से तक्षक को सर्पयज्ञ की आहुति से बचा लिया। मनसा देवी के कई मंदिर भारत में हैं। सर्प आतंक से मुक्ति के लिए श्रीकृष्ण के कालिया मर्दन की कथा भला कौन नहीं जानता। मगर भयोत्पादक सर्प प्राचीन साहित्य में महिमा मंडित अधिक हुआ है। वह विष्णु की शैय्या बना है और शिव के गले का हार। योग क्रिया में तो कुंडलिनी जागरण का विशेष महत्व है जिसमें सर्प का रुपक ही इंगित है।

शिव और विष्णु के आभूषण के रुप में सर्प सदैव वंदनीय रहे हैं। इन श्लोकों में-शांताकारं भुजग शयनम...शिव के लिए नागेंद्रकुंडल, नागेंद्रहार, नागेद्रवलय, नागेंद्रचर्मधर आदि संबोधन हैं। यह भी कि गले रुंडमालम, तनौ सर्पजालम, महाकालकालं, गणेशाधिपालम।.... जटाधारी कंठे भुजगपतिहारी पशुपतिः..... भविष्यपुराण में सांपों पर व्यापक चर्चा है (प्रथम पर्व, अध्याय 33-36)। नागपंचमी महात्म्य का विशेष वर्णन है। शतानीक ऋषि प्रश्नकर्ता हैं और सुमन्तु उत्तर दे रहे हैं। प्रश्नों में सांपों के रुपों, वर्ण, पहचान, जातियों, कुल, योनि, सतयुगीन कद्रू-विनता सर्प माताओं से उनकी उत्पत्ति, विष, दंश पर प्रभूत वर्णन है। सुमन्तु ने गौतम व कश्यप ऋषि के संवाद के हवाले से तमाम सर्प जिज्ञासाओं का शमन किया है।

लोक कथाओं में बाला लखंदर की कथा बंगाली अंचल में बहुश्रुत रही है। नागपंचमी के मूल में एक किसान की कथा आती है जिसने सावन के शुक्ल पक्ष के पांचवे दिन यानि नागपंचमी को ही खेत में हल चलाकर नागिन के बच्चों को मार डाला। प्रतिशोध में नागिन ने किसान के परिवार में सभी को मार डाला और मायके चली गई बेटी को भी मारने जा पहुंची। मगर वहां पहुंच कर उसने देखा कि वह सर्पपूजा में सर्वविध तल्लीन थी। नागिन प्रसन्न हो गई और वरदान के जरिये किसान का पूरा परिवार पुनर्जीवित हो गया। उसी घटना के कृतज्ञता ज्ञापन में नागपंचमी मनाई जाने लगी। कहते हैं कालिया मर्दन भी इसी तिथि को हुआ था।

मैंने बचपन में नागपंचमी के दिन विविध रंगों में रंगे गए डंडों से बाल गोपालों को लेकर तालाबों में गुड़ियों को पीटने का खेल खूब खेला। आज भी गावों में यह आयोजन नागपंचमी को होता है। इस क्रीड़ा का उद्गम क्या है इसका कोई संतुष्टिदायक उत्तर मुझे आजतक नहीं मिला। कहते हैं कि जनमेजय सर्प विनाश अभियान से इसका संबंध है। सर्प/नाग का एक महिमामंडित स्वरुप अनंत यानि शेषनाग का है। सर्पाख्यान भी अनंत है। हरि अनंत हरिकथा अनंता की भांति ही।

### सोशल फोरम

## व्यवस्था की विफलता और नीति निर्धारण की सुस्ती



**प्रवीण त्रिवेदी**
फतेहपुर

> हमें समझना होगा कि स्कूल सिर्फ पाठशाला नहीं, बच्चों का भविष्य है। और भविष्य की सुरक्षा तात्कालिक जुगाड़ से नहीं, दीर्घकालीन सोच और नीतिगत प्रतिबद्धता से सुनिश्चित होती है।

शिक्षक कोई भविष्यवक्ता नहीं होता, न ही वह छतों की दरारों में झांककर विधि का विधान पढ़ सकता है। लेकिन जब कोई हादसा होता है, तो सबसे पहले उस पर उंगली उठती है-जैसे उसने ही कक्षा नहीं चलाई, जैसे उसने ही छत नहीं संभाली। यह कितनी क्रूर विडंबना है कि व्यवस्था की विफलताओं का बोझ हम उस कंधे पर डाल देते हैं, जो रोज़ बच्चों के बस्ते उठाते हैं।

जिस दिन हादसा हुआ, उसी दिन फाइलों से धूल झाड़ कर निकाली गईं वे सूचियां जो वर्षों से बंद दराजों में दम तोड़ रही थीं। अचानक अफसरों को याद आया कि हज़ारों स्कूल जर्जर हैं। मगर यह ज्ञान किसी आध्यात्मिक जागरण से नहीं, मौत की दस्तक से मिला। और तब शुरू होता है एक ढकोसला-निरीक्षण के नाम पर कागज़ी कसरत, जिसमें विद्यालय भवनों की सेहत कागज़ों पर जांची जाती है, बच्चों की ज़िंदगियां आंकड़ों में तौली जाती हैं।

सवाल एक इमारत का नहीं है, सवाल सोच की संरचना का है। अगर फाइलों में पहले से दर्ज था कि कौन से भवन खतरनाक हैं, तो उन्हें सुधारने की प्राथमिकता क्यों नहीं बनी? क्या किसी त्रासदी का इंतजार ज़रूरी था ताकि व्यवस्था अपनी चिर-परिचित हरकत में आ सके-मृतकों पर शोक, परिजनों को मुआवज़ा, और फिर वही गहरी नींद?

दरअसल, समस्या इतनी सतही नहीं जितनी दिखाई देती है। शिक्षक पर आरोप लगाना आसान है क्योंकि वह सबसे ज्यादा दृश्य है, सबसे नज़दीक है। लेकिन व्यवस्थागत लापरवाही, नीति निर्धारण की सुस्ती, और ज़िम्मेदार पदों पर बैठे लोगों की असंवेदनशीलता को जब तक शिक्षा के विमर्श में नहीं जोड़ा जाएगा, तब तक ऐसी घटनाएं दोहराई जाएंगी। हमें समझना होगा कि स्कूल सिर्फ पाठशाला नहीं, बच्चों का भविष्य है। और भविष्य की सुरक्षा तात्कालिक जुगाड़ से नहीं, दीर्घकालीन सोच और नीतिगत प्रतिबद्धता से सुनिश्चित होती है। जब तक शिक्षक को व्यवस्था की ढाल और बलि का बकरा बनाए रखा जाएगा, तब तक हर हादसे के बाद फाइलें ही जागेंगी, इंसान नहीं। **-फेसबुक वॉल से**


स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 1224, देवकाली रोड, निकट यश पेट्रोल पंप अयोध्या-224001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- विवेक सक्सेना*** 05278-352045 (कार्यालय), ईमेल- amritvicharayodhya@gmail.com आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/84450, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अयोध्या होगा)।

# अंतस

नेपाल की राजधानी काठमांडू में बागमती नदी के किनारे स्थित पशुपतिनाथ मंदिर भगवान शिव को समर्पित प्रसिद्ध हिंदू मंदिर है। पशुपति का अर्थ है, पशु मतलब 'जीवन' और पति का अर्थ है, 'स्वामी या मालिक'। इसी कारण पशुपतिनाथ को 'जीवन का देवता' या 'सभी प्राणियों का स्वामी' कहा जाता है।

## इस सप्ताह के व्रत और पर्व



- 30 जुलाई को श्रीकल्कि जयंती
- 31 जुलाई को तुलसीदास जयंती
- 01 अगस्त को मासिक दुर्गा अष्टमी
- 4 अगस्त को सावन का अंतिम सोमवार
- 05 अगस्त को पुत्रदा एकादशी

## सत्यम, शिवम, सुंदरम

सावन माह अब समाप्ति की तरफ है। शिव पुराण के अनुसार भगवान शिव स्वयं ही जल हैं। जो जल सभी प्राणियों में जीवन शक्ति का संचार करता है, वह स्वयं उस परमात्मा शिव का रूप है। इसीलिए गंगाजल के अभिषेक से शिव की आराधना को उत्तम फल प्रदान करने वाला माना जाता है। इसी तरह शिव शब्द का अर्थ 'कल्याण' है। शिव की उपासना मनुष्य के जीवन में 'सत्य' को धारण करके, 'शिवम' अर्थात कल्याणकारी पथ की ओर अग्रसर करके हमारे जीवन को 'सुंदर' स्वरूप प्रदान करती है।

## यूपी, उत्तरखंड में सावन के प्रमुख मेले



सावन में अगर शिव भक्तों और कांवरियों की भारी भीड़ से सबसे बड़ा मेला अगर हरिद्वार में नजर आता है, तो काशी की छटा भी यहां लगने वाले मेले के कारण निराली ही रहती है। काशी विश्वनाथ को भगवान शिव का दूसरा घर माना जाता है। यहां मंदिर में झूला श्रृंगार देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। अयोध्या का सावन झूला मेला भी प्रदेश में बड़ी पहचान रखता है। यह मेला श्रावण मास के शुक्ल पक्ष के तीसरे दिन से शुरू होता है। लखनऊ में मोहान रोड स्थित ऐतिहासिक बुद्धेश्वर महादेव मंदिर में सावन के बुधवार पर मेला लगता है। अब यहां 30 जुलाई और 6 अगस्त को मेला रहेगा। आगरा में कालिंदी के किनारे पौराणिकता को समेटे कैलाश मंदिर का मेला भी अंग्रेजों के जमाने से आसपास काफी प्रसिद्ध है। इसे लक्खी मेला भी कहा जाता है, और स्थानीय स्तर पर अवकाश घोषित रहता है। लखीमपुर जिसे छोटी काशी भी कहा जाता है, यहां भी सावन भर मेला लगता है।

होइहि सोइ जो राम रचि राखा।
को करि तर्क बढ़ावै साखा॥
अस कहि लगे जपन हरिनामा।
गईं सती जहँ प्रभु सुखधामा॥



जो कुछ राम ने रच रखा है, वही होगा। तर्क करके कौन शाखा (विस्तार) बढ़ाए। (मन में) ऐसा कहकर भोलेनाथ श्री हरि का नाम जपने लगे और सती वहां गईं, जहां सुख के धाम प्रभु श्रीराम थे। यह दोहा गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित 'रामचरितमानस' में बालकांड का है। प्रसंग उस समय का है जब माता सती ने शिव की इस बात पर विश्वास नहीं किया कि श्रीराम ही परम ब्रह्म और ईश्वर हैं और उनकी परीक्षा लेने निकल पड़ीं। शिव जो विश्वास के प्रतीक हैं, सदा सत्य बोलने वाले, त्रिकालदर्शी, देवों के देव, ज्ञानी, योगी, और सती के पति हैं और माता सती जिन्हें सारा संसार सर्वोपरि पतिव्रता के रूप में पूजता है, वही अपने पति शिव के वचनों पर विश्वास नहीं कर पाईं, तब भोलेनाथ ने यह विचार किया कि श्रीराम ने कुछ और ही रचा है और जो कुछ श्रीराम ने रच रखा है, वही होगा।

# पृथ्वी पर जीवन के देवता हैं पशुपतिनाथ





ऐसी मान्यता है कि जो कोई भगवान पशुपतिनाथ के दर्शन करता है, उसका जन्म फिर कभी पशु योनि में नहीं होता है। इस मंदिर का इतिहास पूर्व वैदिक काल का माना जाता है। मंदिर की वास्तुकला में पैगोडा शैली और पारंपरिक नेपाली डिजाइनों का मिश्रण देखा जा सकता है। सुनहरी छत, लकड़ी की नक्काशी और पवित्र वातावरण इसे एक अद्वितीय, आध्यात्मिक और धार्मिक आभा प्रदान करता है। यह मंदिर खुले में होने वाले दाह संस्कार के लिए भी प्रसिद्ध है। काठमांडू (नेपाल) स्थित पशुपतिनाथ मंदिर दुनिया भर के हिंदू धर्मावलंबियों का प्रमुख तीर्थ स्थल है। ऐसी मान्यता है कि भगवान शंकर के देह स्थल केदारनाथ और मुख स्थल पशुपतिनाथ के दर्शन के बाद ही 12 ज्योतिर्लिंग के दर्शन का पुण्य लाभ प्राप्त होता है। पशुपतिनाथ मंदिर को नेपाल की धार्मिक, सांस्कृतिक विरासत के साथ आर्थिक विकास का बड़ा स्रोत माना जाता है। शिवालयों का महत्व आम तौर पर सावन और शिवरात्रि में काफी बढ़ जाता है, लेकिन पशुपतिनाथ मंदिर का दृश्य और वातावरण हर दिन खास होता है। यहां पूरे साल श्रद्धालुओं की भीड़ लगी रहती है। सावन भर श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ता है। इस बार सावन के प्रथम सोमवार को लाखों श्रद्धालु पहुंचे थे। भारत के कोने-कोने से लोग पहुंचकर पशुपतिनाथ का जलाभिषेक करते हैं।

### चतुर्मुख लिंग के रूप में हुआ प्रकटीकरण

पौराणिक कथा के अनुसार भगवान शिव यहां पर चिंकारे का भेष धारण कर निद्रा में बैठे थे। बहुत खोजने के बाद वह देवताओं को मिले। देवताओं ने उन्हें वाराणसी ले जाने का बहुत प्रयास किया। इस दौरान बागमती नदी के दूसरे किनारे तक भागते हुए उनका सींग चार टुकड़ों में टूट गया। इसके बाद भगवान पशुपति चतुर्मुख लिंग के रूप में यहां प्रकट हुए थे। पशुपतिनाथ लिंग विग्रह में चार दिशाओं में चार मुख और ऊपरी भाग में पांचवां मुख है। प्रत्येक मुखाकार के दाएं हाथ में रुद्राक्ष की माला और बाएं हाथ में कमंडल है। प्रत्येक मुख अलग-अलग महत्व के हैं। इन सभी पांच मुखाकृतियों के पूजा का अलग-अलग महत्व है।

### केदारनाथ का माना जाता है आधा भाग

- पशुपतिनाथ मंदिर के प्रकटीकरण का कोई इतिहास नहीं फिर भी इसका महत्व सर्वव्यापी और सर्वविदित है। मान्यता है कि यहां आदि काल से ही शिव की उपस्थिति है। पशुपतिनाथ को शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक, केदारनाथ का आधा भाग माना जाता है।

### अनवरत जारी रहता है दाह संस्कार

- पशुपतिनाथ मंदिर नेपाल की राजधानी काठमांडू से तीन किलोमीटर उत्तर-पश्चिम देवपाटन गांव में बागमती नदी के समीप स्थित है। इस नदी को मोक्षदायिनी कहा जाता है। मंदिर के पश्चिम और दक्षिण छोर पर हिंदुओं के शवों का अंतिम संस्कार होता है। यहां चिताओं का जलना अनवरत जारी रहता है।

### अघोर, तत्पुरुष अर्धनारीश्वर सद्योजात और ईशान मुख

पशुपतिनाथ लिंग विग्रह में चारों दिशाओं में स्थापित चार मुखों में पहला 'अघोर' मुख है, जो दक्षिण दिशा की ओर है। पूर्व मुख को 'तत्पुरुष' कहते हैं। उत्तर मुख 'अर्धनारीश्वर' का रूप है। पश्चिमी मुख को 'सद्योजात' कहा जाता है। ऊपरी भाग 'ईशान' मुख के नाम से जाना जाता है। यह निराकार मुख है। यही भगवान पशुपतिनाथ का श्रेष्ठतम मुख माना जाता है।

### रुद्राभिषेक का खास महत्व हर पूजा के लिए शुल्क

पशुपतिनाथ मंदिर में रुद्राभिषेक का खास महत्व है। पहले रुद्राभिषेक या और कोई पूजा कराने के लिए पुजारियों की दक्षिणा स्वैच्छिक थी। लेकिन अब मंदिर प्रशासन ने इसके लिए सेवा शुल्क तय कर दिया है। विशेष पूजा के लिए एक अलग प्रकोष्ठ बनाया गया है। यहां चढ़ावा या पूजा शुल्क का बड़ा हिस्सा मंदिर के रखरखाव, कर्मचारियों के वेतन पर भी खर्च होता है।

पशुपतिनाथ मंदिर में कोई वीआईपी दर्शनार्थी नहीं होता। नेपाल का बड़ा से बड़ा आदमी या राजनेता भी आ जाए तो आम श्रद्धालुओं के दर्शन में कोई व्यवधान नहीं होता। यहां तक कि राष्ट्रपति के आगमन पर भी मंदिर के भीतर सब कुछ सामान्य चलता रहता है।

### दक्षिण भारतीय भट्ट पुजारियों की नियुक्ति की परंपरा

*नेपाल के राजाओं ने 1747 से ही पशुपतिनाथ मंदिर में भगवान की सेवा के लिए भारतीय ब्राह्मणों को आमंत्रित किया था। सर्वप्रथम दक्षिण भारतीय ब्राह्मण को 'पशुपतिनाथ मंदिर' का प्रधान पुरोहित नियुक्त किया गया। दक्षिण भारतीय भट्ट ब्राह्मण ही इस मंदिर के प्रधान पुजारी नियुक्त होते रहे हैं, और इन्हें ही मंदिर के शिवलिंग को स्पर्श करने का अधिकार है। 2009 में माओवादियों ने पशुपतिनाथ मंदिर में घुसकर भारतीय पुजारियों का विरोध करते हुए उनके साथ दुर्व्यवहार किया था। लेकिन नेपाल की तत्कालीन सरकार ने सूझबूझ से इसे संभाल लिया था। मंदिर में भारतीय भट्ट पुजारियों के नियुक्ति की परंपरा लगातार कायम है।*



**लेखक : यशोदा श्रीवास्तव**

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं। कई राष्ट्रीय स्तर के समाचार पत्रों और पत्रिकाओं से जुड़े रहे। भारत-नेपाल मामलों के जानकार हैं।

# कुदरकोट से रुक्मिणी का हरण कर ले गए थे श्रीकृष्ण

कानपुर से करीब 90 किमी दूर स्थित है औरैया जिला। यहां बिधूना विकास खंड में एक गांव है, कुदरकोट। इसे कभी कुंदनपुर नाम से जाना जाता था। इस गांव की मान्यता द्वारिकाधीश श्रीकृष्ण की ससुराल के रूप में है। पौराणिक कथा के अनुसार कुंदनपुर के राजा भीष्मक की पुत्री रुक्मिणी का विवाह श्रीकृष्ण से हुआ था। श्रीमद्भागवत पुराण में आए उल्लेख के अनुसार लगभग पांच हजार वर्ष पूर्व कुंडिनपुर (मौजूदा कुदरकोट) में धर्मप्रिय राजा भीष्मक का शासन था। उनके पांच पुत्र रुक्मी, रुक्मरथ, रुक्मबाहु, रुक्मकेस तथा रुक्ममाली के अलावा एक पुत्री रुक्मिणी थी। भीष्मक के बेटे रुक्मी की मित्रता शिशुपाल से थी। इसके चलते वह अपनी बहन रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल से कराना चाहता था। इसके विपरीत राजा भीष्मक व पुत्री रुक्मिणी की इच्छा श्रीकृष्ण से विवाह करने की थी। लेकिन राजा भीष्मक की अपने पुत्र रुक्मी के आगे नहीं चली, विवश होकर उन्होंने बेटी रुक्मिणी का विवाह शिशुपाल के साथ तय कर दिया, किंतु रुक्मिणी ने शिशुपाल के साथ शादी करने से इंकार कर दिया और द्वारका नगरी में श्रीकृष्ण के पास एक दूत भेजकर खुद को हरण करने का आग्रह किया। श्रीकृष्ण ने रुक्मिणी का संदेश स्वीकार कर लिया। पौराणिक उल्लेख के अनुसार श्रीकृष्ण आए और पांडु नदी को पार करके रुक्मिणी का हरण करके अपने साथ द्वारका ले गए और वहां विवाह करके उन्हें अपनी रानी बनाया। श्रीकृष्ण के रुक्मिणी का हरण करने को लेकर प्रचलित कथा यह है कि कुंदनपुर में उस समय परंपरा थी कि विवाह से पूर्व कुंवारी लड़कियां किले में बने गौरी मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए जाती थीं। शिशुपाल से विवाह तय होने के बाद रुक्मिणी भी गौरी मंदिर में पूजा के लिए गई थीं, इसी दौरान श्रीकृष्ण उन्हें अपने साथ ले गए थे। कहा जाता है कि मंदिर में स्थापित मां गौरी की मूर्ति रुक्मिणी के हरण के बाद अलोप हो गई थी। इसी कारण तब से यह स्थान अलोपा देवी के नाम से प्रसिद्ध हो गया। बाद में यहां अलोपा देवी का मंदिर बनाया गया। गौरी मंदिर से पश्चिम दिशा में राजा भीष्मक ने पुरहा नदी के किनारे एक शिवलिंग की स्थापना कराई थी, जो भगवान भयानक नाथ मंदिर के नाम से बिधूना-भरथना मार्ग पर मौजूद है। मान्यता है कि अज्ञातवास के समय पांडव (युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल व सहदेव) अपनी मां कुन्ती के साथ इस मंदिर पर कुछ समय के लिए रुके थे। इस दौरान उनके द्वारा राजा भीष्मक द्वारा स्थापित शिवलिंग की पूजा अर्चना भी की गई थी। इसके चलते इसे सिद्ध शिवलिंग माना जाता है और आसपास के क्षेत्र में सावन में जलाभिषेक करने पर मनोकामना पूरी होने की मान्यता है।

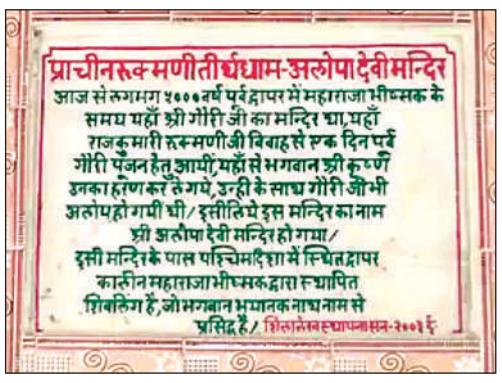




- राजा भीष्मक की राजधानी और द्वारिकाधीश की ससुराल नहीं बन पाई मथुरा और वृंदावन जैसा पौराणिक स्थल
- किला परिसर में स्थापित मां गौरी की मूर्ति रुक्मिणी हरण के बाद अलोप हो गई थी, अब यहां पर है अलोपा देवी का मंदिर
- सावन में भयानक नाथ मंदिर के शिवलिंग पर जल चढ़ाने की मान्यता, अज्ञातवास के दौरान रुके थे यहां पांडव

वर्तमान में कुदरकोट गांव जो कभी कुंडिनपुर था, बाद में कुंदनपुर के नाम से जाना गया। इतिहासकारों के अनुसार तत्कालीन कुंदनपुर कस्बे पर जब मुगलों का शासन हुआ तब इसका नाम बदलकर कुदरकोट कर दिया गया था। मुगलों ने इस स्थान का पौराणिक महत्व जानकर भौगोलिक स्थिति बदलने का प्रयास किया, लेकिन आज भी यहां राजा भीष्मक के 50 एकड़ में फैले महल के अवशेष दिखाई पड़ते हैं। आज जिस स्थान पर माध्यमिक विद्यालय स्थित है, वहां पर कभी राजा भीष्मक के महल का मुख्य प्रवेश द्वार था।



**लेखक: समिधा मिश्रा**

कानपुर, लेखिका पूर्व बैंक अधिकारी हैं और वर्तमान में कृपालु महाराज की शिष्या के रूप में समर्पित हैं।

बोध कथा

# दया का महत्व

गौतम ऋषि ने मनुष्य के लिए आवश्यक संस्कारों का निर्देश देते हुए आठ आत्मगुणों पर बल दिया है। उन्होंने 'दया सर्वभूतेषु'- सभी मनुष्य मात्र पर दया को प्रथम स्थान प्रदान किया है। दया का भाव क्या है? दुःखीजनों का दुःख दूर करने की अभिलाषा को दया कहते हैं। बिना दया के इस संसार का संचालन सम्भव ही नहीं है। बालक का जन्म होते ही माता सर्वप्रथम उस पर दया करती है। माता की सदैव इच्छा रहती है कि मेरा बच्चा कभी भूखा न रहे, बीमार न पड़े, मुस्कुराता व साफ-स्वच्छ रहे। इसी दया से प्रेरित होकर वह स्वयं अनेक कष्ट सहकर बच्चे का लालन-पोषण करती है। गुरु यदि दया कर दे तो सामान्य शिष्य भी शास्त्र-पारंगत हो सकता है। दयावान के शासन में समस्त प्रजा अपने को सुखी स्वीकार करती है। हममें दया है, लेकिन वह सीमित है। मनुष्य ज्ञानवान अवश्य है, परन्तु सर्वज्ञ नहीं। अज्ञानवश मनुष्य किसी से राग और किसी से द्वेष करता है। इसीलिए संसारी मनुष्य की दया की सीमा होती है। ज्ञान के सन्दर्भ में शास्त्र का मत है कि मनुष्य का ज्ञान सीमित होने से ईश्वर का अस्तित्व सिद्ध हो जाता है। आकाश सीमा में बंधा हुआ नहीं है। कहीं भी हम आकाश के अभाव का अनुभव नहीं कर सकते। जहां पर परिपूर्ण ज्ञान सिद्ध हो, वहीं ईश्वर है ऐसा स्वीकार करना चाहिए। हमारी सीमित दया का भी कोई प्रतियोगी अवश्य है, जो अव्यक्त, नित्य एवं सर्वज्ञ है, वही समान रूप से सम्पूर्ण जीवों का हित करता है। लौकिक माता-पिता तो अपने परिवार पर ही दया करते हैं, परन्तु प्रभु तो सर्वत्र दया करते हैं।



प्रभु सारे संसार के पिता हैं। वे भक्तों के अन्तःकरण में बैठकर अपने ज्ञानदीप से हमें अकाश दे रहे हैं। हम कष्ट आने पर दूसरों से दया चाहते हैं। आचार्य गोरेलाल जी कहते हैं" भगवान शिव ! हम जैसे याचकों की कामनाएं पूर्ण करने वाले, आपके रहते हुए यदि हम याचक - मुद्रा प्रदर्शित करते हुए दूसरे का अनुसरण करते हैं, तो हमारी जैसी ही स्थिति होगी, जैसी दूध दुहने की इच्छा से कामधेनु के रहते हुए दुलत्ती मारने वाली ऊंटनी का अनुसरण करने से होती है।" प्रभु भक्ति मात्र से सन्तुष्ट होकर कष्टों का निवारण करते हैं। भगवान की भव्य-भक्ति का आश्रय लेकर उनकी दया प्राप्त करने से ही मनुष्य-जन्म सार्थक होगा।

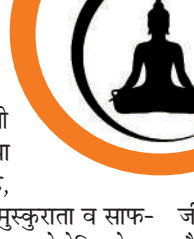

**लेखक: डॉ. विजय प्रकाश त्रिपाठी, कानपुर**

| बाजार | सेंसेक्स ↓ | निफ्टी ↓ |
|---|---|---|
| बंद हुआ | 80,891.02 | 24,680.90 |
| गिरावट | 572.07 | 156.10 |
| प्रतिशत में | 0.70 | 0.63 |

सोना : 98,020 प्रति 10 ग्राम

चांदी : 1,13,000 प्रति किलो

अमृत विचार

अयोध्या, मंगलवार, 29 जुलाई 2025

www.amritvichar.com



## बिजनेस ब्रीफ

### अदाणी ग्रीन की दो परियोजनाएं रद्द

**अमरावती।** आंध्र प्रदेश सरकार ने अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की दो पंप हाइड्रो भंडारण बिजली परियोजनाओं (पीएसपी) - 1,200 मेगावाट की कुरुकुट्टी और 1,000 मेगावाट की करीवालासा - को कंपनी के अनुरोध पर स्थानीय मुद्दों के कारण रद्द कर दिया है। एक शीर्ष अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। एक सरकारी आदेश (जीओ) में मुख्य सचिव के विजयानंद ने कहा कि एजीईएल ने आंध्र प्रदेश और ओडिशा के बीच सीमा विवाद के कारण इन परियोजनाओं को रद्द करने के लिए सरकार को पत्र लिखा था।

### पाकिस्तान के साइबर हमलों को किया नाकाम

**श्रीनगर।** पहलगाम आतंकी हमले के बाद जम्मू-कश्मीर बैंक की वेबसाइट पर पाकिस्तान से कई साइबर हमले हुए, लेकिन मजबूत सुरक्षा प्रणाली के कारण ऐसे सभी प्रयास विफल हो गए। जम्मू-कश्मीर (जेएंडके) बैंक के प्रबंध निदेशक (एमडी) और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अमिताव चटर्जी ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि पहलगाम आतंकी हमले के एक दिन बाद ही पड़ोसी देशों और अन्य जगहों से साइबर हमले शुरू हो गए थे। बैंक ने एहतियाती कदम उठाए हैं।

# भारतीय अर्थव्यवस्था बढ़ोतरी की ओर कर्ज वृद्धि में नरमी बनी चिंता का विषय

## वित्त मंत्रालय ने कहा- अमेरिका में कमजोर आर्थिक वृद्धि दर निर्यात की मांग कम कर सकती

नई दिल्ली, एजेंसी

वित्त मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि चालू वित्त वर्ष में भारतीय अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर आगे बढ़ रही है। हालांकि, कर्ज वृद्धि में सुस्ती जरूर चिंता का विषय है। मंत्रालय ने अपनी मासिक आर्थिक समीक्षा में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में घरेलू आपूर्ति और मांग की बुनियाद मजबूत दिखाई दे रहे हैं।

मुद्रास्फीति लक्ष्य के दायरे में रहने और मानसून में अच्छी प्रगति के साथ घरेलू अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत मजबूती के साथ वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी तिमाही में प्रवेश की है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर तनाव और नहीं बढ़ा है, लेकिन वैश्विक नरमी, विशेष रूप से अमेरिका में कमजोर आर्थिक वृद्धि दर भारतीय निर्यात की मांग को और कम कर सकती है। अमेरिकी की आर्थिक वृद्धि दर 2025 की पहली तिमाही में 0.5 प्रतिशत घटी है। मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया, अमेरिकी शुल्क के मोर्चे पर जारी अनिश्चितता आने वाली तिमाहियों में भारत के व्यापार प्रदर्शन पर भारी पड़ सकती है। धीमी ऋण वृद्धि और निजी निवेश आर्थिक गति में तेजी को सीमित कर सकता है। इसके अलावा, थोक मूल्य सूचकांक में गिरावट के रुख को देखते हुए, बाजार मूल्य पर आर्थिक गति पर गौर करने की जरूरत होगी। स्थिर मूल्य पर आर्थिक गतिविधियां वास्तविकता से कहीं अधिक बेहतर दिखाई दे सकती हैं।

समीक्षा में कहा गया, कुल मिलाकर, जहां तक वित्त वर्ष 2025-26 का सवाल है, अर्थव्यवस्था स्थिर रुख के साथ वृद्धि के रास्ते पर अपनी गति को बनाये हुए है। मंत्रालय ने कहा कि मौद्रिक नीति के स्तर पर नरमी और बैंकों के मजबूत बही-खातों के बावजूद, कर्ज वृद्धि धीमी हुई है। यह स्थिति कर्ज लेने वालों की सतर्क भावना और संभवतः कर्ज देने वालों के जोखिम से बचने के रुख को बताती है। मासिक समीक्षा के अनुसार, कम उधारी लागत के कारण कंपनियों के बीच बॉन्ड बाजार, विशेष रूप से वाणिज्यिक पत्रों के प्रति बढ़ती रुचि भी इस बदलाव का कारण हो सकता है।

### 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करना है

मंत्रालय ने कहा कि रोजगार से जुड़ी प्रोत्साहन (ईएलआई) योजना जैसे उपायों के साथ, अब समय आ गया है कि कंपनियां इस दिशा में कदम बढ़ाएं। कुल 99,446 करोड़ रुपये के व्यय के साथ, ईएलआई योजना का उद्देश्य विनिर्माण क्षेत्र पर विशेष ध्यान देते हुए, दो वर्षों की अवधि में देश में 3.5 करोड़ से अधिक नौकरियों के सृजन को प्रोत्साहित करना है। व्यापार तनाव, वैश्विक स्तर पर अस्थिरता और बाहरी अनिश्चितताओं जैसी वैश्विक चुनौतियों के बावजूद, भारत की वृहद आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है।

## एफटीए: पेटेंट नियमों में बदलाव न होने से जेनेरिक दवा क्षेत्र को बड़ी राहत

**नई दिल्ली।** भारत और ब्रिटेन के बीच पिछले सप्ताह हुए मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) में पेटेंट अवधि बढ़ाने या डेटा की विशिष्टता को अनिवार्य नहीं किया गया है। वाणिज्य मंत्रालय के एक दस्तावेज से यह जानकारी सामने आई है। इस कदम से भारत के घरेलू जेनेरिक दवा उद्योग के हितों को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी। ब्रिटेन एफटीए में डेटा की विशिष्टता का प्रावधान शामिल करने की लगातार मांग कर रहा था। लेकिन भारत ने इस मांग को मानने से इनकार कर दिया है।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि एफटीए में पेटेंट अवधि के विस्तार या डेटा की विशिष्टता को अनिवार्य नहीं किया गया है। छोटे-मोटे बदलावों के साथ उत्पाद का पेटेंट अपने पास रखने के लिए दवा कंपनियां ये दोनों तरीके अपनाती हैं। भारत और ब्रिटेन के बीच 24 जुलाई को लंदन में मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। हालांकि, इस समझौते को लागू होने में एक साल का समय लग सकता है। मंत्रालय ने यह भी बताया कि भारतीय पेटेंट अधिनियम की धारा 3(डी) के तहत पेटेंट पात्रता मानकों पर भारत के पेटेंट कानून प्रावधान पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

## औद्योगिक उत्पादन वृद्धि 10 माह के निचले स्तर पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- जून में सुस्त पड़कर 1.5 प्रतिशत पर पहुंची, खनन और बिजली क्षेत्रों में कमजोर प्रदर्शन

खनन और बिजली क्षेत्रों के कमजोर प्रदर्शन के कारण देश के औद्योगिक उत्पादन में वृद्धि इस साल जून महीने में सुस्त पड़कर 10 महीने के निचले स्तर 1.5 प्रतिशत पर रही। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ें में यह जानकारी दी गई। मानसून के जल्दी आने से खनन और बिजली क्षेत्र की गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) के रूप में मापा जाने वाला औद्योगिक उत्पादन बीते साल जून में 4.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा था। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) ने मई के औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर के आंकड़े को भी संशोधित कर 1.9 प्रतिशत कर दिया है, जबकि पहले इसके 1.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था। अगस्त, 2024 के बाद औद्योगिक उत्पादन वृद्धि सबसे कम है। उस समय इसकी वृद्धि स्थिर रही थी। एनएसओ के आंकड़ों के अनुसार, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन वृद्धि जून, 2025 में मामूली रूप से बढ़कर 3.9 प्रतिशत रही, जो एक साल पहले इसी महीने में 3.5 प्रतिशत थी। खनन उत्पादन में 8.7 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसमें 10.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी।

बिजली उत्पादन में जून, 2025 में 2.6 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 8.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। वित्त वर्ष 2025-26 की अप्रैल-जून अवधि के दौरान औद्योगिक उत्पादन में दो प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 5.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

## शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 572 अंक लुढ़का

- भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच बाजार में गिरावट आई

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में सोमवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट जारी रही। बीएसई सेंसेक्स जहां 572 अंक लुढ़क गया, वहीं एनएसई निफ्टी 156 अंक के नुकसान में रहा। कोटक महिंद्रा बैंक में भारी बिकवाली और भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता के बीच बाजार में गिरावट आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 572.07 अंक यानी 0.70 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,891.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 686.65 अंक तक लुढ़क गया था। पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 156.10 अंक यानी 0.63 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,680.90 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 35 शेयर नुकसान में जबकि 15 बढ़त में रहे। विश्लेषकों के अनुसार, निराशाजनक तिमाही नतीजों और एफआईआई की लगातार बिकवाली से शेयर बाजार में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट आई। इस दौरान निफ्टी दो प्रतिशत यानी 539 अंक से ज्यादा लुढ़क गया, जबकि सेंसेक्स 1,835 अंक यानी 2.2 प्रतिशत की गिरावट के साथ लगभग दो महीने के निचले स्तर पर आ गया। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर में 7.31 प्रतिशत की गिरावट आई।

## टीसीएस में छंटनी पर सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय की नजर

नई दिल्ली, एजेंसी

- 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी की घोषणा के बाद से लगातार कंपनी के संपर्क में मंत्रालय

सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय देश की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) में 12,000 से अधिक कर्मचारियों की छंटनी किए जाने की घोषणा के बाद की स्थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि मंत्रालय टीसीएस मामले में पूरी स्थिति पर कड़ी नजर रख रहा है और लगातार कंपनी के संपर्क में है।

सूत्रों के मुताबिक, सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय इस घटनाक्रम को लेकर चिंतित है और इस फैसले के पीछे की असली वजह को समझने के लिए इसकी जांच करेगा। सरकार का यह रुख इस लिहाज से महत्वपूर्ण है कि भारत की सबसे बड़ी आईटी सेवा कंपनी टीसीएस ने इस साल 12,261 कर्मचारियों की छंटनी करने की घोषणा की है जो उसके कुल वैश्विक कार्यबल का दो प्रतिशत है। इस कदम का सबसे ज्यादा असर मध्यम और वरिष्ठ स्तर के कर्मचारियों पर पड़ेगा। कुल कर्मचारियों की संख्या 30 जून, 2025 तक 6,13,069 थी। हाल ही में समाप्त जून तिमाही में इसने अपने कर्मचारियों की संख्या में 5,000 की बढ़ोतरी की थी।

पांच क्षेत्रों - दवा, दूरसंचार सेवाएं, संगठित खुदरा, एल्युमीनियम और एयरलाइन - ने पहली तिमाही में भारतीय कंपनियों की राजस्व वृद्धि में महत्वपूर्ण योगदान दिया। क्रिसिल इंटेलिजेंस के निदेशक पुशन शर्मा ने कहा, मानसून के जल्दी आने और भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के कारण अप्रैल-जून में कुछ क्षेत्रों पर गहरा प्रभाव पड़ने का अनुमान है। बारिश के कारण पड़ी हल्की गर्मी ने बिजली की मांग को कम कर दिया। इसके चलते बिजली क्षेत्र के राजस्व में सालाना आधार पर आठ प्रतिशत की गिरावट देखी जा रही है। शर्मा ने कहा कि कम मांग ने बिजली की हाजिर कीमतों को भी नीचे ला दिया, और कोयले की मांग में 2-3 प्रतिशत की कमी आई। उन्होंने कहा, ''दूसरी ओर, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं ने आईटी सेवा क्षेत्र को प्रभावित किया है। इस क्षेत्र में शुल्क संबंधी चिंताओं के कारण परियोजनाओं में देरी के कारण राजस्व वृद्धि सालाना आधार पर स्थिर देखी जा रही है, जिससे गतिविधियों में सुस्ती आई है। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने कहा कि इस्पात क्षेत्र के राजस्व में सालाना आधार पर 1-3 प्रतिशत की मामूली वृद्धि होने की उम्मीद है।

## भारतीय कंपनियों की राजस्व वृद्धि पहली तिमाही में 4-6 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली, एजेंसी

- क्रिसिल इंटेलिजेंस ने लगाया अनुमान, यह आंकड़ा पिछली दो तिमाहियों से लगभग सात प्रतिशत से कम

चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत के कॉरपोरेट क्षेत्र की राजस्व वृद्धि दर मामूली रूप से 4-6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने यह अनुमान लगाया है। यह आंकड़ा पिछली दो तिमाहियों से लगभग सात प्रतिशत से कम है। क्रिसिल इंटेलिजेंस ने बयान में कहा कि विश्लेषण में शामिल 600 से अधिक कंपनियों के राजस्व में बिजली, कोयला, आईटी सेवाओं और इस्पात क्षेत्रों की हिस्सेदारी एक-तिहाई है।

## राष्ट्रीय

# राज्यसभा में विपक्ष का हंगामा, नहीं चल पाई कार्यवाही

## बिहार में मतदाता सूचियों के एसआईआर सहित विभिन्न मुद्दों पर गतिरोध जारी

**मानसून सत्र**

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद के मानसून सत्र के दौरान बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते विपक्षी नेता।

बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) सहित विभिन्न मुद्दों पर विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण राज्यसभा में पिछले सप्ताह से जारी गतिरोध सोमवार को बरकरार रहा और बैठक को दो बार के स्थगन के बाद दोपहर दो बज कर दो मिनट पर पूरे दिन के लिए स्थगित कर दिया गया। हंगामे की वजह से उच्च सदन में आज भी शून्यकाल और प्रश्नकाल नहीं हो पाया।

गत सप्ताह 21 जुलाई से शुरू हुए मानसून सत्र के दौरान विपक्षी सदस्यों के हंगामे के कारण उच्च सदन में कोई कामकाज सामान्य ढंग से नहीं हो पाया है। इससे पहले, अपराह्न 11 बजे बैठक शुरू होने पर तमिलनाडु से अन्नाद्रमुक के दो सदस्यों एन धनपाल तथा आई एस इनबादुरै को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ दिलाई गई। धनपाल तथा इनबादुरै ने तमिल में शपथ ली। इसके बाद उप सभापति हरिवंश ने बताया कि उन्हें नियम 267 के तहत नियत कामकाज स्थगित कर विभिन्न मुद्दों पर तत्काल चर्चा के लिए 26 नोटिस मिले हैं। उन्होंने बताया कि ये नोटिस एसआईआर, बंगाली प्रवासी कामगारों के साथ दूसरे राज्यों में कथित दुर्व्यवहार, उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों का विलय कर सूचना का अधिकार अधिनियम का कथित उल्लंघन और छत्तीसगढ़ में दो ननों की गिरफ्तारी के मुद्दों को लेकर हैं।

हरिवंश ने कहा कि ये सभी नोटिस पूर्व में आसन द्वारा दी गई व्यवस्था के आलोक में समुचित नहीं पाए गए, इसलिए इन्हें स्वीकार नहीं किया गया। अपने नोटिस खारिज किए जाने पर विरोध जताते हुए विपक्षी दलों के सदस्यों ने हंगामा शुरू कर दिया। कुछ सदस्य अपने स्थानों से आगे आ गए। उप सभापति ने सदस्यों से शांत रहने और अपने स्थानों पर लौट जाने के लिए कहा। उन्होंने शून्यकाल के तहत नाम निर्देशित सदस्य सुधा मूर्ति से अपना मुद्दा उठाने को कहा।

### सत्तापक्ष के लोग मणिपुर की घटना, सैन्य अधिकारी पर टिप्पणी के खिलाफ भी खड़े होते तो अच्छा होता: डिंपल

**नई दिल्ली।** समाजवादी पार्टी की सांसद डिंपल यादव ने अपने ऊपर एक मौलाना द्वारा आपत्तिजनक टिप्पणी करने के खिलाफ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों के प्रदर्शन को लेकर सोमवार को कहा कि अच्छा होता कि सत्तापक्ष के लोग मणिपुर में महिलाओं के साथ हुई घटना और सेना की एक महिला अधिकारी पर भाजपा नेताओं की विवादित टिप्पणियों को लेकर भी इसी तरह खड़े होते। उन्होंने यह भी कहा कि अच्छी बात है कि उनके खिलाफ टिप्पणी मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई है। साजिद रशीदी नामक एक मौलाना ने एक टेलीविजन चैनल के कार्यक्रम में डिंपल यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। उनके खिलाफ लखनऊ में एक मामला दर्ज किया गया है। डिंपल यादव के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में राजग के कई सांसदों ने संसद भवन के 'मकर द्वार' के निकट विरोध प्रदर्शन किया। सत्तापक्ष के विरोध प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर डिंपल ने कहा, अच्छा होता कि मणिपुर में घटना, जिसका वीडियो सोशल मीडिया में आया था, के खिलाफ खड़े होते तो अच्छा होता। ऑपरेशन सिंदूर के समय भाजपा के कई बड़े-बड़े नेताओं द्वारा सेना की अधिकारी (सोफिया कुरैशी) के खिलाफ किस तरह से बात की गई। अगर ये (सत्तापक्ष के सांसद) उनके साथ खड़े दिखाई देते तो अच्छा होता।

## कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ टिप्पणीः सार्वजनिक माफी न मांगने पर मप्र के मंत्री को सुप्रीम फटकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- पीठ ने कहा- वह अदालत के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं

सुप्रीम कोर्ट ने मध्यप्रदेश के मंत्री कुंवर विजय शाह को भारतीय सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ उनकी टिप्पणी को लेकर सार्वजनिक रूप से माफी न मांगने पर सोमवार को फटकार लगाई और कहा वह कोर्ट के धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि मंत्री का व्यवहार अदालत को उनकी मंशा पर संदेह पैदा करने के लिए मजबूर कर रहा है। पीठ ने कहा, इस तरह की माफी से आपका क्या मतलब है? उन्होंने पहली तारीख को ही यह बयान दे दिया था। हम एक सार्वजनिक माफी की बात कर रहे हैं। यह रिकॉर्ड में कहां है? वह हमारे धैर्य की परीक्षा ले रहे हैं। शाह की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता के. परमेश्वर ने कहा कि उनके मुवक्किल ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी है जिसे ऑनलाइन मंच पर साझा किया गया था और इसे अदालत के रिकॉर्ड में रखा जाएगा। पीठ ने कहा, ऑनलाइन माफी क्या होती है? हमें उनकी मंशा पर संदेह होने लगा है। आप माफीनामा रिकॉर्ड में रखें। हमें इसे देखना होगा।

पीठ ने बयानों की जांच के लिए गठित एसआईटी को 13 अगस्त तक रिपोर्ट न्यायालय में दाखिल करने को कहा। एसआईटी के एक अधिकारी सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट लेकर अदालत में पेश हुए, जिसमें कहा गया कि जांच दल द्वारा पूछताछ किए गए 27 लोगों के बयानों की पड़ताल की जा रही है।

## ममता ने पिछले दरवाजे से एनआरसी लाने पर भाषा आंदोलन किया शुरू

बोलपुर (पश्चिम बंगाल), एजेंसी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा विरोधी अपने आक्रामक अभियान को तेज करते हुए सोमवार को 'भाषा आंदोलन' शुरू किया। ममता ने केंद्र और निर्वाचन आयोग पर एनआरसी को 'पिछले दरवाजे से' लागू करने की साजिश रचने और बांग्लाभाषी प्रवासियों के खिलाफ 'भाषाई आतंकवाद' करने का आरोप लगाया।

उन्होंने नोबेल पुरस्कार विजेता रवींद्रनाथ टैगोर द्वारा स्थापित सांस्कृतिक स्थल बोलपुर से राज्यव्यापी 'बांग्ला भाषा आंदोलन' की शुरुआत करते हुए घोषणा की कि वह जान दे देंगी, लेकिन अपनी भाषा नहीं छोड़ेंगी। उन्होंने मतदाता सूची संशोधन की आड़ में बंगाली अस्मिता को मिटाने, गरीबों को मताधिकार से वंचित करने या प्रवासियों को बाहर निकालने के प्रयासों के खिलाफ खड़े होने का संकल्प लिया।

## पंजाब में वैन के नहर में गिरने से 8 की मौत

**लुधियाना।** पंजाब के लुधियाना जिले में जगेरा पुल के पास एक वैन के सरहिंद नहर में गिरने से उसमें सवार आठ लोगों की मौत हो गई। यह घटना रविवार रात को हुई, जब लगभग 30 श्रद्धालुओं का एक समूह हिमाचल प्रदेश स्थित माता नैना देवी मंदिर के दर्शन करके लौट रहा था।

पुलिस ने बताया कि वैन नहर में तब गिर गई, जब उसके चालक ने एक अन्य वाहन से आगे निकलने की कोशिश करते समय गाड़ी पर से नियंत्रण खो दिया। पायल के पुलिस उपाधीक्षक हेमंत मल्होत्रा ने बताया कि सरहिंद नहर से दो और शव बरामद होने के साथ ही मृतकों की संख्या आठ हो गई है।

## पश्चिम बंगाल ओबीसी सूची को लेकर कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

- सीजेआई ने कहा- प्रथम दृष्टया आदेश त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को राहत देते हुए सोमवार को कलकत्ता उच्च न्यायालय के 17 जून के उस फैसले पर रोक लगा दी, जिसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) की संशोधित सूची के कार्यान्वयन को स्थगित कर दिया गया था।

सीजेआई बीआर गवई, न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ ने राज्य सरकार की अपील पर सुनवाई करते हुए कहा, प्रथम दृष्टया उच्च न्यायालय का आदेश त्रुटिपूर्ण प्रतीत होता है। प्रधान न्यायाधीश ने सुझाव दिया कि यदि पक्षकार इच्छुक हों तो वे उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश से अनुरोध कर सकते हैं कि वे इस मुद्दे पर छह सप्ताह के निर्धारित समय सीमा में निर्णय करने के लिए एक नई पीठ गठित करें। इससे पहले पीठ ने राज्य सरकार का पक्ष रखने के लिए पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा, सरकार ने, राज्य ने, कितने सैकड़ों मंदिरों का नियंत्रण अपने हाथ में लिया है? उन्हें जो भी दान मिल रहा हो... बेहतर होगा कि आप वहां जाएं और पता करें।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति

## कोर्ट ने बांके बिहारी मंदिर समिति से कहा- पता करें सरकारों ने कितने मंदिरों को अपने अधिकार में लिया

नई दिल्ली, एजेंसी

- श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश-2025 के खिलाफ दायर याचिका पर पीठ ने की सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा स्थित ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर की प्रबंधन समिति से कहा कि वह पता करे कि भारत में कितने मंदिरों का प्रशासनिक नियंत्रण सरकारों ने कानूनों के जरिये अपने हाथ में ले लिया है। शीर्ष अदालत ने प्रबंधन समिति की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल से पूछा, सरकार ने, राज्य ने, कितने सैकड़ों मंदिरों का नियंत्रण अपने हाथ में लिया है? उन्हें जो भी दान मिल रहा हो... बेहतर होगा कि आप वहां जाएं और पता करें।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसे उत्तर प्रदेश श्री बांके बिहारी जी मंदिर न्यास अध्यादेश-2025 के खिलाफ दायर किया गया है। मथुरा स्थित ठाकुर श्री बांके बिहारी जी महाराज मंदिर की प्रबंधन समिति की ओर से अधिवक्ता तन्वी दुबे के जरिये दायर याचिका में इस अध्यादेश को चुनौती दी गई है जिसमें मंदिर के प्रशासन का नियंत्रण राज्य सरकार को सौंप दिया गया है। जब उसे सूचित किया गया कि मंदिर से संबंधित एक अन्य आवेदन अलग पीठ के समक्ष लंबित है, तो शीर्ष अदालत ने कहा कि दोनों मामलों को एकल पीठ के समक्ष सूचीबद्ध करने के लिए भारत के प्रधान न्यायाधीश के आदेश की आवश्यकता है। सुनवाई की शुरुआत में पीठ ने सवाल किया कि याचिकाकर्ता इलाहाबाद हाईकोर्ट के बजाय सीधे शीर्ष अदालत क्यों गए।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### ओडिशा: 20,000 रुपये में बेच दी नवजात बच्ची

**भुवनेश्वर।** ओडिशा के बलांगीर जिले में पुलिस ने सोमवार को एक 28 दिन की नवजात बच्ची को बचाया जिसे उसके माता-पिता ने अत्यधिक गरीबी के कारण 20 हजार रुपये के लिए बेच दिया था। टिटलागढ़ के उपमंडल पुलिस अधिकारी कल्याण बेहरा ने बताया कि पुलिस ने पड़ोसी बरगढ़ जिले के पैकामल स्थित एक दंपति के घर से शिशु को मुक्त कराया और उसे बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) को सौंप दिया। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस मामले में किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है क्योंकि कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई थी।

### बांग्लादेश: विमान हादसे की जांच के लिए आयोग

**ढाका।** बांग्लादेश सरकार ने पिछले हफ्ते ढाका में वायुसेना के प्रशिक्षण विमान के एक स्कूल परिसर में दुर्घटनाग्रस्त हो जाने की घटना की जांच के लिए नौ सदस्यीय आयोग का गठन किया है। इस हादसे में 34 लोगों की मौत हो गई थी, जिनमें अधिकतर विद्यार्थी शामिल थे। चीन निर्मित एफ-7 बीजीआई विमान में पिछले सोमवार को ढाका के उत्तर क्षेत्र से उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद तकनीकी खराबी आ गई थी और वह माइलस्टोन स्कूल एवं कॉलेज की दो मंजिला इमारत से टकरा गया था।

### राजकपूर, दिलीप कुमार के घरों का पुनर्निर्माण शुरू

**पेशावर।** पाकिस्तान के पेशावर स्थित भारतीय अभिनेता दिलीप कुमार और राज कपूर के पैतृक घरों का पुनर्निर्माण कार्य आधिकारिक तौर पर सोमवार को शुरू हो गया। पुरातत्व निदेशक डॉ. अब्दुस समद ने बताया कि यह परियोजना दो वर्षों में पूरी हो जाएगी और इसकी अनुमानित लागत सात करोड़ रुपये होगी। खैबर पख्तूनख्वा सरकार ने परियोजना के लिए धनराशि जारी की। इस परियोजना में ऐतिहासिक आवासों का संरचनात्मक और सौंदर्यपरक जीर्णोद्धार शामिल है।

### वीआईटी के दो छात्रों की झरने में डूबने से मौत

**सीहोर।** मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में रविवार शाम पिकनिक मनाने के दौरान घने जंगलों में स्थित एक झरने में डूबने से वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान (वीआईटी) के दो छात्रों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि दोनों छात्रों के शव सोमवार सुबह बरामद किए गए। यह घटना रविवार शाम करीब पांच बजे इछावर थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के पास वन क्षेत्र में स्थित भेरुखो झरने में हुई। आष्टा थाना क्षेत्र के कोठरी स्थित वीआईटी कॉलेज के पांच छात्र खेवनी अभयारण्य क्षेत्र में नहाने गए थे। इनमें से दो छात्र हेमंत राव और सिनमुक झरने में बह गए और उनका कुछ पता नहीं चल पाया।

## कल अंतरिक्ष में प्रक्षेपित होगा पृथ्वी अवलोकन उपग्रह निसार

**चेन्नई, एजेंसी**

पृथ्वी का अवलोकन करने वाले उपग्रह 'नासा-इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार' (निसार) को जीएसएलवी-एस16 रॉकेट के माध्यम से 30 जुलाई को अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया जाएगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी. नारायणन ने यह जानकारी दी।

'निसार' का वजन 2,392 किलोग्राम है। पृथ्वी का अवलोकन करने वाला यह पहला उपग्रह है, जो दोहरे आवृत्ति सिंथेटिक अपर्चर रडार (नासा का एल-बैंड और इसरो का एस-बैंड) के साथ पृथ्वी का निरीक्षण करेगा। ऐसा पहली बार होगा जब यह उपग्रह 'स्वीप एसएआर' प्रौद्योगिकी

● दोहरे आवृत्ति सिंथेटिक अपर्चर रडार वाला पहला उपग्रह

का उपयोग करते हुए 242 किमी के दायरे और उच्च स्थानिक विभेदन क्षमता के साथ पृथ्वी का निरीक्षण करेगा। किसी तस्वीर के संबंध में उच्च स्थानिक विभेदन क्षमता का उपयोग होता है, जिसमें तस्वीर में बारीक से बारीक विवरण को साफ देखा जा सकता है। इस उपग्रह को श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से प्रक्षेपित किया जाएगा।

## देश भर में बढ़ रहा है
# कुत्तों का आतंक

दिल्ली में हाल ही एक छह साल की बच्ची को कुत्तों के नोंचकर मार डालने की घटना का सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है, जिस पर अब सीजेआई बीआर गवई सुनवाई करेंगे। दरअसल, भारत में आवारा कुत्तों के हमलों की समस्या गंभीर रूप से बढ़ रही है। शहरी क्षेत्रों में यह समस्या संकट का रूप ले चुकी है और सार्वजनिक स्वास्थ्य, नागरिक सुरक्षा और प्रशासनिक चुनौती का विषय बन चुकी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के साथ देश के चुनिंदा शहर भी इस समस्या से अछूते नहीं बचे हैं। सरकारी प्रयासों की कमी और घटनाओं की अनदेखी ने लोगों को बेबस बना दिया है। हालात इस कदर विकराल हो चुके हैं कि सैकड़ों लोगों को हर साल कुत्तों के हमलों का शिकार होने के बाद जान गंवानी पड़ रही है। इनमें ज्यादातर बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं। लोगों के रेबीज से ग्रस्त होने का आंकड़ा भी अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया है और इसमें साल दर साल और वृद्धि होती जा रही है।

### रेबीज : दुनिया भर में 35% मौतें भारत में

भारत में रेबीज को 100 प्रतिशत घातक लेकिन 100 प्रतिशत रोकथाम के भी योग्य रोग माना जाता है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2020 में रेबीज की वजह से लगभग 125, 2021 में 113, 2022 में 150 से ज्यादा और 2023 में दो सौ से ज्यादा लोगों की मौत हुई। हालांकि विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि भारत में हर साल लगभग 18 हजार से 20 हजार तक लोगों की मौत रेबीज से होती है जो वैश्विक मौतों का 35 प्रतिशत है। इनमें 90 प्रतिशत से ज्यादा रेबीज के केस कुत्ते के ही काटने से होते हैं।

### कुत्तों के हिंसक होने के कारण

- भूख और कुपोषण प्रमुख है। साथ ही मानव की ओर से हिंसा का शिकार होकर आक्रामक हो जाते हैं।
- संख्या में अत्यधिक वृद्धि दूसरा प्रमुख कारण है। झुंड में होने से आवारा कुत्तों में आक्रामकता बढ़ जाती है।
- प्रजनन के समय नर कुत्ते अधिक आक्रामक होते हैं।

### देश के प्रमुख शहरों के हालात

- आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक दिल्ली में वर्ष 2023 में आवारा कुत्तों ने एक लाख से ज्यादा लोगों को हमला कर घायल किया।
- मुंबई में बृहन्मुंबई म्यूनिसिपल कॉरपोरेशन के अनुसार आवारा कुत्ते रोजाना दो सौ से ज्यादा लोगों को हमला कर घायल कर देते हैं।
- कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में वर्ष 2022 में आवारा कुत्तों के लोगों को काटने के 30,000 से अधिक केस रिकॉर्ड में दर्ज किए गए।
- हैदराबाद में करीब 50,000 से ज्यादा आवारा कुत्ते हैं। पटना, रांची और लखनऊ जैसे शहरों में बच्चों पर हमलों में काफी वृद्धि हुई है।

### उत्तर प्रदेश में आवारा कुत्तों की स्थिति

- वर्ष 2023 के आंकड़ों के मुताबिक राज्य भर में 35 लाख से ज्यादा आवारा कुत्ते हैं। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी, प्रयागराज, मेरठ, नोएडा जैसे शहरों में सर्वाधिक।
- 2021 में 1.25 लाख, 2022 में 1.5 लाख, 2023 में 1.9 लाख, 2024 में जून तक 1 लाख डॉग बाइट। 2021 की तुलना में 2023 में रेबीज से दोगुनी मौतें रिकॉर्ड हुईं।
- प्रदेश में कुत्तों की नसबंदी दर लक्ष्य से बहुत कम, ग्रामीण क्षेत्रों में एंटी रेबीज वैक्सीन की कमी, साथ ही नगर निकायों के पास प्रशिक्षित स्टाफ न होने से बढ़ रहा संकट।
- नगर निकायों को निर्देश दिए गए कि खुले कचरे के ढेर हटाएं ताकि कुत्तों को भोजन न मिले। कुत्तों की गणना के लिए सर्वेक्षण योजना लागू की गई लेकिन काम नहीं हुआ।

### सरकारी कदम

- केंद्र सरकार ने एनिमल बर्थ कंट्रोल रूल्स 2023 लागू कर आवारा कुत्तों के बधियाकरण और टीकाकरण अनिवार्य किया है।
- नगर निकायों को जिम्मेदारी दी कि वे मानक प्रक्रिया के तहत आवारा कुत्तों को पकड़ें, नसबंदी करें और वहीं छोड़े जहां से पकड़े गए थे।
- राष्ट्रीय रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत जागरूकता प्रसार, कुत्तों को टीके देना और हमले के शिकार लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा।

# छत्तीसगढ़: ननों की गिरफ्तारी के बाद रायपुर से दिल्ली तक राजनीति गरम

## कांग्रेस की अगुवाई में विपक्ष के सांसदों ने संसद परिसर में किया प्रदर्शन

**नई दिल्ली, एजेंसी**

छत्तीसगढ़ के दुर्ग में दो कैथोलिक ननों की गिरफ्तारी पर रायपुर से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक राजनीति गरमा गई है। ननों की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवारको कांग्रेस के महासचिव केसी वेणुगोपाल समेत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और उनकी तत्काल रिहाई की मांग की। संसद में भी इसकी गूंज सुनाई दी। दोनों नन केरल की रहने वाली हैं।

छत्तीसगढ़ के दुर्ग रेलवे स्टेशन पर कथित मानव तस्करी और जबरन धर्मांतरण के आरोप में दो ननों सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। एक जीआरपी अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी थी। अधिकारी के मुताबिक, यह कार्रवाई बजरंग दल के एक स्थानीय पदाधिकारी की शिकायत के बाद की गई, जिसमें आरोप लगाया गया था कि ये तीनों लोग नारायणपुर की तीन लड़कियों का जबरन धर्मांतरण और तस्करी कर रहे थे।

सोमवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले कांग्रेस के केसी वेणुगोपाल, आरएसपी के एनके प्रेमचंद्रन और आईयूएमएल के ईटी मोहम्मद बशीर सहित यूडीएफ सांसदों ने संसद भवन परिसर के मकर द्वार के सामने प्रदर्शन किया। वे पोस्टर लिए हुए थे जिन पर 'अल्पसंख्यकों पर हमले बंद करो' लिखा था। सांसदों ने ननों की गिरफ्तारी के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

ननों की गिरफ्तारी के खिलाफ संसद के बाहर विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन। ● एजेंसी

### कांग्रेस की राजनीति आपत्तिजनक : भाजपा

भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी अमित चिमनानी ने एक बयान में कहा, इस मामले में कांग्रेस की राजनीति बेहद आपत्तिजनक है । तुष्टीकरण की राजनीति के चलते कांग्रेस नेता राहुल गांधी, प्रियंका गांधी ,वेणु गोपाल और सारे कांग्रेस के नेता बस्तर की बेटियों की तस्करी के आरोपियों के पक्ष में खड़े है और तो और छत्तीसगढ़ कांग्रेस जिसे अपने छत्तीसगढ़ की बच्चियों के साथ खड़ा होना था वह भी अपने आकाओं के सुर में सुर मिला रहे हैं एक बार फिर से प्रमाणित हो गया है कि छत्तीसगढ़ के कांग्रेस के नेता अपने आकाओं के निर्देशों का ही पालन करेंगे, छत्तीसगढ़ की जनता से उनका कोई मतलब नहीं है। छत्तीसगढ़ की बेटियां उन्हें कभी माफ़ नहीं करेंगी। छत्तीसगढ़ की विष्णु देव साय सरकार छत्तीसगढ़ की बेटियों की सुरक्षा के लिए संकल्पित है। भाजपा ने मामले की जांच के लिए एक प्रतिनिधिमंडल भी दुर्ग भेजने की घोषणा की।

वेणुगोपाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, इन निर्दोष महिलाओं ने कुछ गलत नहीं किया, फिर भी हिंसक भीड़ ने उन्हें निशाना बनाया। उन्होंने आरोप लगाया, भाजपा-आरएसएस के तंत्र में अल्पसंख्यकों को अपराधी समझा जाता है और असामाजिक तत्वों को आस्था का पालन कर रहे नागरिकों को डराने के लिए छोड़ दिया जाता है। छत्तीसगढ़ में बजरंग दल के गुंडों और पुलिस की यह जुगलबंदी भाजपा की धार्मिक अल्पसंख्यकों के प्रति वास्तविक मंशा को दर्शाती है।

### राहुल गांधी ने उठाया लोकसभा में मामला

**नई दिल्ली।** कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि छत्तीसगढ़ में दो ननों को उनकी आस्था के चलते गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि जिन राज्यों में भाजपा की सरकार है वहां अल्पसंख्यकों का सुनियोजित तरीके से उत्पीड़न किया जा रहा है। धार्मिक स्वतंत्रता को संवैधानिक अधिकार बताते हुए राहुल गांधी ने दोनों ननों की तत्काल रिहाई और उनके साथ हुए अन्याय के लिए जवाबदेही तय किए जाने की मांग की। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, छत्तीसगढ़ में दो ननों को उनकी आस्था के लिए गिरफ्तार कर लिया गया। यह यह भाजपा और आरएसएस का भीड़ नियम है। यह एक खतरनाक चल का परिचायक है, इस शासन के तहत सुनियोजित उत्पीड़न है। लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, यूडीएफ सांसदों ने आज संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। हम चुप नहीं रहेंगे।

## दिव्य दृष्टि

दूर तक देखने, हालात को समझने और तुरंत कार्रवाई करने में महारत हासिल करने के लिए भारतीय सेना ने सोमवार को पूर्वी सिक्किम में दिव्य दृष्टि सैन्य अभ्यास किया । ये अभ्यास विभिन्न सर्विलांस, ड्रोन, रडार और सेंसर पर आधारित था। एजेंसी

### मैं न होता तो पाकिस्तान से अब तक युद्ध कर रहा होता भारत: डोनाल्ड ट्रंप

**लंदन।** अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को फिर दावा किया कि यदि उन्होंने हस्तक्षेप नहीं किया होता और व्यापार वार्ता रोकने की धमकी न दी होती तो भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध चल रहा होता। ट्रंप ने स्कॉटलैंड में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री केअर स्टार्मर के साथ आधिकारिक वार्ता से पहले मीडिया से कहा कि उन्होंने दुनिया भर में छह बड़े युद्ध को रोकने में हस्तक्षेप किया, जिनमें भारत और पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध भी शामिल है। वह गाजा में संघर्ष समाप्त करने के लिए इजराइल पर दबाव डालने के बारे में पूछे गए प्रश्न का उत्तर दे रहे थे।

# दिल्ली में हर दिन कुत्तों के काटने की सैकड़ों घटनाएं ये बहुत परेशान करने वाला

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सुप्रीम कोर्ट ने कुत्तों के काटने से रेबीज होने की घटनाओं के बारे में आई एक खबर पर सोमवार को स्वतः संज्ञान लिया और कहा कि खबर में कुछ चिंताजनक और बहुत परेशान करने वाले आंकड़े हैं। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति आर महादेवन की पीठ ने एक अंग्रेजी दैनिक अखबार के दिल्ली संस्करण में सोमवार को प्रकाशित उस समाचार का संज्ञान लिया जो राष्ट्रीय राजधानी में एक पागल कुत्ते के हमले में छह वर्षीय लड़की की मौत के बारे में थी।

खबर पर स्वतः संज्ञान लेते हुए पीठ ने कहा, समाचार में कुछ चिंताजनक और परेशान करने वाले आंकड़े और तथ्य हैं। इसमें कहा गया है कि हर दिन शहर और इसके बाहरी इलाकों में कुत्तों के काटने की सैकड़ों घटनाएं सामने आ रही हैं, जिससे रेबीज हो रहा है और अंततः बच्चे एवं बुजुर्ग इस भयानक बीमारी का शिकार हो रहे हैं। पीठ ने कहा, हम इस समाचार पर स्वतः संज्ञान लेते हैं। उसने उच्चतम न्यायालय की रजिस्ट्री को इसे जनहित में स्वतः संज्ञान याचिका के रूप में दर्ज करने को कहा। उसने कहा, उचित आदेश के लिए इस निर्णय को समाचार रिपोर्ट के साथ भारत के प्रधान न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाए।

● सुप्रीम कोर्ट ने लिया स्वत: संज्ञान, अखबार की रिपोर्ट को सीजेआई के समक्ष पेश करने का निर्देश

### पूछा था, कुत्तों को घर में क्यों नहीं देते खाना

सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा में आवारा कुत्तों को खाना देने पर परेशान किए जाने का आरोप लगाने वाली एक याचिका पर 15 जुलाई को सुनवाई करते हुए याचिकाकर्ता से पूछा था, आप उन्हें अपने घर में खाना क्यों नहीं देते हैं। कोर्ट ने याची के वकील से कहा, क्या हमें इन बड़े दिल वाले लोगों के लिए हर गली, हर सड़क खुली छोड़ देनी चाहिए। इन जानवरों के लिए तो पूरी जगह है, लेकिन इंसानों के लिए कोई जगह नहीं है।

# शनि शिंगणापुर मंदिर ट्रस्ट के डिप्टी सीईओ ने फंदे पर लटककर जान दी

**मुंबई,एजेंसी**

महाराष्ट्र के अहिल्यानगर जिले में स्थित प्रसिद्ध शनि शिंगणापुर मंदिर का प्रबंधन करने वाले न्यास के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (डिप्टी सीईओ) ने सोमवार को आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बताया कि यह घटनाक्रम मंदिर के कामकाज में भ्रष्टाचार के खुलासे के कुछ हफ्ते बाद हुआ।

पुलिस ने बताया कि श्री शनेश्वर देवस्थान के डिप्टी सीईओ नितिन शेटे (43) मुंबई से लगभग 300 किमी दूर शनि शिंगणापुर गांव के शेटे वस्ती स्थित अपने आवास पर फंदे से

● कुछ समय पहले ही लगे थे मंदिर के कामकाज में भ्रष्टाचार के आरोप

लटके पाए गए। शेटे मंदिर प्रबंधन निकाय के पूर्व न्यासी भी थे, उनकी आत्महत्या के पीछे का कारण अभी तक ज्ञात नहीं है।

घटना का पता सुबह तब चला, जब शेटे ने परिवार के सदस्यों के उनके कमरे का दरवाजा बार-बार खटखटाने के बावजूद कोई जवाब नहीं दिया। अधिकारी के अनुसार, चिंतित परिवार के सदस्यों ने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा और शेटे को रस्सी के फंदे के सहारे छत से लटका पाया।

# थाईलैंड और कंबोडिया संघर्ष विराम पर सहमत

**पुत्रजय (मलेशिया), एजेंसी**

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने सोमवार को कहा कि थाईलैंड और कंबोडिया तत्काल और बिना शर्त संघर्ष-विराम करने पर सहमत हो गए हैं। इसे थाईलैंड और कंबोडिया के बीच पांच दिन से जारी सीमा संघर्ष को रोकने में बड़ी कामयाबी माना जा रहा है।

अनवर ने आसियान (दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन) क्षेत्रीय समूह के प्रमुख के रूप में वार्ता की अध्यक्षता की। उन्होंने कहा कि दोनों पक्षों में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए आवश्यक कदम उठाने पर आम सहमति बन गई है। अनवर ने एक संयुक्त बयान पढ़ते हुए कहा कि कंबोडिया के प्रधानमंत्री हुन मानेट और थाईलैंड के कार्यवाहक प्रधानमंत्री फुमथाम वेचायाचाई 28 जुलाई की मध्यरात्रि से तत्काल और बिना शर्त संघर्ष-विराम पर

● मलेशिया के प्रधानमंत्री ने की घोषणा, तत्काल और बिना शर्त लागू होगा संघर्ष विराम

सहमत हो गए हैं। यह शांति बहाली की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दोनों देश यह बैठक तब करने के लिए तैयार हुए जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चेतावनी दी थी कि यदि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी रहा तो अमेरिका किसी भी देश के साथ व्यापार समझौते पर आगे नहीं बढ़ेगा।

### गाजा पर इजराइल के हमले से 36 फलस्तीनियों की मौत

**दीर अल-बलाह।** इजराइल द्वारा सोमवार को गाजा के विभिन्न स्थानों पर किए गए हमलों में कम से कम 36 फलस्तीनी मारे गए। इस हमले से एक दिन पहले ही इजराइल ने क्षेत्र में गंभीर होते मानवीय संकट के मद्देनजर प्रतिबंधों में ढील दी थी। नासेर अस्पताल के अनुसार, मृतकों में एक नवजात भी शामिल है, जिसका जन्म मां की हमले में मौत के बाद एक जटिल सर्जरी से हुआ था। मध्य गाजा स्थित अवदा अस्पताल के मुताबिक सात शव उसके पास लाए गए है। अस्पताल का दावा है कि इन लोगों की मौत सोमवार को अमेरिका और इजराइल समर्थित गाजा ह्यूमैनिटेरियन फ़ाउंडेशन द्वारा संचालित एक सहायता केंद्र के पास इजराइली गोलीबारी में हुई। अस्पताल ने बताया कि घटनास्थल के पास 20 अन्य लोग घायल भी हुए हैं।

## आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 29 जुलाई, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-श्रावण, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पंचमी 30 जुलाई 12.46 तक तत्पश्चात षष्ठी।

### आज का पंचांग

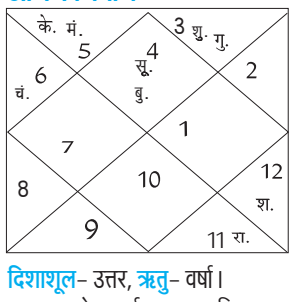


**दिशाशूल**- उत्तर, **ऋतु**- वर्षा। चन्द्रबल-मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।

ताराबल-भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-उत्तराफाल्गुनी 19.27 तक तत्पश्चात हस्त।

**मेष** — आज दिनचर्या अव्यवस्थित रहने वाली है। दूसरों से अधिक सलाह न लें। चलते हुए कार्य अटक सकते हैं। आज गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। छोटी-छोटी समस्याओं की उपेक्षा इस समय न करें वरना ये बाद में बड़ी बन सकती हैं।

**वृष** — आज कार्यक्षेत्र में आपके ऊपर काम का काफी दबाव रहेगा। इस दबाव के कारण घर में झगड़ा हो सकता है। बातचीत करते हुए शब्द चयन सही तरह से करें। अपने व्यवहार में पारदर्शिता रखें। पारिवारिक सुख में वृद्धि होगी।

**मिथुन** — आज रक्तचाप और शुगर के रोगियों को अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। वाहन में खराबी आ सकती है। दोपहर के बाद आपका मन कुछ अप्रसन्न हो सकता है। जल्दबाजी के कार्यों के कारण आपको परेशानी हो सकती है।

**कर्क** — आपका स्वास्थ्य बेहतरीन रहने वाला है। अपनी प्रतिभा का बखूबी प्रयोग करेंगे। विद्यार्थियों को आशा के अनुरूप परिणाम मिलेंगे। उच्चाधिकारियों के साथ आपके संबंध मधुर रहने वाले हैं। छोटी दूरी की यात्रा करने के विचार बना सकते हैं।

**सिंह** — आज पैतृक संपत्ति को लेकर कुछ निर्णय हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा में सफलता मिल सकती है। जीवनसाथी के साथ मिलकर घर के कार्यों में हाथ बटायेंगे। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। स्वभाव में विनम्रता बनाए रखें।

**कन्या** — आज धर्म-कर्म के प्रति आस्था बढ़ेगी। अधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा होगी। अविवाहित लोगों को विवाह के प्रस्ताव मिल सकते हैं। घर में मनपसंद भोजन का आनंद ले सकते हैं। नए व्यवसाय की शुरुआत करना चाह रहे हैं तो सफलता मिलेगी।

**तुला** — आज नकारात्मक विचारों का प्रभाव आपके स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। शाम के समय आप काफी अच्छा महसूस करेंगे। इसीलिए सकारात्मक बने रहें। प्रेम संबंधों में कुछ अनबन हो सकती है। सहकर्मियों का आपके प्रति व्यवहार खराब हो सकता है।

**वृश्चिक** — आज नए विचारों को अपनाने में आप संकोच नहीं करेंगे। वैवाहिक संबंध काफी मधुर रहने वाले हैं। प्रेम संबंधों को लेकर भावनात्मक रहेंगे। उधार दिया हुआ धन वापस मिल सकता है। आपकी छवि में काफी सुधार आयेगा। संतान की शिक्षा पर आप काफी ध्यान देंगे।

**धनु** — आज किसी पुराने मामले का निपटारा हो सकता है। आप में प्रतिस्पर्धा की भावना रहेगी। विदेश में जॉब कर रहे लोगों की आय बढ़ सकती है। धन और करियर के मामले में दिन बहुत शुभ रहने वाला है। नई योजनाओं में आप काम शुरू कर सकते हैं।

**मकर** — आज अधूरे कार्यों को समय पर पूरा करेंगे। परिस्थितियों का समझदारी से मुकाबला करेंगे। आर्थिक मामलों के लिये दिन बहुत ही शुभ रहने वाला है। अपनी जिम्मेदारियों को अच्छी तरह से निभायेंगे। दाम्पत्य सम्बन्धों में मधुरता बढ़ेगी।

**कुंभ** — आज का दिन उठापटक से भरा हुआ रहेगा। आलस्य और प्रमाद में समय व्यर्थ न करें। आज आपको अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिये। लोग आपकी भावनाओं का निरादर कर सकते हैं। दूसरों पर अधिक निर्भर होकर काम न करें।

**मीन** — आज विदेश में व्यापार कर रहे लोगों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की कुछ चिंता रहेंगी। नौकरीपेशा जातकों को आज सम्मान मिल सकता है। आज आप काफी चुस्त-दुरुस्त रहेंगे। किसी विवाह समारोह में भाग लेने के लिए यात्रा कर सकते हैं।

### सुडोकू-53

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | 5 | | | 7 | | 3 | | |
| 8 | | | 2 | | | | 7 | 4 |
| | | 7 | | 1 | | 6 | | |
| 6 | | | | | | | | 9 |
| | 7 | 2 | | | | 8 | | |
| | | | | 6 | | | | 1 |
| | | 3 | | 2 | | 5 | | |
| 9 | 4 | | | | 7 | | | 2 |
| | | 6 | | 9 | | | 8 | |

### सुडोकू - 52 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 5 | 3 | 8 | 4 | 1 | 6 | 9 | 7 |
| 6 | 4 | 8 | 2 | 9 | 7 | 3 | 5 | 1 |
| 1 | 7 | 9 | 3 | 6 | 5 | 4 | 8 | 2 |
| 8 | 2 | 6 | 7 | 5 | 4 | 1 | 3 | 9 |
| 9 | 3 | 4 | 6 | 1 | 2 | 8 | 7 | 5 |
| 5 | 1 | 7 | 9 | 8 | 3 | 2 | 4 | 6 |
| 4 | 8 | 2 | 1 | 7 | 9 | 5 | 6 | 3 |
| 7 | 6 | 1 | 5 | 3 | 8 | 9 | 2 | 4 |
| 3 | 9 | 5 | 4 | 2 | 6 | 7 | 1 | 8 |

अगर शुभमन गिल ने वैसा प्रदर्शन नहीं भी किया होता जैसा उन्होंने किया, तब भी हमें उनकी प्रतिभा पर पूरा भरोसा होता। मायने यह रखता है कि वह अपनी उम्मीदों और क्षमता पर खरे उतर रहे हैं। वह कप्तान नहीं, बल्लेबाज के रूप में खेलते हैं। –गौतम गंभीर


# स्टेडियम

अयोध्या, मंगलवार, 29 जुलाई 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com


## हाईलाइट

### इनियान ने डोल ओपन शतरंज खिताब जीता

**नई दिल्ली :** भारतीय ग्रैंडमास्टर पी इनियान ने पोलैंड के यान मालेक को टाइब्रेकर में हराकर दूसरा डोल ओपन अंतर्राष्ट्रीय शतरंज खिताब जीत लिया। फ्रांस में हुए टूर्नामेंट में दोनों खिलाड़ियों के 7.5 अंक रहने के बाद विजेता का निर्धारण टाइब्रेकर के आधार पर हुआ। तमिलनाडु के इरोड के रहने वाले इनियान पूरे टूर्नामेंट में अपराजेय रहे। उन्होंने उजबेकिस्तान, मेडागास्कर, तुर्की, फ्रांस और पोलैंड के अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स को हराने के अलावा तीन ड्रॉ खेले। टूर्नामेंट में 43 देशों के 39 ग्रैंडमास्टर्स समेत 276 खिलाड़ियों ने भाग लिया था।

### भारतीयों में अटवाल शीर्ष स्थान पर रहे

**लंदन :** अर्जुन अटवाल छह बर्डी लगाने के बावजूद आईएसपीएस एचएएनडीए सीनियर ओपन गोल्फ के आखिरी दौर में एक अंडर 69 का कार्ड खेल कर संयुक्त 24वें स्थान पर रहे। अटवाल ने छह बर्डी के मुकाबले पांच बोगी कर दिये जिसमें दो बोगी आखिरी के पांच होल में आये। वह चार दौर में 67-72-69-71 के कार्ड के साथ प्रतियोगिता में खेल रहे तीन भारतीयों में शीर्ष स्थान पर रहे। जीव मिल्खा सिंह (69) संयुक्त 56वें और ज्योति रंधावा (73) संयुक्त 61वें स्थान पर रहे।

### वेस्टइंडीज टीम पर लगा जुर्माना

**बासटेयर :** वेस्टइंडीज की टीम पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टी-20 मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। वेस्टइंडीज को 26 जुलाई को खेले गये चौथे टी-20 मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ धीमी ओवर गति के उल्लंघन का दोषी पाया गया। वेस्टइंडीज ने आईसीसी आचार संहिता 2.22 का उल्लंघन किया। उसने तय समय में दो ओवर कम फेंके। कप्तान शाई होप ने आईसीसी मैच अधिकारियों द्वारा प्रस्तावित जुर्माना स्वीकार कर लिया। इसलिये इस पर औपचारिक सुनवाई की आवश्यकता नहीं है।

### गोल्फर दीक्षा संयुक्त 39वें स्थान पर रहीं

**आयरशर (स्कॉटलैंड) :** भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर महिला स्कॉटिश ओपन गोल्फ टूर्नामेंट के चौथे दौर में एक अंडर 71 का कार्ड खेलने के बाद नौ स्थान के सुधार के साथ संयुक्त 39वें पायदान पर रही। दीक्षा दूसरे दौर में लचर प्रदर्शन के बाद तीसरे और चौथे दौर में अच्छी वापसी करते हुए 'मेजर' स्तर के टूर्नामेंट एआईजी महिला ओपन के लिए अपनी तैयारियों को पुख्ता करने में सफल रही। दीक्षा एक अंडर (69-76-71-71) के स्कोर के साथ शीर्ष 40 में जगह हासिल करने में सफल रही। दीक्षा ने अपना खेल बैक नाइन (10वें होल से) से शुरू किया। वह 12 होल में बोगी करने के बाद 13 होल में डबल बोगी कर बैठी। वह 18वें होल में बर्डी के साथ वापसी करने में सफल रही।

### काफा नेशंस कप खेल सकता है भारत

**नई दिल्ली :** भारतीय फुटबॉल टीम ताजिकिस्तान और उजबेकिस्तान में 28 अगस्त से आठ सितंबर के बीच काफा नेशंस कप खेल सकती है। चूंकि मलेशिया के विकल्प के तौर पर मध्य एशियाई फुटबॉल संघ ने भारत को खेलने का न्योता दिया है। आठ टीमों के टूर्नामेंट से मलेशिया ने खिलाड़ियों की उपलब्धता और लॉजिस्टिक्स का हवाला देकर 15 जुलाई को नाम वापिस ले लिया था। यह टूर्नामेंट फीफा की अंतर्राष्ट्रीय विंडो में नहीं पड़ता जो एक से नौ सितंबर के बीच है।

### विश्व तैराकी में 43वें स्थान पर रहे साजन

**सिंगापुर :** भारत के अनुभवी तैराक साजन प्रकाश सोमवार को यहां विश्व तैराकी चैंपियनशिप में पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा के सेमीफाइनल में जगह बनाने में असफल रहे। इस 31 वर्षीय बटरफ्लाई विशेषज्ञ ने 1:51.57 सेकंड का समय निकालकर अपनी हीट में चौथा और कुल मिलाकर 43वां स्थान हासिल किया। शीर्ष 16 तैराक सेमीफाइनल में पहुंचे। रोमानिया के डेविड पोपोविसी ने 1:45.43 सेकंड के साथ हीट में सबसे तेज समय निकाला जबकि इटली के कार्लोस डी'अम्ब्रोसियो (1:46.67 सेकंड) सेमीफाइनल में जगह बनाने वाले अंतिम तैराक रहे।

# हम्पी को हराकर दिव्या बनीं शतरंज की वर्ल्ड चैंपियन

## महिला फुटबाल में फिर इंग्लैंड यूरोपीय चैंपियन

बातुमी (जॉर्जिया), एजेंसी

भारतीय शतरंज खिलाड़ी कोनेरू हम्पी और विजेता दिव्या देशमुख (दाएं)। एजेंसी

- फाइनल में दोनों भारतीय महिला खिलाड़ियों ने दिखाया जलवा

**38** साल की कोनेरू हम्पी 2002 में ग्रैंडमास्टर बनीं थीं, जबकि दिव्या का जन्म 2005 में हुआ और वह सिर्फ 19 वर्ष की हैं

**40** वीं चाल में हम्पी ने अपना आपा खोया, प्यादों को गंवाकर विरोधी खिलाड़ी पर आक्रमण करने की नाकाम कोशिश की

भारत की युवा शतरंज खिलाड़ी दिव्या देशमुख ने अपने करियर की सबसे बड़ी सफलता हासिल करते हुए सोमवार को यहां हमवतन और अपने से कहीं अधिक अनुभवी कोनेरू हम्पी को टाइब्रेकर में हराकर फिडे महिला विश्व कप का खिताब जीता। इस जीत से 19 साल की दिव्या ने ना सिर्फ यह प्रतिष्ठित टूर्नामेंट जीता बल्कि ग्रैंडमास्टर भी बन गईं जो टूर्नामेंट की शुरुआत में असंभव लग रहा था।

वह ग्रैंडमास्टर बनने वाली सिर्फ चौथी भारतीय महिला और कुल 88वीं खिलाड़ी हैं। नागपुर की इस खिलाड़ी ने शनिवार और रविवार को खेले गए दो क्लासिकल मुकाबलों के ड्रॉ होने के बाद टाइब्रेकर में जीत दर्ज की। दो क्लासिकल बाजी ड्रॉ होने के बाद टाइब्रेकर का पहला समूह निर्णायक साबित हुआ जिसमें हम्पी ने अपना संयम खो दिया। विश्व कप और महिला विश्व चैंपियनशिप को छोड़कर हम्पी ने अंतर्राष्ट्रीय शतरंज में सब कुछ जीता है लेकिन किस्मत या फिर अपने धैर्य के कारण विश्व कप खिताब जीतने में नाकाम रही हैं। दिव्या ने सोमवार को दृढ़ निश्चय दिखाया और इस जज्बे का बोनस ग्रैंडमास्टर खिताब था जो इस प्रतियोगिता के चैंपियन के लिए आरक्षित था। सोमवार को समय नियंत्रित टाइब्रेकर की पहली बाजी में सफेद मोहरों से खेलते हुए दिव्या ने हम्पी को फिर से ड्रॉ पर रोका लेकिन दूसरी बाजी में काले मोहरों से खेलते हुए उन्होंने दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन को हराकर जीत दर्ज की। दिव्या अब हम्पी, डी हरिका और आर वैशाली के साथ देश की ग्रैंडमास्टर बनने वाली महिलाओं की सूची में शामिल हो गई हैं। हम्पी 38 साल की हैं और 2002 में ग्रैंडमास्टर बनीं जबकि दिव्या का जन्म 2005 में हुआ। दिव्या ऊर्जा से भरी थीं और उन्होंने शुरुआती टाइब्रेकर में हम्पी पर दबाव बनाए रखा और अपनी दिग्गज प्रतिद्वंद्वी को थका दिया और फिर दूसरे टाइब्रेकर में जीत दर्ज की। पेट्रॉफ डिफेंस का इस्तेमाल करते हुए दिव्या ने हम्पी को पहली टाईब्रेक बाजी में बेहतर स्थिति में होने का मौका दे दिया था। हम्पी ने हालांकि समय के दबाव में गलती की और जल्द ही वह ऐसी स्थिति में पहुंच गईं जहां उनके पास दिव्या की रानी के खिलाफ एक रूक (हाथी), बिशप (ऊंट) और एक पॉन (प्यादा) था। हालांकि स्थिति लगभग बराबरी की रही और अंत में हम्पी ने आसानी से ड्रॉ कर लिया। दूसरी बाजी में हम्पी ने कैटलन ओपनिंग का इस्तेमाल किया और दिव्या फिर से अच्छी तरह तैयार थीं। हम्पी ने 40वीं चाल में अपना आपा खो दिया और प्यादों को गंवाकर विरोधी खिलाड़ी पर आक्रमण करने की कोशिश की। दिव्या को हालांकि इससे अधिक मुश्किल नहीं हुई। यह दिव्या का दिन था क्योंकि हम्पी के पास फिर से समय की कमी थी और उन्होंने फिर से गलती की जिससे सैद्धांतिक रूप से दिव्या की जीत की स्थिति बन गई। इस बाजी में दिव्या की किस्मत लंबे समय तक बराबरी और जीत के बीच झूलती रही जिसके बाद नागपुर की इस लड़की ने बाजी मार ली। अपने से दोगुनी उम्र की प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ जीत के बाद भावुक दिव्या अपने आंसू नहीं रोक पाईं। हम्पी ने दिव्या के खिलाफ हारने से पहले आखिर तक संघर्ष किया।

### दिव्या बोलीं अभी अविश्वसनीय लग रहा

- दिव्या ने कहा मुझे इसे (जीत को) समझने के लिए समय चाहिए। मुझे लगता है कि यह नियति की बात थी कि मुझे इस तरह ग्रैंडमास्टर का खिताब मिला क्योंकि इस (टूर्नामेंट) से पहले मेरे पास एक भी (ग्रैंडमास्टर) नॉर्म नहीं था और अब मैं ग्रैंडमास्टर हूं। मुकाबले पर करीबी नजर रखने वाले पांच बार के पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने दिव्या की जीत की सराहना की और इसे भारतीय शतरंज के लिए महान जश्न करार दिया। आनंद ने एक्स पर लिखा दिव्या देशमुख को विश्व कप जीतने पर बधाई। ग्रैंडमास्टर बनने और कैंडिडेट्स टूर्नामेंट में जगह बनाने पर। धैर्य की अद्भुत परीक्षा। कोनेरू हम्पी ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया और शानदार जुझारूपन दिखाया। वह एक महान चैंपियन हैं।

**बासेल :** गत विजेता इंग्लैंड ने विश्व चैंपियन स्पेन को पेनल्टी शूट आउट में 3-1 से पराजित करके लगातार दूसरी बार महिला यूरोपीय फुटबॉल चैंपियनशिप (यूरो 2025) का खिताब जीता। इंग्लैंड ने इस तरह से स्पेन से विश्व कप 2023 के फाइनल में मिली हार का बदलाव की चुकता कर दिया।

स्पेन खिताबी हैट्रिक पूरी करने में नाकाम रहा। उसने विश्व कप के अलावा 2024 में यूईएफए नेशंस लीग का खिताब भी जीता था। स्पेन ने मैरियोना काल्डेन्ते के 25वें मिनट में हेडर से किए गए गोल से बढ़त बनाई। इंग्लैंड की तरफ से एलेसिया रुस्सो ने 57वें मिनट में हेडर से गोल करके स्कोर बराबर कर दिया। इससे अतिरिक्त समय के बाद स्कोर 1-1 से बराबरी पर था। इसके बाद पेनल्टी शूटआउट का सहारा लेना पड़ा। टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुनी गई स्पेन की स्टार ऐताना बोनमाटी ने कहा, ''हम टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम थे, लेकिन कभी-कभी यह पर्याप्त नहीं होता।

# भारत को अब भी जिताऊ संयोजन की तलाश

## 31 जुलाई से होना है पांचवां व अंतिम टेस्ट मैच, शार्दुल और कंबोज हो सकते हैं बाहर

मैनचेस्टर, एजेंसी

इंग्लैंड में पांच मैचों की टेस्ट शृंखला अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है, लेकिन ओल्ड ट्रैफर्ड में यादगार ड्रॉ हासिल करने के बावजूद भारत तीन दिन बाद ओवल में होने वाले पांचवें और अंतिम मैच से पहले अपनी सर्वश्रेष्ठ एकादश, खासकर सही गेंदबाजी संयोजन की तलाश में है।

भारत ने शृंखला के दौरान किसी विशेषज्ञ गेंदबाज की बजाय आठवें नंबर तक बल्लेबाजी करने को प्राथमिकता दी जिस पर लगातार सवाल उठाए जा रहे हैं, खासकर तब जब चोटिल नीतीश रेड्डी की जगह खेल रहे शार्दुल ठाकुर से ओल्ड ट्रैफर्ड में केवल 11 ओवर करवाए गए। लेकिन भारत ने ओल्ड ट्रैफर्ड में 2014 के बाद पहली बार 600 से अधिक रन दिए, इसलिए पिछले 40 दिन से बेंच पर बैठे हुए कुलदीप यादव जैसे विकेट लेने वाले गेंदबाज को टीम में शामिल करने का मामला पहले से कहीं अधिक मजबूत हो गया है।

अंशुल कंबोज का टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण अच्छा नहीं रहा और उनकी जगह पूरी तरह से फिट आकाशदीप या प्रसिद्ध कृष्णा को अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। इसके अलावा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण का सपना देख रहे होंगे। भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने हालांकि रविवार को ड्रॉ के बाद अपने चिरपरिचित आक्रामक लहजे में सभी तेज गेंदबाजों को फिट घोषित कर दिया, लेकिन इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि तेज गेंदबाज, विशेषकर जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज पर अब थकान हावी हो रही है। ऋषभ पंत के चोटिल होने के कारण चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में वाशिंगटन सुंदर और रविंद्र जडेजा भारत के शीर्ष छह बल्लेबाजों में शामिल थे और इन दोनों ने अपने धैर्य का शानदार नमूना पेश करते हुए शतक लगाए और मैच को ड्रा करने में अहम भूमिका निभाई। यदि ओवल में भी यही तरीका अपनाया जाता है तो ध्रुव जुरेल सातवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आएंगे और भारत शार्दुल ठाकुर को बाहर करके चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ खेल सकता है। शार्दुल का वैसे भी एक गेंदबाज के रूप में पर्याप्त उपयोग नहीं किया जा रहा है। चौथे गेंदबाज के रूप में कुलदीप यादव को शामिल किया जा सकता है क्योंकि पिच से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है या फिर एक अतिरिक्त तेज गेंदबाज को भी शामिल किया जा सकता है। भारतीय टीम प्रबंधन ने स्वयं स्वीकार किया है कि वह कुलदीप को अंतिम एकादश में शामिल करने का प्रयास कर रहा है, लेकिन आठवें नंबर तक बल्लेबाज रखने की रणनीति के कारण वह ऐसा नहीं कर पा रहा है। पहले की योजना के अनुसार बुमराह को कार्यभार प्रबंधन के तहत इस शृंखला के तीन टेस्ट मैच में ही खेलना है।

भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर व मुख्य चयनकर्ता अजित आगरकर। एजेंसी

### हमने यह दिखाया, भारत महान टीम क्यों है: गिल

- **मैनचेस्टर :** भारतीय कप्तान शुभमन गिल का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच के आखिरी दिन ऐतिहासिक प्रदर्शन से हार टालने का विश्वास लोकेश राहुल के साथ उनकी साझेदारी से उपजा है और टीम ने ऐसा करके यह जता दिया वे महान टीम क्यों है। भारतीय टीम ने पहली पारी में 311 रन से पिछड़ने के बाद दूसरी पारी में बिना कोई रन बनाये दो विकेट गंवा दिए थे लेकिन गिल, रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर ने शानदार शतक जड़कर अपनी टीम को हार से बचाया। गिल ने कहा 140 ओवर तक एक ही मानसिकता बनाए रखना बहुत चुनौतीपूर्ण है। एक अच्छी टीम और एक महान टीम में यही अंतर होता है। मुझे लगता है कि हमने आज यह दिखाया कि हम एक महान टीम हैं। शून्य रन पर दो विकेट गंवाने के बाद मुझे लगता है कि मेरे और केएल (राहुल) भाई के बीच की साझेदारी ने उम्मीद जगा दी थी कि हम इस काम को कर सकते हैं। मैं बेहद, बेहद खुश हूं। जिस स्थिति में हम कल थे, वहां से ड्रॉ हासिल कर पाना बेहद संतोषजनक है।

### रणनीतिक रूप से सही नहीं दिखे गंभीर

- पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि गौतम गंभीर को शायद थोड़ा शांत रहने की जरूरत है। राष्ट्रीय टीम के मुख्य कोच के कुछ कमजोर रणनीतिक फैसलों के बावजूद भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट में सम्मानजनक ड्रॉ हासिल किया। बाएं हाथ के पूर्व बल्लेबाज गंभीर लाल गेंद के प्रारूप में रणनीतिक रूप से सही नहीं रहे हैं। रविवार को कड़े मुकाबले में ड्रॉ के बावजूद भारत श्रृंखला में 1-2 से पीछे है और अब सिर्फ एक मैच बाकी है। मांजरेकर ने कहा, ''मुझे लगता है कि उनके (गंभीर) कुछ रणनीतिक फैसलों के बावजूद भारत ने अच्छा प्रदर्शन किया है। यह नहीं भूलें कि भारत न्यूजीलैंड से अपने घर में 0-3 से हारा और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसकी सरजमीं पर आसानी से हार गया। इस टीम में हमने जो संघर्ष देखा है? वह खिलाड़ियों की वजह से है। उन्होंने कहा क्योंकि रणनीतिक तौर पर गंभीर ने हमेशा चीजों को आसान नहीं बनाया है, विशेषकर चयन से जुड़े अपने कुछ फैसलों के साथ।

### शुभमन की प्रतिभा पर कोई संदेह नहीं : गंभीर

- गंभीर ने मैच के बाद कहा शुभमन गिल की प्रतिभा पर कभी कोई संदेह नहीं था। अगर किसी को संदेह था तो शायद उन्हें क्रिकेट की समझ नहीं है। कुछ खिलाड़ियों को जमने में समय लगता है। इस दौरे पर उसने जो किया उससे इस ड्रेसिंग रूम में कोई भी हैरान नहीं है।

### बुमराह पांचवें टेस्ट में खेलते हैं तो हमारे लिए बड़ी बात होगी

- **मैनचेस्टर :** भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि अगर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड के खिलाफ मौजूदा शृंखला के निर्णायक पांचवें टेस्ट मैच में खेलने में सफल रहते हैं तो यह टीम के लिए बड़ी बात होगी, क्योंकि टीम की मूल योजना उन्हें तीन मैचों तक सीमित रखने की थी। बुमराह को अपने कार्यभार प्रबंधन के तहत इस टेस्ट शृंखला के केवल तीन मैच में खेलना था। वह एजबेस्टन में दूसरे टेस्ट में नहीं खेल पाए, लेकिन बाकी तीन टेस्ट मैचों में खेले। मैनचेस्टर में चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ रहने के बाद इंग्लैंड शृंखला में 2-1 से आगे है और इस तरह से भारत को पांच मैचों की शृंखला को बराबर करने के लिए 31 जुलाई से ओवल में शुरू होने वाले पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच में जीत हासिल करनी होगी। गिल ने कहा अगर उन्हें लगता है कि वह पूरी तरह से फिट हैं और हमारे लिए उपलब्ध हैं, तो मुझे लगता है कि यह हमारे लिए बहुत बड़ी बात होगी। उन्होंने कहा अगर वह नहीं खेल पाते हैं तो मुझे तब भी लगता है कि हमारे पास अच्छा गेंदबाजी आक्रमण है। बुमराह ने ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट में 33 ओवर गेंदबाजी की।

### अश्विन ने इंग्लैंड के दोहरे मापदंड की आलोचना की

- **नई दिल्ली :** पूर्व भारतीय स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने चौथे टेस्ट को निर्धारित समय से पहले खत्म करने की इंग्लैंड की कोशिशों के लिए उनके दोहरे मापदंड की आलोचना की जबकि क्रिकेट जगत ने घरेलू टीम के ड्रॉ के प्रस्ताव को स्वीकार करने के बजाय रविंद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर को उनके शतक पूरे करने देने के भारत के फैसले का व्यापक समर्थन किया। रविवार को मैच के आखिरी घंटे की शुरुआत के दौरान उस समय अजीब स्थिति हो गई जब मेजबान टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने भारतीय बल्लेबाजों को ड्रॉ की पेशकश की क्योंकि किसी टीम की जीत संभव नहीं दिख रही थी। जडेजा और वाशिंगटन उस समय क्रमशः 89 और 80 रन बनाकर खेल रहे थे और उन्होंने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया जिससे इंग्लैंड के कप्तान निराश हो गए। स्टोक्स ने बाद में कहा कि उन्होंने यह प्रस्ताव इसलिए दिया था क्योंकि वह अपने थके हुए मुख्य गेंदबाजों के चोटिल होने का जोखिम नहीं उठाना चाहते थे। अश्विन ने कहा उन्होंने पूरे दिन आपके गेंदबाजों को खेला, उनका सामना किया और अचानक जब वे शतक के करीब पहुंचते हैं तो आप बाहर चले जाना चाहते हैं? उन्हें ऐसा क्यों करना चाहिए? उन्होंने कड़ी मेहनत की, आप चाहते हैं कि वे अपना शतक पूरा नहीं करें?

# सात्विक और चिराग की निगाहें खिताब पर

मकाऊ, एजेंसी

- मकाऊ ओपन में लक्ष्य और प्रणय फॉर्म में वापसी करना चाहेंगे

सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी मंगलवार से शुरू हो रहे मकाऊ ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में अपने अच्छे प्रदर्शन को जारी रखते हुए सत्र का पहला खिताब जीतने के इरादे से कोर्ट पर उतरेगी।

एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग ने पिछले सप्ताह चाइना ओपन सुपर 1000 में एक बार फिर सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उन्हें मलेशिया के दूसरे वरीय आरोन चिया और सोह वूई यिक की जोड़ी से हार का सामना करना पड़ा। दुनिया की तीसरे नंबर की जोड़ी ने इस सत्र में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन वह अभी तक खिताब नहीं जीत पाए हैं। उन्होंने इंडिया ओपन, सिंगापुर ओपन और मलेशिया ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने के अलावा इंडोनेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में भी जगह बनाई। मकाऊ ओपन के शुरुआती दौर में उनका सामना लो हैंग यी और एनजी इंग चियोंग की मलेशियाई जोड़ी से होगा। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन विश्व चैंपियनशिप से पहले अपनी लय फिर से हासिल करने की उम्मीद करेंगे। सेन का पहला मुकाबला कोरिया के जियोन ह्योक जिन से होगा। इस बीच 2023 के विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता एचएस प्रणय चाइना ओपन के दूसरे दौर में बाहर होने के बाद वापसी की कोशिश करेंगे। वह अपने अभियान की शुरुआत क्वालीफायर के खिलाफ करेंगे।

# उच्चतम न्यायालय ने लक्ष्य सेन के खिलाफ दायर प्राथमिकी रद्द की

**नयी दिल्ली :** उच्चतम न्यायालय ने जन्म प्रमाण पत्र जालसाजी मामले में भारत के चोटी के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन, उनके परिवार के सदस्यों और कोच के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी सोमवार को रद्द कर दी। न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति अरविंद कुमार की पीठ ने कहा कि सेन के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई जारी रखना अनुचित है और यह अदालती प्रक्रिया का दुरुपयोग है। उच्चतम न्यायालय ने इससे पहले कर्नाटक सरकार और शिकायतकर्ता एम जी नागराज को नोटिस जारी किया था, जिन्होंने आरोप लगाया था कि लक्ष्य सेन और उनके भाई चिराग सेन के जन्म प्रमाण पत्र जाली थे। शीर्ष अदालत कर्नाटक उच्च न्यायालय के 19 फरवरी के आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। उच्च न्यायालय ने सेन, उनके परिवार के सदस्यों और कोच विमल कुमार द्वारा दायर याचिकाओं को खारिज कर दिया था।

**मेहनत का फल** | फिटनेस की चाह ने बदल दी किस्मत, बन गए विश्व कप पदक विजेता

# वजन कम करने को हितेश बने मुक्केबाज

नई दिल्ली, एजेंसी

अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाज हितेश गुलिया। एजेंसी (फाइल फोटो)

एक दशक पहले, एक अधिक वजन का स्कूली छात्र झज्जर के एक स्थानीय स्टेडियम में अपने परिवार के कहने पर कुछ किलो वजन कम करने और फिटनेस बेहतर करने आया था। आज 21 वर्षीय हितेश गुलिया (70 किग्रा) अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी सर्किट में सबका ध्यान खींच रहे हैं।

उन्होंने ब्राजील और कजाखस्तान में आयोजित विश्व कप में क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। हितेश को वह पल अच्छी तरह याद है जब उनकी यात्रा की शुरुआत हुई थी। हितेश ने पीटीआई से कहा जब हम 2015 में अपने पैतृक गांव (जहांगीरपुर) से झज्जर शहर आए तो वहां एक स्थानीय स्टेडियम था। मेरे माता-पिता ने मुझे वहां जाने, थोड़ा दौड़ने और फिट रहने के लिए कहा क्योंकि मैं चौथी कक्षा में था लेकिन मेरा वजन 50-55 किग्रा था। इस मुक्केबाज ने कहा कि उस समय उन्हें पेशेवर रूप से इस खेल को अपनाने की कोई इच्छा नहीं थी।

उन्होंने कहा स्टेडियम में मैं वहां गया जहां मुक्केबाजी हो रही थी और फिट होने के लिए ट्रेनिंग में शामिल हो गया। मेरा मुक्केबाजी में करियर बनाने का कोई इरादा नहीं था। लेकिन फिर एक दिन कोच ने मुझे दस्ताने दिए और मुकाबला करने के लिए कहा। मुक्केबाजी की ट्रेनिंग के शुरुआती चरणों में बहुत कम या बिल्कुल भी अभ्यास नहीं होता क्योंकि मुक्केबाज मुख्य रूप से रिंग से दूर सहनशक्ति बढ़ाने और लचीलेपन को बेहतर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

हितेश ने कहा मैंने अपने विरोधी को मुक्के जड़े और कोच को मेरे अंदर क्षमता नजर आई। उसके बाद मुझे अपने राज्य के लिए एक जिला-स्तरीय टूर्नामेंट के लिए चुना गया। मैं पहले मुकाबले में हार गया लेकिन मेरे परिवार को लगा कि मैं मुक्केबाजी कर सकता हूं।

### पिता ने टैक्सी चलाकर किया पैसे का इंतजाम

- एक निजी ट्रैवल कंपनी में टैक्सी ड्राइवर के रूप में काम कर चुके हितेश के पिता सत्यप्रकाश ने अपने बेटे की सफलता में बहुत बड़ी भूमिका निभाई है। कम आय के बावजूद पांच भाई-बहनों में सबसे छोटे हितेश ने कभी अपने परिवार के संघर्षों का बोझ महसूस नहीं किया और चुपचाप संघर्ष करने के लिए अपने पिता को श्रेय देते हैं। हितेश ने कहा पापा एक कंपनी के लिए कैब चलाते थे। मेरे पास इस बात का कोई जवाब नहीं है कि हम पैसों का प्रबंधन कैसे करते थे, बस इतना है कि मेरे पिता ने बहुत त्याग किया है। घुटने की समस्या होने के बावजूद वह डबल शिफ्ट में काम करते थे। उन्होंने मुझे कभी कुछ नहीं बताया और ना ही पैसों की चिंता करने दी।